Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 12
लखनऊ, सोमवार, 28 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

पायनियर
Established 1865
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर
राष्ट्रीय 10
घुसपैठ के लिए अमित शाह का टीएमसी सरकार पर निशाना

यमुना में भरी जहरीली झाग, दिल्ली के नल सूखे पड़े

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की आधी से ज्यादा आबादी को इस गहरे जल संकट का सामना कर रही है। इसकी मुख्य यमुना में झाग और अमोनिया की मात्रा बढ़ने व ऊपरी गंगा नहर से कच्चे पानी की आपूर्ति में कटौती के कारण हो रहा है। इसके चलते दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और मध्य दिल्ली के कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत हो गई है। जलापूर्ति में यह व्यवधान 1 नवंबर तक जारी रहेगा। यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ने से चंद्रावल, सोनिया विहार और भागीरथी जल उपचार संयंत्रों में अमोनिया की मात्रा जयादा होने के कारण 200-225 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) की कमी आई है। जबकि आधिकारिक तौर पर, केवल सोनिया विहार डब्ल्यूटीपी ही अपनी दैनिक क्षमता 140 एमजीडी से 15 प्रतिशत कम पर काम कर रहा है। डीजेबी की कुल औसत जल उत्पादन क्षमता 990-1,000 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) है, जिसमें ट्यूबवेल से होने वाला उत्पादन भी शामिल है।

यमुना में जहरीला झाग जमा होने के कारण सोनिया विहार जल उपचार संयंत्र को बंद करना पड़ा है, जिससे दक्षिण, उत्तर और पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली के लुटियंस क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। जिससे जोर बाग, लोधी कॉलोनी, गोल्फ लिंक्स, पंडारा रोड, हाईकोर्ट और उसके आसपास, पूर्व और पश्चिम किदवई नगर, तुगलक क्रिसेंट, रविंदर नगर, खान मार्केट, लोधी एस्टेट, अकबर रोड, अमृता शेरगिल मार्ग, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम रोड, पृथ्वी राज रोड और तीस जनवरी रोड शामिल हैं। अमोनिया का उच्च स्तर, 1.5 पीपीएम (पार्ट्स प्रति मिलियन) से अधिक, एक बड़ी उपचार चुनौती पेश करता है, जिससे परिचालन क्षमता में 30 प्रतिशत तक की कमी आती है। यमुना में बढ़ता अमोनिया स्तर दिल्ली वालों के लिए एक समस्या रही है आम तौर पर भागीरथी और सोनिया विहार जल संयंत्र, जिनकी संयुक्त क्षमता 250 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) है। सोनिया विहार से 140 एमजीडी और भागीरथी से 110 एमजीडी पानी गंगा से लेते हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग और उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा किए जा रहे वार्षिक रखरखाव और मरम्मत कार्यों के कारण, 21 अक्टूबर से गंगा जल की आपूर्ति रोक दी गई है। इसके बाद, इन डब्ल्यूटीपी को गंगा जल की आपूर्ति रोक दी गई है।

यमुना नदी के कच्चे पानी में उच्च अमोनिया 1.5 पीपीएम से ऊपर होने के कारण, यमुना के कच्चे पानी को उपचारित करना मुश्किल है। इसलिए, भागीरथी और सोनिया विहार में उत्पादन क्षमता के 30 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। इसके अलावा, उत्पादन पूरी तरह से यमुना नदी के कच्चे पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा हर साल दिसंबर और मार्च के बीच, ट्रीटमेंट प्लांट को कई बार या तो बंद करना पड़ता है या कम क्षमता पर काम करना पड़ता है, क्योंकि सिस्टम केवल 1 पार्ट प्रति मिलियन (पीपीएम) तक अमोनिया का उपचार सकता है। हालांकि, अमोनिया का स्तर 5 पीपीएम तक बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख जल संयंत्रों के लिए चुनौती बन गई है, जो दक्षिण दिल्ली के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति करता है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, पूर्वी दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली का कुछ हिस्सा और एनडीएमसी क्षेत्र का कुछ हिस्सा, जैसे गोकुलपुरी, सोनिया विहार, करावल नगर, बाबरपुर, ताहिरपुर, दिलशाद गार्डन, नंदनगरी, शाहदरा, लक्ष्मी नगर, गीता कॉलोनी, मयूर विहार, कोंडली, दल्लूपुरा, यमुना विहार, करावल नगर, जाफराबाद, झिलमिल, मंडावली, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, विवेक विहार, में (शेष पृष्ठ 9)

पीएम मोदी ने डिजिटल अरेस्ट पर लोगों को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में हर युग में नई चुनौती आई है, लेकिन हमने उसे पार पाया है। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए इससे बचने के लिए रविवार को देशवासियों से रुको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र दिया और इस बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री ने कहा जांच एजेंसियां ??इस समस्या से निपटने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन इस अपराध से खुद को बचाने के लिए जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कह, डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं हैं।

मन की बात के प्रसारण के दौरान, पीएम मोदी ने डिजिटल गिरफ्तारी के साइबर अपराध को उजागर करने के लिए एक पीड़ित और एक जालसाज के बीच बातचीत भी साझा की। डिजिटल गिरफ्तारी फोन कॉल के जालसाज, कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई जैसे विभिन्न संस्थाओं का उपयोग करके, बहुत आत्मविश्वास के साथ नकली अधिकारी के रूप में बात करते हैं। मन की बात के कई श्रोताओं ने इच्छा व्यक्त की है कि हमें इस पर चर्चा करनी चाहिए, तो उन्होंने विस्तार से बताया कि इस प्रकार के फरेब करने वाले गिरोह कैसे काम करते हैं और कैसे खतरनाक खेल खेलते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वालों में हर वर्ग और हर उम्र के लोग हैं और वे डर की वजह से अपनी मेहनत से कमाए हुए लाखों रुपए गंवा देते हैं। इस तरह का कोई कॉल आए तो आपको डरना नहीं है। आपको पता होना चाहिए कि कोई भी जांच एजेंसी फोन कॉल या वीडियो कॉल पर इस तरह पूछताछ कभी नहीं करती। उन्होंने इससे बचने के लिए देशवासियों से रुको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र साझा किया।

मोदी ने कहा, ऐसे मामलों में घबराएं नहीं। शांत रहें। जल्दबाजी में कोई कदम ना उठाएं। किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी ना दें। संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर ऐसी धमकी नहीं देती और न ही पूछताछ करती है और न वीडियो कॉल पर ऐसे पैसे की मांग करती है। उन्होंने कहा, अगर डर लगे तो समझिए कुछ गड़बड़ है। प्रधानमंत्री ने लोगों से ऐसे मामलों में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करने और साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर रिपोर्ट करने के अलावा परिवार और पुलिस को सूचना देने की अपील की। (शेष पृष्ठ 9)

बांद्रा टर्मिनस पर मची भगदड़, 10 लोग घायल

टीएन रघुनाथ। मुंबई

पश्चिम रेलवे के बांद्रा टर्मिनस पर रविवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दिवाली और छठ पूजा मनाने के लिए अपने गृहनगर जाने को लेकर अनारक्षित कोच में बड़ी संख्या में यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करने लगे। इससे प्लेटफार्म पर भगदड़ मचने से 10 यात्री घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर है। यह घटना देर रात करीब 2:45 बजे हुई, जब ट्रेन नंबर 22921 बांद्रा-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस धीरे-धीरे यार्ड से गोरखपुर जाने के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 पर आ रही थी। बड़ी संख्या में यात्री अनारक्षित डिब्बों में से एक में चढ़ने लगे जिससे वहां अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई।

पश्चिम रेलवे ने एक बयान में कहा, 27 अक्टूबर 2024 को देर रात 2.45 बजे, ट्रेन नंबर 22921 अंत्योदय एक्सप्रेस बीडीटीएस यार्ड से धीरे-धीरे प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आ रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ यात्रियों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करने लगे इस दौरान 2 यात्री गिरने से घायल हो गए जबकि भगदड़ से 8 अन्य घायल हो गए।

बांद्रा रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के बाद यात्रियों की सहायता को पहुंची पुलिस और स्वास्थ्यकर्मी

यात्री नूर शेख मोहम्मद (18 साल) और इंद्रजीत साहनी (19 साल) गंभीर से घायल हुए। उन्हें पहले पास के भाभा अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें बृहंमुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा संचालित केईएम अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। बीएमसी के आपदा नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों घायलों के शरीर में कई चोटें आई हैं। नूर मोहम्मद ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। उनकी हालत गंभीर है। अधिकारियों ने शेष आठ घायल यात्रियों की पहचान शब्बीर अब्दुल रहमान (40 साल), परमेश्वर सुखदार गुप्ता (28 साल), संजय तिलकराम कांगये (27 साल), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18 साल), मोहम्मद शरीफ शेख (25 साल) और समीर शेख (22 साल) के रूप में हुई है। इनमें से पांच का भाभा अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि तीन को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

भगदड़ से चंद मिनट पहले शूट किए गए 51 सेकंड के वीडियो क्लिप में बांद्रा रेलवे प्लेटफॉर्म पर प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दे रही थी। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आ रही थी, यात्री एक अनारक्षित डिब्बे में चढ़ने के लिए एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करने लगे। इसके बाद भगदड़ मच गई। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ वीडियो में लोगों को इधर-उधर भागते और चिल्लाते हुए देखा जा सकता है। एक वीडियो में एक व्यक्ति के घाव से खून बह रहा था, जबकि एक अन्य घायल यात्री उसके बगल में पड़ा था। एक वीडियो में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक कांस्टेबल को एक घायल यात्री को अपने कंधे पर ले जाते हुए दिखाया गया, जबकि एक अन्य कर्मी को एक यात्री को कपड़े के अस्थायी स्ट्रेचर में अस्पताल ले जाते हुए देखा गया। सभी 10 घायल लोगों को शुरू में पास के भाभा अस्पताल ले जाया गया, जहां से दो गंभीर रूप से घायल युवकों को केईएम अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। जब यह हादसा हुआ, तब बांद्रा रेलवे स्टेशन पर दिवाली से पहले भारी भीड़ थी। नौकरी की तलाश में मुंबई आए प्रवासी हर साल दिवाली और छठ से पहले ट्रेनों से उत्तर प्रदेश और बिहार स्थिति अपने पैतृक घरों के लिए जाते हैं। एक बयान में पश्चिमी रेलवे ने कहा कि दिवाली और छठ त्योहारों (शेष पृष्ठ 9)

350 से अधिक बम की धमकियां, केवल दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश भर के व्यसायिक विमानों और महत्वपूर्ण होटलों को निशाना बनाकर लगातार बम धमकियों से काफ़ी वित्तीय नुकसान के साथ आम जनता को देरी का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में रविवार को भी अकासा एयर, इंडिगो और विस्तारा की कम से कम 50 विमानों को को बम रखे जाने या उनमें विस्फोट करने धमकियां मिली हैं। इस बीच, कुल 35 होटलों और एक मंदिर को भी बम की धमकी वाले संदेश मिले, जिनमें लखनऊ के 10 महत्वपूर्ण होटल, राजकोट के 10 होटल, कोलकाता के 10 और तिरुपति के कई होटल और एक मंदिर शामिल हैं। पिछले 14 दिनों में अब तक 350 से ज़्यादा फ्लाइट को बम धमकियां मिली हैं। मामले में अब तक केवल दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ मामलों में, धमकियां उन फ़्लाइट को दी गईं जो पहले ही दिन के लिए संचालित हो चुकी थीं या जिनका संचालन निर्धारित नहीं था।

फाइल चित्र

इसके अलावा, चार राज्यों-पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश के दर्जनों महत्वपूर्ण होटलों को भी पिछले तीन दिनों में धमकी भरे संदेश मिले हैं, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान चलाने के साथ सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की है। इनमें से अधिकांश धमकियां सोशल मीडिया के ज़रिए दी गईं।

एयरलाइनों को फर्जी धमकियों के बढ़ते चलन को देखते हुए, सरकार इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, कानून व्यवस्था संचालित करने वाली इकाइयों के साथ खुफिया ब्यूरो की मदद ले रही है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि त्यौहारी सीजन के दौरान विमानन सेक्टर और होटल व अन्य सेवा क्षेत्रों के जरिए अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, इन फर्जी कॉल संदेशों के कारण एयरलाइंस और यात्री अनिश्चितता की स्थिति में हैं। सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो को 18 और विस्तारा को 17 उड़ानों के लिए धमकियां मिली हैं। अकासा एयर को 15 उड़ानों के लिए धमकियां मिली हैं। धमकियों के बाद इंडिगो की कम से कम दो उड़ानों को डायवर्ट किया गया। इसकी फ्लाइट 6ई 133 (पुणे से जोधपुर) को अहमदाबाद और 6ई 87 (कोझिकोड से दम्मम) को मुंबई डायवर्ट किया गया। इंडिगो के बयान के अनुसार, जिन उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट प्राप्त हुए हैं उनमें 6ई 11 (दिल्ली-इस्तांबुल), 6ई 92 (जेद्दा-मुंबई), 6ई 112 (गोवा-अहमदाबाद) समेत कई विमान हैं।

आकासा एयर ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उसकी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम सक्रिय रूप से स्थिति की निगरानी कर रही है और सुरक्षा और नियामक अधिकारियों के संपर्क में है। एक्स पर पोस्ट किए गए अकासा एयर के बयान में कहा गया है, हम स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं और मौके पर अकासा एयर की टीमें यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने में सहायता के लिए तैयार हैं। इन धमकियों ने त्योहारी सीजन के बीच हवाई यात्रियों में दहशत पैदा कर दी है। अकासा एयर के मुताबिक, रविवार को बेंगलुरु से गोरखपुर होते हुए दिल्ली जाने वाली फ्लाइट में बम की धमकी की सूचना मिली थी, जो जांच के बाद फर्जी निकली। (शेष पृष्ठ 9)

अमीरी में पेशेवरों को भी मात दे रहे भिखारी, स्मार्ट फोन से भी हैं लैस

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

जिला शहरी विकास प्राधिकरण (डूडा), नगर निगम और समाज कल्याण विभाग द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में चौंकाने वाली बात सामने आई है कि लखनऊ में कई भिखारी कई पेशेवरों से आर्थिक रूप से बेहतर हैं। कुछ के पास तो स्मार्टफोन और पैन कार्ड भी हैं, जो शहर के भिखारियों की आर्थिक स्थिति के बारे में आम धारणा को चुनौती देते हैं। सर्वेक्षण में शहर में कुल 5,312 भिखारी पाए गए, जिनमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जिनकी मासिक आय 80,000-90,000 रुपये तक पहुंच सकती है- खासकर गर्भवती महिलाएं।

यह सर्वेक्षण भिखारियों की पहचान करने और उन्हें सरकारी कल्याण योजनाओं से जोड़ने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अधिकारी उनका विवरण दर्ज कर रहे हैं और उन्हें मुख्यधारा के समाज में शामिल करने में मदद करने के लिए आधार कार्ड के लिए पंजीकृत कर रहे हैं। एकत्र किए गए आंकड़ों से कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। मंडलायुक्त रोशन जैकब के निर्देशन में शुरू किए गए इस सर्वेक्षण का उद्देश्य भिखारियों की पृष्ठभूमि और रहने की स्थिति को समझना है, साथ ही पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करना है। निष्कर्षों से पता चलता है कि इनमें से कई व्यक्ति बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव और बहराइच जैसे आस-पास के जिलों से आते हैं। अपने गांवों में घर होने के बावजूद, कई लोग लखनऊ की सड़कों पर रहना पसंद करते हैं और भीख मांगना अपना जीवन यापन का तरीका अपनाते हैं।

सर्वेक्षण में पाया गया कि महिलाएं, खासकर जो गर्भवती हैं या जिनके साथ छोटे बच्चे हैं, वे भीख मांगकर सबसे ज्यादा कमाती हैं। उनकी दैनिक आय 3,000 रुपये तक पहुंच सकती है, जबकि बुजुर्ग लोग और बच्चे आम तौर पर 900 रुपये से 2,000 रुपये प्रतिदिन कमाते हैं। नकदी के अलावा, इन व्यक्तियों को अक्सर शुभचिंतकों से भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक चीजें मिलती हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि कुछ समूह महिलाओं को कई बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, उनका मानना है कि गर्भावस्था जनता से अधिक दान आकर्षित करती है। नतीजतन, कई महिला भिखारियों के आठ या नौ बच्चे होते हैं। इन निष्कर्षों के आधार पर, अधिकारियों का अनुमान है कि प्रति (शेष पृष्ठ 9)

लाइलाज ट्रैफिक जाम
पायनियर

धुएं का गुबार, भीड़, शोर करते हार्न के बीच दीवाली की खरीदारी बनी चुनौती

त्योहारी सीजन में लाजपत नगर और सरोजिनी नगर में हर दिन आते हैं हजारों लोग

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

दिवाली से पहले कपड़े, उपहार और दूसरी चीजे खरीदने के लिए लोग राष्ट्रीय राजधानी के बाजारों में पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा लोकप्रिय बाजार दक्षिण दिल्ली के लाजपत नगर और सरोजिनी नगर हैं। सुबह 11 बजे बाजार खुलते ही बड़ी तादाद में लोग यहाँ पहुँच जाते हैं और रात 9 बजे तक लोगों का आना-जाना लगा रहता है। उनकी कार, मोटरसाइकिल, ऑटो रिक्शा और टैक्सियाँ व्यस्त समय में सड़कों पर वाहनों का बोझ और बढ़ा देती हैं। जिसके चलते बाजारों के आसपास हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। भगदड़ जैसी स्थिति पैदा होने पर स्थिति और भी विकट हो सकती है।

सरोजिनी नगर और लाजपत नगर के बाजारों में त्यौहारों के लिए खरीदारी आने वाले ग्राहकों की भीड़ रहती है। खरीदारों की कार, मोटरसाइकिल और ऑटो जैसे वाहनों के इन बाजारों में आने से पार्किंग की समस्या हो जाती हैं जिससे आवाजाही प्रभावित हो जाती है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने त्योहारों को देखते हुए और रोहिणी सेक्टर 14 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पब्लिक स्कूल के पास हुए धमके के मद्देनजर बाजारों समेत संवेदनशील जगहों की सुरक्षा बढ़ा दी है। लाजपत नगर में, यातायात सुचारू नहीं है क्योंकि सड़क के दोनों ओर ग्राहक अपने वाहने पार्क कर देते हैं। जिससे लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है, जबकि बाजार के ठीक बाहर दिल्ली पुलिस का बूथ है और पुलिस ने गश्त भी बढ़ा दी गई है। लोगों को यह भी डर है कि आपात स्थिति में, जाम और वाहनों की आवाजाही के लिए बहुत सीमित जगह के कारण एम्बुलेंस और फायर की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पाती हैं।

एक दुकानदार ने बताया कि पूरा लाजपत नगर भारी ट्रैफिक का सामना कर रहा है। लोगों ने अपनी कारों और वाहनों को सड़कों पर इधर-उधर पार्क कर दिया है। इससे सकड़ संकरी हो गई हैं। इससे लोगों को आने-जाने के लिए बहुत कम जगह मिलती है। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली पुलिस कोई कार्रवाई क्यों नहीं करती। अगर अगर कोई आपात स्थिति उत्पन्न होती है, फायर व एम्बुलेंस की गाड़ियां कैसे पहुँच पाएगी। इलाके के एक अन्य निवासी ने दावा किया कि इलाके में चुनिंदा प्रतिबंध काम नहीं करते। उन्होंने बाजार के आसपास इस तरह की भीड़भाड़ के लिए यातायात के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, सभी तरह के वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना समाधान होना चाहिए, चुनिंदा प्रतिबंध नहीं। लाजपत नगर में रहने वाले एक व्यक्ति के रूप में, वह इस तथ्य की पुष्टि कर सकते है कि यह स्थिति गैर कानूनी पार्किंग और खराब यातायात प्रबंधन से उत्पन्न हुई है। सरोजिनी नगर में भी ऐसी ही स्थिति है, जबकि कई ऑटो-रिक्शा सड़क पर खतरा पैदा करते हैं। विनय नगर में डाकघर के सामने सरोजिनी नगर बाजार में प्रवेश करने वाले ऑटो के कारण यातायात जाम हो जाता है। दिल्ली पुलिस, अगर (शेष पृष्ठ 9)

जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता दें अधिकारी: मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जिनके पास आवास नहीं है उन्हें पीएम-सीएम योजना के तहत पक्का आवास दिलाया जाए और जो किसी सामाजिक पेंशन योजना के दायरे में आने की अर्हता रखते हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए। सीएम योगी ने उक्त निर्देश रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें।

पात्रता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए नन्हे मुन्ने बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया।

गोचर भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान

● **प्रदेश में कुल 6930 हेक्टेयर अवैध कब्जे वाली गोचर भूमि में से 4740 हेक्टेयर भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त**

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में पशुओं के लिए उपलब्ध गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए बड़ा अभियान चला रही है। अब तक अवैध कब्जे वाली 6930 हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि में से 4740 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया है, जबकि शेष कब्जे वाली भूमि को खाली कराने के लिए प्रक्रिया जारी है। राजस्व परिषद के 15 अक्टूबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 61304.504 हेक्टेयर गोचर भूमि उपलब्ध है। 6930.619 हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जे के रूप में चिह्नित किया गया है। कुल मिलाकर 4740.598 हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से रिक्त कराया जा चुका है। देवरिया में कुल 256.296 हेक्टेयर भूमि चारागाह के लिए उपलब्ध है, जिसमें 16.458 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे के रूप में चिह्नित किया गया है। इसमें 5.431 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया है, जबकि अभी 11.027 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराने की प्रक्रिया जारी है। जौनपुर में कुल 1361.983 हेक्टेयर गोचर भूमि में से कब्जे वाली 70.945 हेक्टेयर भूमि पर 21.181 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है। 49.764 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जाएगा। शामली की बात करें तो कुल 293.577 हेक्टेयर भूमि में 105.752 हेक्टेयर पर अवैध कब्जे में से 27.056 हेक्टेयर को मुक्त करा लिया गया है, जबकि 78.696 हेक्टेयर भूमि के लिए अभियान चल रहा है। बिजनौर, मऊ, संभल और गाजियाबाद में भी उपलब्ध कुल गोचर भूमि में से चिह्नित कब्जे वाली भूमि को कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही जारी है। गोचर भूमि पर हरा चारा उत्पादन की बात करें तो प्रदेश में कुल 6708 ग्रामीण गो आश्रय उपलब्ध हैं। इनमें टैग्ड गोचर भूमि 3060 है जो कुल गो आश्रय स्थलों का 45.62 प्रतिशत है। गोआश्रय स्थलों से टैग्ड गोचर भूमि का क्षेत्रफल 9334.17 हेक्टयर, जिसमें बोया गया हरा चारा का क्षेत्रफल 3107.11 हेक्टेयर है जो कुल टैग्ड गोचर भूमि के क्षेत्रफल का 33.29 प्रतिशत है।

रामनगरी में दिखेगा अध्यात्म, परंपरा व संस्कृति का संगम

● **रामकथा पार्क के मुख्य मंच पर होगी छह देशों व उत्तराखंड की रामलीला का मंचन**

लखनऊ। दीपोत्सव-2024 अत्यंत खास होगा, क्योंकि सीएम योगी के नेतृत्व में होने वाला दीपोत्सव पहली बार श्रीरामलला की मौजूदगी में होगा। इस बार 25 लाख दीप प्रज्ज्वलित कर नया रिकार्ड बनाया जाएगा। योगी सरकार के मार्गदर्शन में इस दीपोत्सव में रामनगरी में अध्यात्म, परंपरा व संस्कृति का संगम दिखेगा। 30 अक्टूबर को रामकथा पार्क स्थित मुख्य मंच पर छह देशों व उत्तराखंड की रामलीला का भी मंचन होगा। हनुमान चालीसा नृत्य नाटिका से आध्यात्मिक बयार भी मुख्य मंच पर ही बहेगी। 30 अक्टूबर को दीपोत्सव के मुख्य मंच रामकथा पार्क में छह देशों की रामलीला होगी। म्यामार, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया व इंडोनेशिया के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे। वहीं उत्तराखंड के कलाकारों की तरफ से रामलीला की प्रस्तुति भी मुख्य मंच पर ही होगी। सहारनपुर की रंजना नेव नृत्यमयी रामायण के जरिए आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगी। आगरा की प्रीति सिंह (प्रीति के परिंदे) हनुमान चालीसा नृत्य नाटिका से संकटमोचन के चरणों में हाजिरी लगाएंगी। दिल्ली की मैत्रेय पहाड़ी व उनकी टीम श्रीरामचरितमानस नारी शक्ति पर प्रस्तुत देंगी। लखनऊ की अपर्णा यादव का भजन गायन भी मुख्य मंच पर भी होगा। दीपोत्सव के मुख्य मंच पर यह सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम सात बजे से होंगे।

30 अक्टूबर को दीपोत्सव पर अन्य राज्यों के कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी। इसमें मध्य प्रदेश की निधि चौरसिया टीम बधावा, असम की सनहल देवी बीहू, महाराष्ट्र की श्रद्धा लावनी, तेलंगाना के श्रीधर विश्वकर्मा गुसादी, झारखंड के सृष्टिधर महतो व टीम छाऊ, बिहार की महिमा झिझिया, राजस्थान की ममता देवी कालबेलिया/घूमर लोकनृत्य, जम्मू के मो. यसीन व टीम रउफ लोकनृत्य पर प्रस्तुति देंगे। हरियाणा के संदीप यादव व टीम घूमर, पंजबा के हरदीप सिंह व टीम भांगड़ा, नागपुर की शिवमुद्रा बहुद्देशीय संस्था की तरफ से ढोलताशा नृत्य होगा। गुजरात के नितिन दवे व टीम डांडिया-गरबा, हिमाचल प्रदेश के देवदत्त व टीम शिरमौर नाटी नृत्य, छत्तीसगढ़ के मिलाप दास बनजारे पंथी, सिक्किम के शरद चंद्र सिंह सिघी छम नृत्य, चंडीगढ़ के गुरपेंदर सिंह लुडी नृत्य, गोवा के महेश समयी लैंप नृत्य व ओडिशा के चित्रसेन व टीम गोटीपुआ नृत्य पर प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से ही प्रारंभ हो जाएंगे। संस्कृति विभाग के निर्देशन में 28 से 30 अक्टूबर तक रामलीला दलों के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा की प्रस्तुति होगी। अयोध्या की श्री मारुति नंदन हनुमन आदर्श रामलीला मंडल, श्रीबालाजी सांस्कृतिक विकास सेवा संस्थान, जय हनुमान मानस उत्थान आदर्श रामलीला मंडल, श्रीअवध आदर्श रामलीला समिति, श्रीजनक दुलारी संस्थान समेत 11 दल रहेंगे। लोककलाकार दल भी सि फरुआही, अयोध्या के पुष्पेंद्र कुमार (बहुरूपिया), सुमिष्ठा मित्रा व टीम बधावा, रमा प्रजापति व टीम अवधी, झांसी के निशांत भदौरिया राई, गोरखपुर की सुगम सिंह शेखावत वनटांगिया नृत्य, मथुरा के माधव आचार्य मयूर नृत्य पर प्रस्तुति देंगे।

डिजिटल पथ के रूप में दिखेगा धर्मपथ व लता मंगेशकर चौक

लखनऊ/अयोध्या। आठवें दीपोत्सव के दौरान अयोध्या डिजिटल नगरी के रूप में नजर आने वाली है। आस्था और प्रकाश का दीपोत्सव में ऐसा संगम दिखने वाला है कि हर कोई निहारता ही रह जायेगा। खास तौर से अयोध्या का धर्मपथ और लता चौक। इनकी आभा देखते ही बनेगी क्योंकि यहां डिजिटल पिलर लगाए जा रहे हैं। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद पहली बार दीपोत्सव का आयोजन होना है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं को त्रेता युग वाला अनुभव कराने की कोशिश की जा रही है। राम की पैड़ी समेत अन्य घाटों पर 25 लाख दीपों के प्रज्ज्वलन का रिकार्ड बनना है।

इसके अलावा रामकथा पार्क व प्रमुख पथों को सजाने की कवायद जोर शोर से चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आठवें दीपोत्सव को भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। इंटेलिजेंट लाइटिंग के मीम प्रोडक्शन के असद बताते हैं कि प्रकाश की व्यवस्था के लिए उन्हें चयनित किया गया है। नेशनल हाईवे से अयोध्या में प्रवेश मार्ग धर्मपथ पर 15-15 फीट के 24 पिलर लगाए जा रहे हैं। डिजिटल पिलर पर रामायण के प्रसंग चलेंगे व स्वागतम् द्वार तक 28 से 30 अक्टूबर तक इन्हें चलाया जाना है। पिलर के ऊपर आकर्षक लाइटिंग की भी व्यवस्था रहेगी। रामकथा पार्क, राम की पैड़ी, हनुमान गढ़ी, बिरला मंदिर, भजन संध्या स्थल, तुलसी उद्यान, सरयू ब्रिज इत्यादि स्थलों पर लाइटिंग होगी। अयोध्या में आठवें दीपोत्सव में एक बार फिर से कीर्तिमान बनाने की तैयारी चल रही है। 25 लाख दीपों का रिकार्ड बनाने के लिए 28 लाख से अधिक दीये बिछाए जाएंगे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अयोध्या पहुंच चुके हैं।

विशेष दीपकों से जगमगाएगा श्रीराम लला मन्दिर

लखनऊ/अयोध्या। योगी सरकार इस वर्ष अयोध्या में आठवें दीपोत्सव का भव्य आयोजन कर रही है। इस अवसर पर अयोध्या नगरी को दीपों से रोशन करने और श्रीराम जन्मभूमि पर बने नव्य और भव्य मंदिर में पहली दीपावली को अविस्मरणीय बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष सरयू तट पर जहां 25 से 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है, वहीं श्रीराम मंदिर में विशेष प्रकार के दीपक जलाए जाएंगे। मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखने के लिए विशिष्ट दीपकों की व्यवस्था की है, जो लंबे समय तक प्रकाशमान रहेंगे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की भी विशेष योजना है। मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में विभाजित कर सजावट का दायित्व सौंपा गया है। बिहार कैडर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के प्रत्येक कोने को व्यवस्थित रूप से रोशन करने, सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाने, साफ-सफाई और सजावट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे श्रद्धालु मनोहारी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे। इस दीपोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। मंदिर भवन के ढांचे को धुएं की कालिख से बचाने के लिए परिसर में विशेष मोम के दीपक जलाए जाएंगे, जिनसे कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम होगा। मंदिर ट्रस्ट का प्रयास है कि इस दीपावली में अयोध्या न केवल धर्म और आस्था का केंद्र बने, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दे। दीपोत्सव की भव्यता को श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बनाने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने मंदिर को 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक रात 12 बजे तक बाहर से भवन दर्शन के लिए खुला रखने का निर्णय लिया है। गेट संख्या चार बी (लगेज स्कैनर प्वाइंट) से श्रद्धालु आधी रात तक मंदिर की भव्य सजावट का आनंद ले सकेंगे। यह दीपोत्सव न केवल आस्था बल्कि पर्यावरण और सौंदर्य का संदेश भी देगा, जिससे अयोध्या की दीपावली विश्वभर में विशेष स्थान बनाएगी।

80 हजार दीपों से बना स्वास्तिक पूरे विश्व को देगा शुभता का संदेश

अयोध्या। दीपोत्सव 2024 को लेकर एक ओर जहां योगी सरकार की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं डॉ राममनोहर लोहिया अवध विवि की कुलपति प्रो प्रतिभा गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप दीपोत्सव-2024 को ऐतिहासिक बनाने के लिए सरयू के 55 घाटों पर भारी भरकम टीम उतार दी है। दो हजार से अधिक पर्यवेक्षक, समन्वयक, घाट प्रभारी, दीप गणना व अन्य सदस्यों की देखरेख में 30 हजार से अधिक वालंटियर घाटों पर 28 लाख दीपों को सजाने का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 80 हजार दीपों से वालंटियर द्वारा राम की पैड़ी के घाट नम्बर 10 पर प्रतीक के रूप में स्वास्तिक बना रहे हैं। यह दीपोत्सव आकर्षण का केन्द्र होने के साथ पूरे विश्व को शुभता का संदेश देगा। इसके लिए 150 से अधिक वालंटियर लगाये गए है। दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए दूसरे दिन विश्वविद्यालय परिसर एवं अन्य संस्थानों के वालंटियर जय श्रीराम के जयघोष के साथ राम की पैड़ी रवाना किए गए। सभी वालंटियर ने गले में क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड, टी-शर्ट व कैप में घाटों पर दीपों को सजाना शुरू किया गया। बीच-बीच में वालंटियर द्वारा जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे और 16 गुणे 16 का दीयों का ब्लाक बना रहे है जिनमें 256 दीए सजा रहे है।

छोटी दीपावली के दिन 30 अक्टूबर को 28 लाख दीयों में तेल, बाती लगाकर देर शाम प्रज्वलित करने के साथ एक नया विश्व रिकार्ड कायम करेंगे। दूसरी ओर घाटों पर घाट प्रभारी व समन्वयक द्वारा समय-समय पर वालंटियर को दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे है। वालंटियर गत्तों से दीए निकालकर घाटों पर बिछाने का कार्य कर रहे है। इन वालंटियर को घाटों पर स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था सामग्री संयोजक प्रो सिद्धार्थ शुक्ला व प्रो गंगाराम मिश्र की देखरेख में की गई है। सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। वालंटियर के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। भोजन समिति के संयोजक प्रो चयन कुमार मिश्र व उनके सहयोगियों द्वारा भजन संध्या स्थल पर वालंटियर को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। दूसरी ओर विवि के उपकुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य द्वारा नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए भारी भरकम टीम उतार दी गई है। इनके द्वारा घाटों की साफ-सफाई कराई जा रही है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के विश्व कीर्तिमान के लिए विवि परिसर सहित 14 महाविद्यालय, 37 इण्टर कालेज, 40 एनजीओ के 30 हजार वालंटियर लगाये गए है। सरयू के 55 घाटों पर 30 एमएल दीए के 16 गुणे 16 का एक ब्लाक वालंटियर द्वारा बनाया जा रहा है। 256 दीए बिछाये जा रहे है। दीपोत्सव के दिन 30 एमएल दीए में 30 एमएल सरसों को इस्तेमाल किया जायेगा।

सीएम योगी ने काल भैरव और श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

लखनऊ/वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव और श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और मोमेंटो भेंट किया। मुख्यमंत्री ने पूजा के पश्चात बाबा विश्वनाथ से प्रदेश की खुशहाली और विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने काल भैरव मंदिर के बाहर बच्चों को टाफियां भी बांटी।

मुख्यमंत्री के साथ मंदिर दर्शन के अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु, शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरव श्रीवास्तव, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा और अन्य प्रमुख नेता भी उपस्थित रहे। मंदिर प्रशासन की ओर से कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने स्वागत किया, वहीं पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस राज लिंगम और अन्य उच्च प्रशासनिक अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूच्य हो मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम अशोक कुमार यादव दर्ज हो गया जो कि गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम अशोक कुमार है। अत: अब से मेरे समस्त अभिलेखों में मेरे पिता का सही नाम ही पढ़ा व समझा जाए। मानवेन्द्र यादव पुत्र अशोक कुमार निवासी-ग्राम गनेशपुर जार, थाना-इमलिया सुल्तानपुर, जिला-सीतापुर।

सूचना

सूच्य हो मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम नियाज़ अली दर्ज हो गया जो कि गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम नियाज़ अहमद है। अत:अब से मेरे समस्त अभिलेखों में मेरे पिता का सही नाम ही पढ़ा व समझा जाए। मो० हाशिम पुत्र नियाज़ अहमद निवासी-ग्राम कमलापुर, तहसील- सिधौली, जिला-सीतापुर।

मेरठ में विद्या विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रदान किया गया प्राधिकरण पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से मेरठ में नए विद्या विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्राधिकरण पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सरकार का एक और अहम कदम है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार हो रहा है, जो प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक अहम कदम है। प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, एमश्पीश अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विद्या विश्वविद्यालय, मेरठ को संचालन की अनुमति देते हुए विश्वविद्यालय के सुचारु संचालन हेतु नियमों और शर्तों के अनुपालन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय युवाओं को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा। विद्या विश्वविद्यालय, मेरठ को हाल ही में उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (आठवाँ संशोधन) अध्यादेश, 2024 के तहत अनुमोदित किया गया है और इसे उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची-2 में कमांक 46 पर शामिल किया गया है। प्राधिकरण पत्र के साथ अब यह विश्वविद्यालय अपनी संचालन प्रक्रिया प्रारंभ कर सकेगा।

राज्य महिला आयोग की बैठक आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ. बबीता सिंह चौहान सोमवार 28 अक्टूबर को गोमतीनगर स्थित महिला आयोग के सभागार में पूर्वान्ह 11 बजे से आयोग की पदाधिकारियों के साथ महिलाओं के उत्थान, उन्नति एवं उनके उत्पीड़न संबंधी समस्याओं पर महिला आयोग की पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। साथ ही आयोग की अध्यक्ष आयोग की उपाध्यक्षों एवम सदस्यगणों के साथ अपरान्ह 3 बजे लोहिया पथ स्थित 1090 महिला हेल्पलाइन का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करेंगी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती चौहान प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं व बालिकाओं हेतु चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा एवं अनुश्रवण करके इन योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के लिए संबंधित को निर्देश देंगी।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज में बदल दिया है: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज में बदल दिया है। पुलिस निर्दोष लोगों को फर्जी मामलों में पकड़कर प्रताड़ित करती है। पीट-पीट कर मार डाल रही हैं, राजधानी लखनऊ में एक पखवारे में दो युवाओं की पुलिस हिरासत में पिटाई से मौत हो चुकी है। विकासनगर के अमन गौतम के बाद शनिवार को चिनहट की पुलिस ने कारोबारी मोहित पाण्डेय की पीटकर हत्या कर दी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मारा-पीटा और पीड़ित को मांगने पर पीने का पानी नहीं दिया। तड़पा करके मार दिया। इतनी संवेदनहीनता पहले कभी नहीं देखी गयी थी। अखिलेश यादव ने कहा कि नाम बदलने में माहिर भाजपा सरकार को अब पुलिस हिरासत का नाम बदलकर अत्याचार गृह रख देना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि हम पीड़ित परिवार के साथ हैं। पीड़ित परिवार की हर मांग पूरी की जाय।

अखिलेश ने कहा कि पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। इसी तरह से फर्जी एनकाउंटर में भी यूपी देश में सबसे ऊपर है। सत्ता संरक्षण में पुलिस खुद अराजकता पर उतारू हो गयी है। कानून का राज खत्म हो गया है। लोगों में डर का माहौल है। भाजपा सरकार और पुलिस से जनता का भरोसा खत्म हो गया है। पुलिस गरीबों, निर्दोष लोगों पर रौब झाड़ती है और उन्हें प्रताड़ित करती है। भाजपा सरकार के संरक्षण में अपराधी और माफिया बच जाते है।

भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश की चर्चा विकास और सकारात्मक कार्यों के बजाय हत्या, लूट, बलात्कार, पुलिस हिरासत में मौत, भ्रष्टाचार, दंगे और बवाल जैसे नकारात्मक वजहों से है। शनिवार को ही चित्रकूट में अस्पताल से घर जा रही नर्स से सामूहिक बलात्कार की घटना और मारपीट हुई।

बदमाशों ने नर्स को रेलवे लाइन पर फेंक दिया। इससे पहले कानपुर में महिला पुलिस के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। कानपुर में ही एक महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या कर उसका शव कई महीने बाद जिलाधिकारी आवास के पास मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। भाजपा सरकार महिलाओं, बहन, बेटियों को सुरक्षा देने में नाकाम है। लगातार हो रही अपराध की घटनाओं से महिलाएं, बेटियां दहशत में है। महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा की पोल खुल गयी है। आने वाले समय में आधी आबादी महिलाएं और प्रदेश की जनता भाजपा के दु:खदायी शासन का अंत कर देगी।

महाकुंभ में रेलवे तैयार कर रहा 25 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आश्रय स्थल

लखनऊ/प्रयागराज। सनातन आस्था के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने की कवायद जोरों पर है। इस महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान व्यक्त कर रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ट्रेनों के ज़रिये प्रयागराज पहुंच सकते हैं। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन के जरिये महाकुंभ में पहुचंने का अनुमान है। रेलवे एनसीआर के प्रयागराज मण्डल ने स्टेशनों पर क्राउड मैनेजमेंट को लेकर रोडमैप तैयार कर लिया है। प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर लगभग 25000 यात्रियों के ठहरने के लिए आश्रय स्थलों का निर्माण अंतिम दौर में है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज सिटी में 9 रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं के आवागमन की तैयारियां चल रही हैं। क्राउड मैनेजमेंट को लेकर महाकुंभ रेलवे नोडल डिविजन प्रयागराज मण्डल ने रोडमैप तैयार कर लिया है। रेलवे प्रयागराज मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान प्रति घंटे 50 हजार यात्रियों की दर से उनके गंतव्य स्टेशनों की ओर रवाना करने की योजना बनायी गई है। लगभग 25000 श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए 10 आश्रय स्थलों को भी तैयार किया जा रहा है। जिनमें से 4 आश्रय स्थल प्रयागराज जंक्शन पर, 3 नैनी जंक्शन, 2 छिवकी स्टेशन और 1 सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए जा रहे हैं। ये आश्रय स्थल 2019 के कुंभ में अस्थाई टिकट घर व शौचालय की सुविधाओं के साथ बनाये गये थे। महाकुंभ 2025 में इनका पुनर्निर्माण कर संचालित करने का कार्य चल रहा है।

महाकुंभ में योगी सरकार रखेगी श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ख्याल

लखनऊ/प्रयागराज। महाकुंभ में योगी सरकार श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के पुख्ता इंतजाम कर रही है। विभागीय अफसरों को 15 दिसंबर तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बाकायदा एक्सरे, एमआरआई, लैब टेस्ट की भी सुविधा रहेगी। स्वस्थ महाकुंभ को नव्य और भव्य रूप देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 10 लाख ओपीडी और 10 हजार आईपीडी तक की क्षमता की तैयारी पूरी कर ली है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए हाईटेक अस्थाई अस्पताल बनाए जा रहे हैं, जिसमें रायबरेली एम्स के चिकित्सकों की टीम भी लोगों की देखभाल के लिए मौजूद रहेगी। मालूम हो कि महाकुंभ के लिए 77.5 करोड़ रुपए से ज्यादा के 43 प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज, वीके मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने की तैयारियों में जुटा है। किसी भी श्रद्धालु को स्वास्थ्य के लिहाज से कोई समस्या ना आने पाए इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की टीम दिन-रात काम में लगी है। 100 बेड का अस्पताल परेड ग्राउंड में तैयार किया जा रहा है। वहीं, महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हर प्रकार की जांच की सुविधा मौजूद रहे, इसकी व्यवस्था बनाई जा रही है। 10 लाख ओपीडी और 10 हजार आईपीडी की क्षमता का लक्ष्य भी रखा गया है। महाकुंभ को नव्य, भव्य और दिव्य बनाने को लेकर योगी सरकार ने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय में इंतजाम पूरे रखने के निर्देश दिए हैं। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिए यहां के सभी प्रमुख अस्पतालों को अपग्रेड किया जा रहा। संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य के अनुसार महाकुंभ में एक भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न होने पाए। इसके लिए विभागीय अधिकारियों की टीम दिनरात काम में लगी है।

शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय: 425, उद्योग विहार फेज-IV, गुड़गांव-122015 (हरियाणा)
फोन: 0124- 4212530/31/32, ई-मेल: customercare@shubham.co
वेबसाइट: www.shubham.co

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (जिसे यहां 'अधिनियम' कहा जायेगा) की धारा 13(2) के तहत नोटिस

एतद् द्वारा आपके ध्यान में लाया जाता है कि आपके ऋण खाते को सुरक्षित ऋणदाता शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा एनपीए घोषित किया गया है, जिसका पंजीकृत कार्यालय 608-609, छठी मंजिल, ब्लॉक-डी अंसल इंपीरियल टॉवर, कम्युनिटी सेंटर, नारायण विहार, नई दिल्ली- 110028 में है। (जिसे आगे "एसएचडीएफसीएल" कहा जाएगा) और आप एसएचडीएफसीएल को अपने ऋण के विरुद्ध कुल बकाया राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं। [illegible] उधारकर्ताओं और सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	उधारकर्ता(ओं) का नाम और ऋण खाता संख्या	आवेदक का पता	मांग सूचना राशि एवं दिनांक	सुरक्षित परिसंपत्ति
1.	0ADR2305000005062797 [illegible] तिवारी, किरण तिवारी	[illegible] देवरिया उत्तर प्रदेश-274402	रु. 6,04,128/- और 22/10/2024	[illegible] तहसील और जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश -226001
2.	0ALB1806000005013547, मोहम्मद अकरम, [illegible]	167, पुरा [illegible] इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश -211016	रु. 13,50,080/- और 22/10/2024	मकान नंबर 167/153, [illegible] जिला-इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश-211016
3.	0LKO2307000005066734, रामानंद गुप्ता, [illegible] श्रीवास्तव	563 /32, [illegible] लखनऊ, उत्तर प्रदेश -226006	रु. 18,66,780/- और 22/10/2024	मकान नंबर 540 [illegible] तहसील - सरोजिनी नगर, जिला-लखनऊ, उत्तर प्रदेश -226008 में स्थित है

स्थान: गुड़गांव,
दिनांक: 28-10-2024

प्राधिकृत अधिकारी,
शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड

पुलिस हिरासत युवक मौत मामला: निरीक्षक समेत कई पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊके चिनहट थाने में हिरासत में एक व्यक्ति की मौत के मामले में रविवार को संबंधित पुलिस निरीक्षक समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश की है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस हिरासत का नाम बदलकर अत्याचार गृह कर दिया जाना चाहिए। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जंगलराज में पुलिस क्रूरता का पर्याय बन चुकी है। बसपा प्रमुख मायावती ने भी इस घटना की निंदा की है।

चिनहट के जैनाबाद निवासी मोहित कुमार (30) को पुलिस ने शनिवार को एक मामले में हिरासत में लिया था। उसी दिन हिरासत में ही उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और बाद में उच्चतर केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने पुलिस पर मोहित की हत्या का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया। विभूति खंड के सहायक पुलिस आयुक्त राधारमण सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि इस मामले में मृतक मोहित की मां की शिकायत पर चिनहट थाने के निरीक्षक अश्विनी चतुर्वेदी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मोहित की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें मोहित हवालात में लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मोहित को हिरासत में इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई और खुद को बचाने के लिए जानबूझकर वीडियो का एक छोटा सा हिस्सा लीक किया है। मोहित के भाई शोभाराम ने कहा कि उसे भी पुलिस ने हिरासत में लिया था, बाद में उसे छोड़ दिया गया। उसने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उसके भाई को उसके सामने बेरहमी से पीटा और वह कुछ नहीं कर सका। मोहित की मौत के बाद पुलिसकर्मी उसे अस्पताल ले गए। इस बीच, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घटना को लेकर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश की है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने इस घटना को लेकर पुलिस पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के जंगलराज में पुलिस क्रूरता का पर्याय बन चुकी है। प्रियंका ने एक्स पर लिखा, लखनऊमें पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया और अगली सुबह एक की मौत हो गई। एक पखवाड़े में उप्र पुलिस की हिरासत में यह दूसरी मौत है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उनके बेटे की हत्या कर दी। प्रियंका ने कहा, उत्तर प्रदेश हिरासत में होने वाली मौतों के मामले में पूरे देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में भाजपा ने ऐसा जंगलराज कायम किया है, जहां पुलिस क्रूरता का पर्याय बन चुकी है। जहां कानून के रखवाले ही जान ले रहे हों, वहां जनता न्याय की उम्मीद किससे करे?

बसपा प्रमुख मायावती ने इस घटना को लेकर एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊमें पुलिस हिरासत में व्यापारी मोहित पांडे की कथित तौर पर हुई मौत की घटना पर परिवार एवं लोगों में रोष व आक्रोश व्याप्त होना स्वाभाविक है। यह घटना अतिनिंदनीय है। सरकार पीड़ित परिवार को न्याय देने के लिए प्रभावी कदम अवश्य उठाए। अपने पोस्ट में आगे कहा, इसके अलावा, यहां प्रदेश में महिलाओं पर भी आए दिन हो रही जुल्म-ज्यादती की घटनाएं अति-चिन्तनीय हैं, जिन पर भी सरकार ऐसे अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्वाई करे, जो अत्यंत जरूरी। इससे पहले, 11 अक्टूबर को लखनऊमें एक जुआ अड्डे पर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए 24 वर्षीय अमन गौतम की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। गौतम के परिजनों ने पुलिस पर उसे पीट-पीटकर मार डालने का आरोप लगाया था। जुआ खेले जाने की सूचना मिलने पर 11 अक्टूबर की रात को पुलिसकर्मियों की एक टीम ने विकासनगर के सेक्टर-आठ में अंबेडकर पार्क पर छापा मारा था। पुलिस ने अमन गौतम समेत दो लोगों को हिरासत में लिया था।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची सपा नेता को पुलिस ने लिया हिरासत में

लखनऊ। पुलिस हिरासत में कारोबारी मोहित पाण्डेय की मौत को लेकर उनके परिजनों से मिलने गई उत्तर विस क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला को उस समय पुलिस ने हिरासत में लिया जब वह शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रही थी। पुलिस ने सपा की नेता पूजा शुक्ला को जबरन अपनी गाड़ी में ले जाकर विभूतिखण्ड थाने में रखा है। सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने पुलिस के इस अलोकतांत्रिक आचरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि पुलिस का रवैया बेहद आपत्तिजनक है। पुलिस उत्पीड़न की सारी हदें पार कर रही है। भाजपा सरकार में किसी नागरिक का जीवन सुरक्षित नहीं है। पीड़ित परिवार की हर मांग पूरी की जानी चाहिए।

लखनऊ के 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊके कम से कम 10 बड़े होटलों को ई-मेल के जरिए रविवार को बम विस्फोट कर उड़ाने की धमकी दी गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक अज्ञात लोगों ने ई-मेल में धमकी दी कि अगर 55,000 अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग पूरी नहीं की गई तो इन होटलों को विस्फोट कर उड़ा दिया जाएगा। बम विस्फोट की धमकी वाले ई-मेल में लिखा है, आपके होटल के परिसर में काले बैग में बम छिपाए गए हैं। मुझे 55,000 अमेरिकी डॉलर चाहिए, नहीं तो मैं विस्फोट कर दूंगा। खून चारों तरफ फैल जाएगा। बमों को निष्क्रिय करने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी। पीटीआई-भाषा के पास ई-मेल की एक प्रति है। एक होटल के प्रबंधक ब्रजेश कुमार ने पीटीआई वीडियोज को बताया, हमें सुबह धमकी भरा ई-मेल मिला। एहतियात के तौर पर हमने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस थाने को दी और एक टीम मामले की जांच करने आई है। उन्होंने कहा, हमारे पास पहले से ही सभी मेहमानों और उनके सामान को स्कैन करने की व्यवस्था है। फिर भी एहतियात के तौर पर हम होटल की जांच करने में पुलिस की मदद कर रहे हैं। इस मामले को लेकर कई बार प्रयास के बावजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका।

लखनऊ में डेंगू के 59 केस मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में डेंगू का आतंक रूकने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को जनपद में डेंगू के 59 केस सामने आये हैं। जिन इलाकों से डेंगू के रोगियों के मिलने की पुष्टि हुई है, उनमें इंदिरा नगर-7, अलीगंज-8, चंदन नगर-8, ऐशबाग-4, सरोजिनी नगर-5, बीकेटी-3, टूडियागंज-5, मोहनलालगंज-2, सिल्वर जुबली-9, रेड क्रॉस -3, नवल किशोर रोड-5) धनात्मक रोगी पाये गये। माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 1858 धनात्मक रोगी पाये गये।

आज लगभग 1387 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 5 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया।

क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुन: प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

नाराज महिलाओं ने जोनल कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी दी

लखनऊ। शहर में केशव नगर में भीषण गंदगी व्याप्त है। मच्छरों का प्रकोप है। घरों में डेंगू और बुखार से पीड़ित मरीज बिस्तर पर पड़े हुए हैं। हाल में ही प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने केशव नगर का निरीक्षण किया था। उसके बाद भी केशव नगर में गंदगी सफाई, मच्छरों के प्रकोप से बचाव का कार्य नहीं किया गया है। फॉगिंग और सफाई न होने से नाराज महिलाओं ने जोनल कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी दी है। केशव नगर में जोन तीन के जोनल अधिकारी के खिलाफप्रदर्शन कर नारेबाजी की और सुविधा नहीं तो टैक्स नहीं के नारे लगाए। सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने चेतावनी दी कि जल्द इलाके में सफाई व सुधार नहीं हुआ तो महिलाएं अधिक संख्या में जोन तीन के जोनल कार्यालय पहुंचकर तालाबंदी करेंगी। केशव नगर में रविवार को बाल महिला सेवा संगठन की महिला पदाधिकारियों ने इलाके का भ्रमण किया। संगठन की प्रमुख व सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने कहा कि चारों ओर गंदगी व्याप्त है। प्रभारी मंत्री ने कुछ दिन पहले ही निरीक्षण कर सफाई के निर्देश दिए थे, लेकिन जोन तीन के जोनल अधिकारी व जेडएसओ ने मंत्री के कहने के बाद भी कोई काम इलाके में नहीं कराया है। एक सप्ताह के अंदर जेसीबी मशीनें लगाकर केशव नगर के खाली प्लाटोंए सड़क से पूरा कचरा नहीं हटा तो संगठन की महिलाएं जोनल अधिकारी के कार्यालय में तालाबंदी करने का काम करेंगी। दिलीप कुमार जायसवाल, आरएस गुप्ता, अखिलेश अवस्थी, राम बिलास शर्मा, अभिषेक मिश्रा, राजेश पांडेय आदि रहे।

64 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने जरूरतमंदों में किया कपड़ा वितरण

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेटों द्वारा रविवार को कपड़ा वितरण गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का आयोजन कई वर्षों से दीवाली से पूर्व किया जाता रहा है। उसी कड़ी में आज भी कैडेट्स द्वारा पुराने कपड़ों को इकठ्ठा करके जरुरतमंद लोगों को कपड़ों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स लखनऊ विश्वविद्यालय मे स्थित 64 यूपी बटालियन से डालीगंज मलिन बस्ती तक पैदल चले और मलिन बस्ती के जरूरतमंद लोगों को कपड़े वितरित किया। इस वितरण गतिविधि का मुख्य उद्देश्य दिवाली के पावन पर्व से पहले जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और शर्दियों से पहले किसी जरूरतमंद की मदद करना था। इस गतिविधि के दौरान राष्ट्रीय कैडेट कोर 64 यूपी वाहिनी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टीनेंट डॉ रजनीश कुमार यादव, आशुतोष भार्गव,आनंद कुमार यादव, सूरज यादव, अभिषेक सिंह, दिलजीत सिंह, सीनियर अंडर ऑफिसर रत्नाकर राय, अंडर ऑफिसर विनय वर्मा, अंडर ऑफिसर गौरव यादव , सार्जेंट अंशिका सिंह समेत एन सी सी प्रथम, द्वतीय एव तृतीय वर्ष के 100 से अधिक एनसीसी कैडेट्स एवं पूर्व कैडेट्स उपस्थित रहे।

बच्चों को करियर संबंधी जानकारी देने के लिए मास्टर ट्रेनर का हुआ लखनऊ में प्रशिक्षण

● समग्र शिक्षा उप्र एवं यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में 156 मास्टर ट्रेनर हुए प्रशिक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के विद्यालयों में उत्तर प्रदेश पंख करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु यूनिसेफ उत्तर प्रदेश और समग्र शिक्षा (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में डिस्ट्रिक्ट नोडल/मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों में आवश्यक ज्ञान और कौशल का विकास करना है, जिससे वे विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के आधार पर सही करियर चुनने के लिए मार्गदर्शन कर सकें। साथ ही अभिभावकों को भी इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल कर सकें। 75 जिलों से चयनित 156 मास्टर ट्रेनर्स (हर जिले से दो मास्टर ट्रेनर्स) को प्रशिक्षित किया गया है।

प्रक्षिणार्थियों को संबोधित करते हुए श्री विष्णुकांत पांडेय अडिशनल स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर समग्र शिक्षा (माध्यमिक) ने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य में सही करियर चुनने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शिक्षकों को अपने विषय के साथ-साथ शिक्षण पेशे में हो रहे नवाचारों से लगातार खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। तभी हम विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर सकेंगे। नई शिक्षा नीति में कई नए प्रावधान शामिल किए गए हैं। जिन्हें समझना और अपनाना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम अपने मोबाइल को समय-समय पर अपडेट करते हैं, वैसे ही शिक्षकों को भी नवीनतम जानकारियों और नीतियों से अपडेट रहना चाहिए। ताकि वे विद्यार्थियों के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक बन सकें। यूनिसेफ़ उत्तरप्रदेश के चीफ (कार्यकारी) डॉ अमित मेहरोत्रा ने कहा कि करिअर गाइडन्स के क्षेत्र में नित नए आयाम जुडते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में किसी एक व्यक्ति या संस्था के लिए सभी क्षेत्रों की आवश्यक जानकारी रखना संभव नहीं होता है। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी शिक्षक मिलकर एक ऐसा मंच तैयार करें जिसमें हम समय-समय पर हम नए आयामों व अवसरों को जोड़ते जाएँ और बच्चों को बताएं। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहायक निदेशक प्रतिमा सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग का मुख्य कार्य पढ़ाई-लिखाई से संबंधित है, परंतु दुर्भाग्यवश हम खुद पढ़ाई लिखाई से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें अपने रुचि के विषयों पर रोज कुछ न कुछ पढ़ना चाहिए और छात्रों के हित में कार्य करना चाहिए। यूनिसेफ के शिक्षा अधिकारी रवि राज दयाल कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सभी मास्टर ट्रेनर्स यह सुनिश्चित करेंगे कि जिलों में यह प्रशिक्षण उच्च गुणवत्ता का हो और विद्यालयों के नोडल शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रम के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करें। कार्यशाला में करियर मार्गदर्शन पर विशेषज्ञ सागर आनंद ने करियर काउंसलिंग की प्रक्रिया और उसकी महत्वपूर्ण बातों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, विक्रमशिला संस्था की ओर से सोमा चौधरी, रश्मि झा और अन्य प्रशिक्षकों ने करियर हब, करियर क्लब, साईकोमेट्रिक टेस्ट और शिक्षक-अभिभावक बैठक जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के तहत विद्यालय स्तर पर करियर हब की स्थापना, करियर क्लब का गठन, शिक्षक-अभिभावक बैठकों का आयोजन, करियर मेलों का आयोजन, विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र, औद्योगिक, व्यवसायिक और शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण, पंख पोर्टल के माध्यम से करियर विकल्प, छात्रवृत्तियां, परीक्षाओं और कॉलेजों की जानकारी, और वेबिनार के जरिए करियर विकल्पों तथा परीक्षाओं आदि की जानकारी दी गई। कार्यशाला की सफलता पूर्वक क्रियान्वयन में डॉ. राजेश मिश्रा, उमा मिश्रा, बबीता मेहरोत्रा, सत्यवीर सिंह, सोनी सिंह, हरि त्रिपाठी, योगेन्द्र शुक्ला, शिवेंद्र सिंह और अमित पाण्डेय का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला में सभी प्रशिक्षकों ने करियर मार्गदर्शन को अपने-अपने जनपदों एवं विद्यालयों में सफलतापूर्वक लागू करने और छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन देने की प्रतिबद्धता जताई।

हाथ-पैर से लकवा पीड़ित बच्ची को डॉक्टरों ने किया स्वस्थ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लकवा के चलते हाथ-पैर से काम न कर पाने वाली बच्ची को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने स्वस्थ करने में सफलता पाई है। जबकि इलाज के दौरान सांस लेने में परेशानी के चलते बच्ची को वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। मदीहा नाम की एक बच्ची को जिसे गिलियन बैरे सिंड्रोम (एक प्रकार का लकवा) हो गया था। इलाज के लिए उसे किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में प्रोफेसर डॉ. माला कुमार, अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. शालिनी त्रिपाठी और सहयोगी प्रोफेसर डॉ. स्मृति के तहत भर्ती किया गया था। अस्पताल में 7 महीने तक उनका इलाज चला, जो बहुत कठिन था। लेकिन गहन इलाज और देखभाल से वह बच गई और धीरे-धीरे ठीक होने लगी। विशेषज्ञ ने बताया कि मदीहा अस्पताल आई, तो उसके चारों हाथ-पैर काम नहीं कर रहे थे और उसे सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी, इसलिए उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। उसे आईवीआईजी थेरेपी दी गई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। बाद में उसे एक और खुराक दी गई। अस्पताल के पीआईसीयू में रहते हुए, मरीज़ सेप्टिक शॉक और वेंटिलेटर से जुड़ा निमोनिया से भी पीड़ित हो गई। उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, इसलिए न्यूरोलॉजी विभाग से सलाह ली गई। उन्होंने सीएसएफ परीक्षण और प्लाज्माफेरेसिस की सलाह दी। प्लाज्माफेरेसिस के 3 चक्र किए गए। संक्रमण के अनुसार एंटीबायोटिक्स को बदला गया। लंबे समय तक इंटुबेशन की जरूरत को देखते हुए ट्रेकिओस्टॉमी की गई। बच्चे को दौरे भी पड़े, जिसके लिए आवश्यक उपचार किया गया। शुरुआत में बच्चे को कमजोरी के कारण ट्यूब के जरिए भोजन दिया गया। मरीज को हाई ब्लड प्रेशर हो गया, इसलिए उसे मुंह से लेने वाली दवाएं दी गईं। लगातार तेज धड़कन (टैचीकार्डिया) के लिए भी इलाज किया गया। धीरे-धीरे बच्चे के हाथों की कमजोरी में सुधार हुआ और उसने मुंह से खाना शुरू कर दिया। मरीज लगभग 14 दिनों तक वेंटिलेटर के बिना रहा, लेकिन सांस लेने में परेशानी के कारण उसे फिर से वेंटिलेटर पर रखा गया। धीरे-धीरे उसे वेंटिलेटर से हटाया गया और सामान्य हवा पर रखा गया। बच्चा लगभग 5 महीने तक ट्रेकिओस्टॉमाइज्ड था, और बाद में ट्रेकिओस्टॉमी साइट को पट्टी बांधकर बंद कर दिया गया। बच्चे को आहार चार्ट दिया गया। निचले अंगों में आई जकड़न (कॉन्ट्रैक्चर्स) के लिए फिजियोथेरेपी और पुनर्वास चिकित्सा की सलाह ली गई और उन्हें फिजियोथेरेपी करने की सलाह दी गई। अस्पताल में 7 महीने तक इलाज के बाद बच्चे की स्थिति में सुधार हुआ और उसे छुट्टी दे दी गयी है।

डॉ अमरजीत यादव को मिला बेस्ट टीचर अवार्ड 2024

लखनऊ। लखनऊ विवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के शिक्षक एवं को-ऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव को डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम बेस्ट टीचर अवार्ड 2024 प्रदान किया गया है। डॉक्टर यादव को यह अवार्ड इंटरनेशनल मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन आंध्र प्रदेश द्वारा उनके योग

शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान हेतु दिया गया है। बताते चलें कि डॉ यादव के द्वारा कई विश्वविद्यालयों तथा संस्थाओं के योग पाठ्यक्रमों का निर्माण किया गया है। इनकी 17 पुस्तकें तथा 100 से अधिक लेख /रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं। आयुष विभाग उत्तर प्रदेश शासन के योग वैलनेस सेंटरों की स्थापना /संचालन तथा योग से संबंधित शासनादेशों गाईड लाइन बनाने में डॉक्टर यादव के उल्लेखनीय योगदान हैं। उनके प्रयासों से ही प्रदेश में प्रथम बार योग एवं प्राकृतिक चिकित्सकों का पंजीकरण प्रारंभ हुआ।

21 छात्रों को डीएम ने दिए छात्रवृत्ति के चेक

● पांच संस्कृत विद्यालय और महाविद्यालयों के 253 छात्र.छात्राओं को मिलेगी छात्रवृत्ति

●वाराणसी के सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री के संस्कृत छात्रवृत्ति योजना के शुभारंभ का सभी ने देखा लाइव प्रसारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कलेक्ट्रेट में संस्कृत स्कूल और महाविद्यालय के छात्रों को विधायक और डीएम द्वारा छातृवृत्ति दी गयी। कार्यक्रम के दौरान 21 छात्रों को छात्रवृत्ति की चेक दी गयी। यह छात्रवृत्ति राज्य के सभी संस्कृत स्कूलों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 6 से 12 वीं और शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों के छात्र एवं छात्राओं को दी जाएगी।

कलेक्ट्रेट में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में संस्कृत स्कूल और महाविद्यालयों के 21 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। मोहनलालगंज के भाजपा विधायक अमरेश कुमार रावत और डीएम सूर्य पाल गंगवार ने इन छात्रों को चेक दिये। पहली बार छात्रवृत्ति पाए छात्र खुशी से झूम उठे। मुख्यमंत्री की इस पहल को छात्र और छात्राओं ने खूब सराहा। समारोह में मौजूद छात्रों समेत सभी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी के सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत छात्रवृत्ति योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का प्रसारण देखा। यह छात्रवृत्ति राज्य के सभी संस्कृत स्कूलों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 6 से 12 वीं और शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों के छात्र एवं छात्राओं को दी जाएगी।

डीआईओएस राकेश कुमार ने बताया कि लखनऊ के पांच संस्कृत विद्यालय और महाविद्यालयों में 253 छात्र और छात्राएं पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संस्कृत छात्रवृति योजना के शुभारंभ के बाद कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में 21 छात्रों को छात्रवृत्ति के चेक दिये गए। बचे सभी छात्र और छात्राओं के खाते में छात्रवृत्ति की राशि भेजी जाएगी। यह छात्रवृत्ति हर वर्ग के छात्र.छात्राओं को दी जाएगी। कार्यक्रम में डीएम सूर्य पाल गंगवारए सीडीओ अजय जैनए डीआईओएस राकेश कुमारए सह निरीक्षक मनीषा द्विवेदीए सह जिला विद्यालय निरीक्षक जय शंकर श्रीवास्तवए उप निरीक्षक संस्कृत पाठशाला दिनेश कुमार समेत संस्कृत विद्यालय व महाविद्यालय के प्रधानाचार्य समेत छात्र.छात्राएं शामिल हुए।

संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह में राज्यस्तर पर 11 प्रतियोगिताएं आयोजित

● संस्कृत गीत प्रतियोगिता (बाल वर्ग) में प्रथम पुरस्कार से अक्षिता गोयल सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम् लखनऊ द्वारा संस्थान परिसर में रविवार को संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह का समापन किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण के पश्चात् मुख्य अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत प्रतिभा खोज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका आरम्भ वर्ष 2023 में किया गया। इसके अन्तर्गत प्रदेश में अध्ययन करने वाले सभी बोर्ड तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी प्रतिभाग करते हैं। जनपदों, मंडलों तथा राज्यस्तर पर कुल 11 प्रकार की प्रतियोगिताओं में छात्र एवं उनके अभिभावकगण, अध्यापक एवं संस्कृत प्रतिभा खोज में शामिल विद्यालयों के सदस्यों आदि सहित कुल 25 हजार की सहभागिता होती है। संस्कृत प्रतिभा खोज कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में छुपी प्रतिभा को पहचानना, उन्हें प्रोत्साहित करना एवं मंच प्रदान करना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि उत्पन्न करने, ज्ञान में वृद्धि करने और संस्कृत को बढ़ावा देने में सफल सिद्ध हो रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ओपी श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान संस्कृत प्रतिभा खोज योजना संस्कृत के क्षेत्र में एक अनूठी पहल है। इससे माध्यम से संस्कृत के छात्रों को ही नहीं अपितु प्रदेश के सभी बोर्ड के छात्र को प्रतिभाग करने का मौका मिला है। संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह में राज्यस्तर पर कुल 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें संस्कृत गीत प्रतियोगिता (बाल वर्ग), प्रथम पुरस्कार अक्षिता गोयल, द्वितीय पुरस्कार दिव्या अचलसिया, तृतीय पुरस्कार आन्तरा पचौरी एवं सान्त्वना पुरस्कार प्रज्ञा प्रकाश बोध, दिव्यांश शर्मा एवं अभिनव दीक्षित को दिया गया। संस्कृत वाचन प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार मित्रा राय, द्वितीय पुरस्कार आराध्या, तृतीय पुरस्कार आयुषी शाक्या एवं सान्त्वना पुरस्कार संस्कृति जोशी, अनंत शर्मा एवं प्रणवेन्द्र चतुर्वेदी को दिया गया। संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार आदित्य तिवारी, द्वितीय पुरस्कार भव्या गुर्जर, तृतीय पुरस्कार अनुराग कुमार गौड़ एवं सान्त्वना पुरस्कार देवांशु शर्मा, कार्तिकेय एवं नन्दिनी को दिया गया। लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार सूरज कुमार दूबे, द्वितीय पुरस्कार सविता, तृतीय पुस्कार शिवानी एवं सान्त्वना पुरस्कार राजकमल तिवारी, सोमदेव एवं रोहित द्विवेदी को दिया गया। अष्टाध्यायी कण्ठस्थ पाठ प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार सर्वचा पाण्डेय, द्वितीय पुरस्कार मीनाक्षी, तृतीय पुस्कार शलिनी एवं सान्त्वना पुरस्कार सौम्या युवेष कुमार सिसोदिया, शनि मिश्रा एवं अंशिका को दिया गया। अमरकोष कण्ठस्थ पाठ प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार श्रेया शुक्ला, द्वितीय पुरस्कार शिवाकांत मिश्र, तृतीय पुस्कार ओम प्रकाष पाण्डेय एवं सान्त्वना पुरस्कार आदित्य पाण्डेय, कृष्णा द्विवेदी एवं आशुतोष द्विवेदी को दिया गया। लघुसिद्धान्त कौमुदी कण्ठस्थ पाठ प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार नवरत्न डूडी, द्वितीय पुरस्कार कृष्णा अवस्थी, तृतीय पुस्कार अनुराग शुक्ला एवं सान्त्वना पुरस्कार अमित पाण्डेय, सुमिततिवारी एवं राघव मिश्र को दिया गया। तर्कसंग्रह कण्ठस्थ पाठ प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार सौरभ मिश्रा, द्वितीय पुरस्कार आर्यन दूबे, तृतीय पुरस्कार अतुल कुमार एवं सान्त्वना पुरस्कार उत्कर्ष, अंकित चौबे एवं अनघामनोज कुमार को दिया गया। संस्कृत गीत प्रतियोगिता (युवा वर्ग), प्रथम पुरस्कार काशी, द्वितीय पुरस्कार दुर्गेष शुक्ला, तृतीय पुस्कार कृतिका गोस्वामी एवं सान्त्वना पुरस्कार आशीष कुमार चतुर्वेदी, प्राची द्विवेदी एवं अन्नू निषाद को दिया गया। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार जया तिवारी, द्वितीय पुरस्कार कात्यायनी, तृतीय पुस्कार पीहू शर्मा एवं सान्त्वना पुरस्कार शिप्रा शर्मा, ऑचल पाल एवं ऑचल गुप्ता को दिया गया एवं श्रतुलेखन प्रतियोगिता, प्रथम पुरस्कार देवांश मिश्र, द्वितीय पुरस्कार सत्यप्रकाष तिवारी, तृतीय पुस्कार आयुष नाथ ठाकुर एवं सान्त्वना पुरस्कार नन्दिनी, शोभन उपाध्याय एवं शगुन को दिया गया। संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह के समापन के पश्चात सायं 5 बजे से दो दिवसीय मंचन राम जन्म से प्रारंभ होकर रावण वध तक की संगीतमय नाट्य प्रस्तुति ''श्रीराम चरितम'' का मंचन भव्य रूप से 60 कलाकारों द्वारा संस्थान प्रेक्षागृह में किया गया। इस भव्य संगीतमय रामायण प्रस्तुति की लेखन व निर्देशन 'अमित दीक्षित ''रामजी'' द्वारा किया गया।''माटी की खुशबू है लोक संगीत में, है जड़ों में शास्त्रीयता बड़ी, देखिये सुनिये तो ये नया है चलन, तबले नक्कारे का है अनोखा मिलन'' इस प्रस्तुति में प्रथम दिवस राम जन्म से लेकर राम-सीता तक का प्रसंग होगा, द्वितीय दिवस सोमवार 28 अक्टूबर को राम वनवास से रावण वध तक की संगीतमय रामायण होगी।

प्रदेशभर में फिर से शुरू किये जाएंगे गुरुकुल पद्धति के विद्यालय: मुख्यमंत्री

● सीएम ने वाराणसी से संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का किया शुभारंभ

● निःशुल्क छात्रावास और भोजन की व्यवस्था करने वाले संस्थानों को सरकार की ओर से मिलेगी विशेष सहायता

लखनऊ/वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से रविवार को प्रदेश के संस्कृत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के 69,195 संस्कृत विद्यार्थियों को ?586 लाख की छात्रवृत्ति संवितरण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में गुरुकुल पद्धति के आवासीय संस्कृत विद्यालयों को पुनर्स्थापित करने का भी संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने संस्कृत भाषा को विज्ञान और तकनीकी शिक्षा की भाषा के रूप में उभरने की संभावना पर जोर दिया और छात्रों से इसे गंभीरता से अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो मानवता का पक्षधर है वह संस्कृत का भी हिमायती है। सीएम योगी ने पिछली सरकारों में संस्कृत शिक्षा को उपेक्षित रखे जाने की बात कही।

कार्यक्रम के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संस्कृत न केवल देववाणी है बल्कि यह विज्ञान की भाषा भी है, जो कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों में उपयोगी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत की विशेषताएं इसे तकनीकी दृष्टिकोण से सरल और सहज बनाती हैं। इसीलिए हम संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए नए प्रयासों की दिशा में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छात्रवृत्ति योजना का महत्व बताते हुए कहा कि पहले संस्कृत के केवल 300 विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति मिलती थी, उसमें भी आयु सीमा तय करके रखा गया था, लेकिन अब हमारी सरकार ने इसे सभी छात्रों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। प्रदेश में संस्कृत के 69,195 विद्यार्थियों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का बैंक खाता खुलवाने का निर्देश भी दिया, जिससे उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ सीधा और सुरक्षित रूप से मिल सके।

संस्कृत और भारतीय संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति को फिर से प्रदेशभर में लागू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा ही हमारी असली ताकत है और इससे ही भारत विश्वगुरु के रूप में उभर सकता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गुरुकुल संस्थानों को अतिरिक्त सुविधाएं दी जाएंगी, जिसमें छात्रों के लिए निःशुल्क छात्रावास और भोजन की व्यवस्था करने वाले संस्थानों को सरकार की ओर से विशेष सहायता मिलेगी। ऐसे संस्थानों को अच्छे आचार्यों की नियुक्ति की भी स्वतंत्रता दी जाएगी।

संस्कृत भाषा को और अधिक बढ़ावा देने के लिए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थापित वैदिक विज्ञान केंद्र के माध्यम से संस्कृत के विशिष्ट शोध को प्रोत्साहित कर रही है। इस केंद्र में शोध करने वाले छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति भी दी जाएगी ताकि वे आर्थिक चिंता किए बिना अपने शोध को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और भारत का समय आ गया है। भारत के समय को नेतृत्व देने के लिए संस्कृत विद्यार्थियों को स्वयं को तैयार करना होगा।

उन्होंने कहा कि जब भौतिकवाद और चकाचौंध वाली दुनिया में हर व्यक्ति भौतिकता के पीछे भाग रहा है, तब भी यूपी में डेढ़ लाख बच्चे अपना जीवन संस्कृत और भारतीय संस्कृति के साथ समर्पित करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। यह सरकार और समाज का दायित्व है कि इस विरासत को संजोए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संस्कृत विद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। जिन स्थानों पर अभी तक शिक्षक नहीं हैं, वहां मानदेय के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और उनके अनुभव को वरीयता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने संस्कृत साहित्य को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए महर्षि अरविंद के विचारों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य भारत की महान विरासत है, जो देश की मूल प्रतिभा को जीवंत रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि संस्कृत को केवल धार्मिक भाषा नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और समाज की तमाम समस्याओं को सुलझाने का एक सशक्त माध्यम मानकर उसका अध्ययन करें। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत को विकास के साथ जोड़ने के प्रयासों में काशी को केंद्रबिंदु बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दीपावली से छठ तक उत्सव और पर्व की परंपरा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है और इसे आगे बढ़ाने में हमारी युवा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है। सरकार इस दिशा में हर संभव सहायता करेगी। मुख्यमंत्री ने 12 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का चेक देकर योजना का विधिवत शुभारंभ किया। इसमें सुहानी कुमारी, तनूजा शुक्ला, रंजना कुमारी, कृष्णा द्विवेदी, आर्यन चतुर्वेदी, अभिनव मिश्रा, स्मिता पाठक, अमन पाठक, योगेश कुमार दुबे, प्रिंस पांडेय, हर्ष कुमार मिश्र एवं योगी शामिल रहे।

अवैध कच्ची शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान रविवार को लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए 2 अभियोग पंजीकृत कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उप्र शासन एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में पुलिस आयुक्त, लखनऊ एवं डीएम, लखनऊ के निर्देशन में आगामी त्योहारों के दृष्टिगत अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत बुधवार को जिला आबकारी अधिकारी लखनऊ के नेतृत्व में अभिषेक सिंह, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 4 लखनऊ मय स्टाफ व पुलिस टीम द्वारा थाना माल अंतर्गत ग्राम केडोरा,रामनगर, कल्याणपुर के संदिग्ध घरों, खेतों, बगीचों, तालाबों के किनारे संदिग्ध स्थानों पर संयुक्त दबिश और छापेमारी की गई। दौरान दबिश मौक़े से लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। आबकारी अधि. की सुसंगत धाराओं में 2 अभियोग पंजीकृत करते हुए 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। क्षेत्र में प्रवर्तन कार्य आगे भी जारी रहेगा। बीते शनिवार को भी चलाए गए अभियान के तहत 30 लीटर अवैध कच्ची शराब और 130 किलोग्राम लहन बरामद की करते हुए दो मामले पंजीकृत किए गए थे।

उद्यान विभाग एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में निभाएगा अहम भूमिका: दिनेश प्रताप सिंह

● बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी: उद्यान मंत्री

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि योगी सरकार किसानों के हित में कई सार्थक कदम उठा रही है। किसानों को आधुनिक तकनीक और नवाचार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 'पर ब्लॉक वन क्रॉप' योजना शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उनकी उपज की गुणवत्ता में सुधार करना है।

उद्यान मंत्री ने बताया कि हर ब्लॉक में एक विशेष औद्यानिक फसल का चयन किया जाएगा, जो उस क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के अनुसार सबसे उपयुक्त होगी। इस योजना के तहत, किसानों को एक ही प्रकार की बागवानी फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे न केवल फसल की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि उत्पादन भी बढ़ेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उन्हें बेहतर बाजार भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को बागवानी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उच्च मूल्य वाली, जीआई टैग वाली किस्में, प्रसंस्करण मांग वाली और विदेशी बाजार की मांग के अनुरूप औद्यानिक फसलें उगाने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, प्रदेश की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी उद्यान विभाग अहम भूमिका निभाएगा।

उद्यान मंत्री ने यह भी बताया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए मूल्य निर्धारण और विपणन प्रणाली को और सुदृढ़ किया जा रहा है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा मंडल स्तर पर समीक्षा कर हर ब्लॉक से प्रमुख औद्यानिक फसलों का विवरण संकलित किया जा रहा है, जिसके आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत किसानों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

ट्रिपल आर कांसेप्ट से मिलेगा लोगों को उपयोग का सामान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

घरों से निकलने वाली निष्प्रयोज्य वस्तुओं को यूज में लाने के लिए नगर निगम की ओर से रिड्यूज, रीयूज, रीसाइकल (ट्रिपल आर) कांसेप्ट की शुरुआत की जा रही है। इसका मकसद यह है कि जो सामान आपके पास यूज में नहीं है, उसे उस सेंटर में छोड़ जाएं और वहां रखी अगर कोई चीज आपके यूज की है तो उसे ले जाएं। इस कांसेप्ट को सभी जोन में लागू करने की तैयारी की जा रही है।

रविवार को जोन तीन में एक सेंटर की शुरुआत हुई। नगर निगम जोन तीन की गोल मार्केट स्थित पार्किंग प्वाइंट के पास सेंटर की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में आए क्षेत्रीय पार्षद हरीश चंद्र लोधी, जोनल अधिकारी जोन तीन अलंकार अग्निहोत्री और महानगर जन कल्याण समिति के सचिव जितेंद्र प्रताप सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे। क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक की ओर से इस सेंटर के संचालन की व्यवस्था की है। जोनल अधिकारी की ओर से लोगों से अपील की गई है कि जो आपके पास अधिक होए उसे इस सेंटर पर छोड़ जाएं और जो जरूरत हो, उसे यहां से ले जाएं।

निगम प्रशासन की ओर से लंबे समय से आरआरआर सेंटर के कांसेप्ट को लागू करने के लिए तैयारी की जा रही थी। इस कांसेप्ट को सभी आठ जोन में लागू किया जाना है। इसकी शुरुआत होने से अब अन्य जोन में इस कांसेप्ट को लागू करना बेहद आसान हो जाएगा। इस सेंटर के खुल जाने से एक फायदा यह भी होगा कि जो लोग घर से निकलने वाली खराब या उनके काम में न आने वाली वस्तुओं को रोड साइड फेंक देते थे, वो अब उन वस्तुओं को इस सेंटर में लाकर रख सकेंगेए जिसका फायदा दूसरे लोगों को मिलेगा।

ड्राइविंग स्कूल संचालकों के हितों को ध्यान में रखकर सरकार निर्णय ले: बाजपेई

लखनऊ। यूपी मोटर ट्रेनिंग स्कूल ओनर्स एसोसिएशन ने मोटर ट्रेनिंग स्कूलों के संचालन को लेकर हाईकोर्ट के दिए आदेश पर खुशी जाहिर की है। यूपी मोटर ट्रेनिंग स्कूल ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के. एम. बाजपेई ने बयान जारी करते हुए कहा कि हाइकोर्ट के इस आदेश का हम स्वागत करते हैं। इस आदेश से सैकड़ों ड्राइविंग स्कूल संचालकों की रोज़ी-रोटी बच गई। अध्यक्ष के. एम. बाजपेई ने बताया कि गत वर्ष प्रमुख सचिव परिवहन द्वारा निजी क्षेत्र में स्थापित मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों के संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी। सरकार द्वारा जारी इस शासनादेश से प्रदेश में वर्षों से चल रहे मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों के संचालन पर संकट के बादल छाने लगे थे। प्रदेश सरकार द्वारा मोटर ट्रेनिंग स्कूलों के लिए नियम बनाने के अधिकार को लेकर यूपी मोटर ट्रेनिंग स्कूल ओनर्स एसोसिएशन द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। लम्बी चली सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने एसोसिएशन के पक्ष में आदेश जारी करते हुए कहा कि मोटरयान अधिनियम की धारा 12(1) के तहत मोटर ट्रेनिंग स्कूलों के लिए नियम व विनियम बनाने का अधिकार केंद्र सरकार को है। राज्य सरकार को मोटर ट्रेनिंग स्कूलों के लिए नियम बनाने का क्षेत्राधिकार नहीं है। इस टिप्पणी के साथ हाइकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेश के क्लॉज़ 2(1) व टिप्पणी 8(1), 8(6) व 8(11) को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद मोटर ट्रेनिंग स्कूल संचालकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। अध्यक्ष के. एम. बाजपेई ने कहा कि हम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह भी ड्राइविंग स्कूल संचालकों के हितों को ध्यान में रखकर आगे कोई निर्णय लेगी।

● हाईकोर्ट के आदेश पर यूपी मोटर ट्रेनिंग स्कूल ओनर्स एसोसिएशन में खुशी की लहर

डीएम मीरजापुर को नोटिस जारी, कोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिग्रहीत भूमि के मुआवजे पर निर्णय लेने के आदेश का पालन नहीं करने पर दाखिल अवमानना याचिका पर डीएम प्रियंका निरंजन को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने डीएम से पूछा है कि आदेश का अनुपालन नहीं करने के लिए क्यों उनके विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई की जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने विंध्याचल निवासी चंद्रावती की अवमानना याचिका पर उसके अधिवक्ता आदर्श शुक्ल एवं सिद्धार्थ श्रीवास्तव को सुनकर दिया है। अधिवक्ता द्वय ने कोर्ट को बताया कि याची की जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग 76 के चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहीत की गई लेकिन उसका मुआवजा नहीं दिया गया। डीएम और भूमि अध्याप्ति अधिकारी को अर्जी देने पर भी सुनवाई न होने पर याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर 2023 को याचिका पर सुनवाई के बाद डीएम को याची के मुआवजे दो सप्ताह में निर्णय लेने का आदेश दिया। इस आदेश का अनुपालन नहीं होने पर यह अवमानना याचिका दाखिल की गई है।

दुष्कर्म और वीडियो बनाने के आरोपी की सशर्त जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घर में घुसकर मारपीट दुष्कर्म और वीडियो बनाने के आरोपी महेंद्र निर्मल की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। इनके खिलाफ प्रयागराज के नवाबगंज थाने में एफ्आईआर दर्ज है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने याची अधिवक्ता दिलीप कुमार पाण्डेय को सुनकर दिया है।याची का कहना था कि दोनों का 2016 से प्रेम संबंध है।घटना की एफ्आईआर दो दिन देरी से दर्ज की गई है। पीड़िता बालिग है। कोई वीडियो वायरल नहीं है।उसे झूठा फंसाया गया है।जबकि पीड़िता का कहना था कि घर में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती की गई कपड़े फाड़ दिए मारपीट की और सीने पर चढ़कर वीडियो बनाया गया। शोर मचाने पर लोगों के आने से उसकी जान बची। कोर्ट ने आरोपी की सशर्त जमानत मंजूर कर ली।

सशक्त सामाजिक संदेश देने का होगा प्रयास

प्रयागराज। महिलाओं में एक खास तरह की शक्ति और गरिमा होती है लेकिन जब उनकी इज़्ज़त पर आंच आती है तो उनमें बदलाव की असीम ताकत जाग जाती है। किरदार है इबादत का जिसे जी टीवी के शो रब से है दुआ में टैलेंटेड एक्ट्रेस येशा रुघानी निभा रही हैं। शो के आगामी कोर्टरूम ड्रामा में इबादत को अपनी ज़िंदगी के सबसे बड़े धोखे का सामना करना पड़ता है न सिर्फ अपनी बहन मन्नत सीरत कपूर से बल्कि अपने पति सुभान धीरज धूपर से भी जो मन्नत के झूठे आरोपों के बावजूद चुप रहता है जो इबादत पर बेवफा होने का झूठा आरोप लगाती है। यह धोखा इबादत के सफर में एक निर्णायक मोड़ बनता है। जहां वो अपने पति के लिए अपने प्यार और समर्पण की जगह अपने स्वाभिमान को चुनती है। इबादत के इस असरदार सफर में शामिल होने के लिए देखिए रब से है दुआ रोज शाम सात बजे सिर्फ जी टीवी पर आयेगा। यह कहानी सिर्फ एक मनोरंजन नहीं है बल्कि समाज में बदलते दौर की झलक है।

याची किसानों की बेदखली और जमीन में बदलाव पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज एयरपोर्ट कौशांबी सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण मामले राज्य सरकार से एक हफ्ते में जानकारी मांगी है और याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 5 नवंबर 24 नियत की है। कोर्ट ने 19 सितंबर 24 के प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण आदेश के तहत याची किसानों को उसकी कृषि भूमि से बेदखल करने तथा जमीन में बदलाव करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति एस डी सिंह तथा न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने गुलज़ारी लाल और एक अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अभिषेक मिश्र और शिवम पांडेय ने बहस की। उनका कहना है कि प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण के लिए उन्हें नोटिस दी गई है। जिसमें दो नवंबर 24 की तारीख लगी है किन्तु उससे पहले ही उनकी जमीन कब्जे में ले ली गई और कार्य शुरू किया गया है। जमीन में बदलाव किया जा रहा है। अभी तक अधिग्रहण नहीं हुआ है।

राज्य कृषि औद्योगिक निगम में फंड की कमी

● वित्त विभाग ने स्वीकृत किए 445 लाख

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग ने हलफ्नामा दाखिल कर बताया कि उ प्र राज्य कृषि औद्योगिक निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के बकाया भुगतान के लिए वर्ष 2024 25 के लिए 445 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके लिए 26 अक्टूबर 24 को बैठक की गई है। अब कोर्ट ने प्रमुख सचिव कृषि विभाग से व्यक्तिगत हलफ्नामा मांगा है कि निगम का बैंक खाता कुर्क क्यों न किया जाए। क्यों कि निगम याचियों के बकाये का भुगतान नहीं कर रहा।

याचिका की अगली सुनवाई की तिथि सात नवंबर नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने आगरा के पंचम सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता दिनेश कुमार मिश्र ने बहस की। इनका कहना है कि याची को कृषि विभाग में समायोजित किया गया है किन्तु निगम में कार्यरत रहने के दौरान वेतन भुगतान नहीं किया गया था। जिसके बकाये का भुगतान किया जाना है।तमाम सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भी भुगतान नहीं किया जा रहा है।जिसपर कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव वित्त से हलफ्नामा मांगा था। इससे पहले कोर्ट ने एक अन्य मामले में फंड की कमी से जूझ रहे उ प्र राज्य कृषि औद्योगिक निगम लिमिटेड को याची कर्मचारी की सेवानिवृत्ति परिलाभों का भुगतान करने के लिए 15एदिन की मोहलत दी थी। निगम के मुख्य महाप्रबंधक ने कोर्ट से कहा था कि निगम के खिलाफ 170 याचिकाएं एवं 42 अवमानना याचिकाएं विचाराधीन है। कोर्ट उनके भुगतान का आदेश देकर अपना समय बर्बाद कर रही है। निगम के पास फंड?? ही नहीं है। वह कोर्ट के आदेश का पालन करना चाहते हुए भी नहीं कर सकता। कोर्ट ने वित्त विभाग को निगम को बजट भेजने का आदेश दिया था।

खिलाड़ी होते हैं देश के सर्वश्रेष्ठ नागरिक:डॉ. राजेश्वर सिंह

● सरोजनीनगर विधायक ने सौसीर खेड़ा में 47वाँ गर्ल्स यूथ क्लब स्थापित करवाकर उपलब्ध कराया खेल संसाधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा निरंतर संचालित 'आपका विधायक -आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर आयोजन की पहल समर्पण, विश्वास और जनसेवा की अनोखी मिसाल बन गई है। इसी क्रम में रविवार को 93 वें आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर के अंतर्गत विधायक की टीम ग्राम पंचायत परवर पूरब के सौसीर खेड़ा पहुंची।

सौसीर खेड़ा गांववासियों के साथ विधायक की टीम ने संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं, ग्रामीणों ने स्ट्रीट लाइट के 47 आवेदन, विधवा पेंशन के 4 आवेदन, आवास योजना के 4 आवेदन सहित कुल 73 सुझावों, आवश्यकताओं से अवगत कराया। गांववासियों द्वारा प्राप्त सभी 73 जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक अवलोकन कर उनके प्रभावी निस्तारण का प्रयास किया गया, शिकायतकर्ताओं के घर जाकर वस्तुस्थिति का अवलोकन किया गया। मेधावियों को सम्मानित करने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, अन्य शिक्षार्थियों को परिश्रम की प्रेरणा मिलती है, सौसीर खेड़ा गांव के 4 मेधावियों, हाईस्कूल परीक्षा में 81.33त्न अंक पाने वाली आस्था पाल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में 72.4त्न अंक पाने वाली श्रद्धा पाल, 70.8त्न अंक पाने वाले सर्वेश कुमार एवं अजय कुमार को साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ गांव के प्रबुद्ध नागरिक सुरेश, पंचम, राम आसरे, श्रीराम, प्रेम चंद्र मिश्रा, अनिल तिवारी, ग्राम प्रधान रामफल, राम सनेही, बूथ अध्यक्ष राम गुलाम, होरी लाल, राम दुलारी, विष्णुदेयी, छोटू, मुन्नी, शकुंतला और मायावती को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से सम्मानित किया गया।खेल युवाओं में निर्णयशक्ति का विकास करते हैं, उन्हें अनुशासित बनाते हैं। आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर के दौरान ग्राम पंचायत परवर पूरब के सौसीर खेड़ा में 47वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर इंडोर और आउटडोर गेम्स फुटबॉल, वालीबॉल, कैरम आदि की किट प्रदान की गईं। शिविर के दौरान सभी उपस्थित ग्रामवासियों को सरोजनीनगर की पहचान बन चुकी, 467 दिनों से निरंतर संचालित ताराशक्ति रसोई के माध्यम से ताजा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

मोदी की 115वीं मन की बात को जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सभी बूथों पर पार्टी कार्यकर्ताओं सहित आम जन ने सुना

गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 115 वें मन की बात संस्करण रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले के सभी बूथों पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों सहित आम जन ने देखा व सुना। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं संग गाजीपुर नगर मण्डल के बूथ संख्या 267 पीरनगर पर सुनते हुए कहा कि विश्व के सबसे मजबूत नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विश्वास आम जनता मे स्थापित है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज के मन की बात कार्यक्रम में देश में तेज गति से फैल रहे साइबर अपराध पर प्रधानमंत्री ने लोगों को चैतन्य करते हुए सचेत किया है।और देश की विरासतों के समृद्ध पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कार्यक्रम लोगो के जीवन मे उर्जा तथा प्रेरणा का स्रोत है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दिया गया जन संदेश लोगों की भावनाओं मे आत्मियता के साथ स्थापित है जो देश के विकासए सम्मान एवं राष्ट्र गौरव की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्ण बिहारी राय बूथ संख्या 285 राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के आवास विकास कालोनी रौजा पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने सकरताली बूथ के कार्यकर्ताओं संग मन की बात कार्यक्रम को सुना।

कोहरा शुरू होने से सकलडीहा चहनिया मार्ग पर दुर्घटना की संभावना

सकलडीहा/चन्दौली। सुबह सुबह शीत लहर और कोहरा का प्रकोप शुरू होगया है। सकलडीहा से चहनिया तक अर्धनिर्मित मार्ग पर चलने वाले भारी वाहनों को आवागमन में काफी समस्या हो रहा है। वाहन स्वामियों का आरोप है कि मार्ग पर एक भी फ्लग लाइट की व्यवस्था नहीं होने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। व्यापारियों ने सड़क दुर्घटना की संभावना जताते हुए सड़क निर्माण और लाइट लगवाने की मांग उठाया है। चंदौली से सकलडीहा वाया चहनिया सैदपुर 28 किलो मीटर मार्ग का चौड़ीकरण कार्य बीते दो साल से शुरू है। ठंड के साथ सुबह कोहरा होने से अर्धनिर्मित मार्ग पर वाहनों के आवागमन में काफी परेशानी बढ़ गयी है। आरोप है कि कही पुलिया तो कही सीसी रोड की ढ़लाई कार्य के लिये सड़क पर बगैर इंडिकेटर जलाये वाहन व मशीने खड़ी रहती है। कोहरा में आने जाने वाले वाहनों को वाहन और गड्ढा दिखायी नहीं देने के कारण दुर्घटना की संभावना बढ़ गया है।

भाजपा पदाधिकारियों ने सुनीं 'मन की बात' कार्यक्रम

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 115वां संस्करण लखनऊ महानगर में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित प्रदेश पदाधिकारीयों ,जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर सुना। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व विधानसभा में झूलेलाल गेस्ट हाउस, मुंशी पुलिया की बूथ संख्या 154 पर, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बाबू बनारसी दास वार्ड की बूथ संख्या 261 पर हुसैनगंज में साहू धर्मशाला में, प्रदेश महामंत्री एमएलसी अनूप गुप्ता ने महंत साध्वी दिव्या गिरी के साथ मनकामेश्वर मंदिर में बूथ संख्या 163 पर,प्रदेश महामंत्री संजय राय ने मोतीलाल नेहरू चंद्रभानु गुप्त वार्ड की बूथ संख्या 21 पर, एमएलसी मुकेश शर्मा ने चिनहट प्रथम वार्ड की बूथ संख्या 362 पर मंडल अध्यक्षों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद वार्डों में सदस्यता अभियान चला कर छूट रहे लोगों को चिन्हित कर पार्टी सदस्य बनाया गया। मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद बृजेश पाठक ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आज बहुत महत्वपूर्ण साइबर फ्रॉड डिजिटल अरेस्ट जैसे महत्वपूर्ण विषय जनता के सामने रखे हैं ऐसे सभी मुद्दों पर सचेत रहने की प्रदेशवासियों से अपील करता हूं।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के सशक्त नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सामर्थ्य पूरी दुनिया देख रही है। भारत डिफेंस इनोवेशन के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है साथ ही एनीमेशन क्रिएटिविटी और खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। भारतीय संस्कृति को पूरी दुनिया में अपनाया जा रहा है।

मोदी-योगी की सरकार है तो चमत्कार होता रहेगा

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मझवां विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर एनडीए प्रत्याशी को वोट करने की अपील की | लोगो को दिलाया भरोसा और कहा- पूरे जनपद का विकास हो इसके लिए मैं सदैव तत्पर हूं : अनुप्रिया

मिर्जापुर। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल का जनपद मे दूसरे दिन भी क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों से जनसंपर्क किया। इस दौरान एनडीए की प्रत्याशी के जीत के लिए विभिन्न स्थानों पर अपील किया। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने तीसरी बार मुझे अपने सांसद के रूप में चुना है और इतनी भीषण गर्मी में अंतिम चरण में चुनाव हो रहा था 50 डिग्री तापमान में हम सभी प्रचार कर रहे थे तो समझ में आ रहा था कि यह कितना कठिन कार्य है इतनी गर्मी में घर से निकलना और ऐसी स्थिति में भी आप सभी अपने घरों से निकले वोट दिया और तीसरी बार मुझे जिताया जो मिर्जापुर जनपद के इतिहास में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है इसके लिए मैं आप सभी लोगों को बहुत.बहुत धन्यवाद देती हूं। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं निषाद पार्टी से मझवा के विधायक डॉ विनोद बिंद वह भदोही जाकर चुनाव लड़े और वहां से सांसद हो गए उनके सांसद बन जाने से अब मझवा विधानसभा की सीट खाली हो गई है और इस समय यहां पर विधानसभा का उप चुनाव हो रहा है और यह सीट भारतीय जनता पार्टी लड़ने जा रही है किंतु उसे अपना दल यश एवं निषाद पार्टी का भी समर्थन है उन्होंने कहा कि हमारी एनडीए की उम्मीदवार श्रीमती सूचिस्मिता मौर्या जी हैं ।चुनाव में बहुत समय नहीं है यह आप सभी भी भली भांति जानते हैं 13 नवंबर को इस विधानसभा में मतदान होगा मैं आज आप सभी के बीच में इसीलिए आई हूं कि श्रीमती सुचिस्मिता मौर्य जी के लिए वोट मांगने आप उन्हें अपना मत प्रदान कर इस विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल है आप सभी कमल का फूल का बटन दबाकर उन्हें भारी मतों से विजई बनाएं मैं आपकी संसद के रूप में 10 साल से अधिक समय हो गया दो कार्यकाल पूरे हो गए और तीसरा कार्यकाल चल रहा है और आप सभी ने मेरे द्वारा कराए गए कार्यों को देखा होगा और मझवा विधानसभा में तो विशेष तौर से भारत सरकार की बड़ी से बड़ी विकास परियोजनाएं आई हैं मेडिकल कॉलेज केंद्रीय विद्यालय इंडियन मिल टर्मिनल सहित बहुत ऐसे बड़े.बड़े कार्य मझवा विधानसभा में हुए हैं जो मैंने इसी विधानसभा में सांसद रहते हुए करवाए हैं और आप सभी ने मुझे तीसरा कार्यकाल दिया है और इन 5 वर्षों में भी पूरे जनपद का विकास हो इसके लिए मैं सदैव तत्पर हूं तथा इसके साथ ही मझवा विधानसभा में भी और बहुत सारी विकास की परियोजनाएं आएंगे आप सभी श्रीमती सुचिस्मिता मौर्य जी का भी सहयोग करें और वह राज्य सरकार की योजनाएं आप सबके बीच में लेकर आएंगे और इससे इस विधानसभा को लाभ मिलेगा राज्य सरकार की योजनाओं के साथ.साथ भारत सरकार की भी योजनाएं आपके विधानसभा तक पहुंचेंगे ।केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने सभी को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि दीपावली पर्व मनाने के साथ.साथ यह भी ध्यान रखें की 13 नवंबर को मतदान करने अपने.अपने बूथों पर अवश्य जाएं आप सभी सामान्य चुनाव की जीत रहा है इस उप चुनाव में भी अपना उत्साह दिखाएं और बढ़.चढ़कर अपना सहयोग प्रदान करें हमारे एनडीए के प्रत्याशी को उन्होंने कहा कि 13 नवंबर को पहले मतदान फिर जलपान करें आप सभी लोगों से विनती है।

ग्रामीण कारीगरों व उद्यमियों के लिए कार्यशाला का आयोजन:वाराणसी। आज उत्तर प्रदेश सरकार के एक जिला.एक उत्पाद विभाग के साथ मिलकर फ्लिपकार्ट ने ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों को सशक्त करने और उन्हें अपने ऑनलाइन कारोबार के विकास को गति देने के लिए फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस की संभावनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ओडीओपी विभाग के अधिकारियों और फ्लिपकार्ट के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन वाराणसी जिले में किया गया। इसका उद्देश्य हस्तनिर्मित एवं हथकरघा उत्पाद बनाने वाले सूक्ष्म एवं छोटे उद्यमियोंए उद्यमोंए स्वयं सहायता समूहों और व्यक्तिगत कारीगरों को मजबूत बनाना था। कार्यशाला में उन्हें फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस से जुड़ी व्यापक जानकारियां प्रदान करने और वंचित कारीगरोंए शिल्पकारों एवं बुनकरों को ई.कॉमर्स की दुनिया से परिचित कराने पर फोकस किया गया।

सेवाभाव ही मनुष्य का धर्म

न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह व अन्य गणनाम्य लोगों ने नैनी चांडी में श्री सुमंगलम सेवा न्यास का 11वां स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया

नैनी प्रयागराज। वास्तविक सेवा के क्षेत्र में प्रयागराज के नैनी स्थित चांडी में स्थापित श्री सुमंगलम सेवा न्यास का 11 वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को आयोजित हुआ। दो दिवसीय समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह रांची केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो जय प्रकाश लाल मोतिहारी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव पूर्व आईजी एवं वर्तमान विश्व हिन्दू परिषद काशी के अध्यक्ष के पी सिंह एवं श्री सुमंगलम सेवा न्यास के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राधा कांत ओझा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का परिचय डा सिद्धार्थ यादव ने कराया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा वंदना से की गई। इसके बाद विशेष नृत्य गणपति नृत्य हुई। जिससे माहोल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण झूमर गीत रहा जिसे मौजूद दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम की शुरुआत में सेवा प्रकल्प के निदेशक अजीत बहादुर ने श्री सुमंगलम सेवा न्यास के होने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष भर में हम लोग समाज के सहयोग से कैसे एकत्रित करके वस्त्र कम्बल एवं अन्न गांव में बांटते हैं। इसके बाद श्री सुमंगलम सेवा न्यास के कार्यों से अभिभूत होकर रांची विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो जे पी लाल ने कहा कि सज्जन पुरुष समाज में सेवा के रूप में अपनी समिधा का प्रयोग करते हैं और जो नहीं करता है वह पाप का भागी होता है। विशिष्ट अतिथि हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे अनाथ बच्चे बच्चियों एवं परित्यक्त माता बहनों की सेवा के बीड़ा का संकल्प उठाने वाले श्री सुमंगलम के सेवा कार्य बहुत ही सराहनीय है। ऐसे सेवा कार्य करने वाले लोगों की हर संभव मदद होनी चाहिए। सेवा प्रकल्प में ऐसे बच्चे जिन्होंने जीवन में पहली बार टोंटी द्वारा पानी गिरते हुए देखा फर्श जिनके लिए कोतूहल का विषय बना और उसपर फिसलकर देखना ऐसे ऐसे पिछड़े क्षेत्रों एवं शोषित वंचित बच्चों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने वाले प्रचारक अरविन्द के प्रयास की सराहना जितनी की जाए उतनी कम है। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव ने कहा।

कार्यक्रम के समापन पर न्यास के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राधाकांत ओझा ने कहा कि जब तक कोई स्वयं से खड़ा नहीं होता तब तक उसकी मदद कोई नहीं करता सब कुछ दुसरों के भरोसे मत छोड़िए। कार्यक्रम में परिसर के बच्चे पंकज ने आभार ज्ञापित किया और संचालन योगेंद्र ने किया। कार्यक्रम में शिव कुमार पाल डा बी बी अग्रवाल प्रो सतपाल तिवारी विजय प्रताप मानव चौरसिया सुजीत अखिलेश यादव डा रंजन बाजपेई सतीश दीपक प्रवीण संतोष वेदानंद आदि उपस्थित रहे।

संस्कृत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना की हुई विधिवत शुरुआत

डिजिटली ट्रांसफर होने पर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे

गाजीपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्या की राजधानी काशी से रविवार को उत्तर प्रदेश के समस्त संस्कृत विद्यालयोंए महाविद्यालयों एवं संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना की विधिवत शुरुआत की। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के दीक्षा प्रांगण में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कंप्यूटर के माउस को क्लिक कर प्रदेश के 69195 संस्कृत विद्यार्थियों के बैंक खाते में एक साथ 586 लाख रूपये की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में स्थानांतरित किया। बैंक खातों में छात्रवृत्ति की धनराशि डिजिटली ट्रांसफर होने पर मौके पर मौजूद छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मा0 मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति के ऊर्जा का स्वर है। संस्कृत के प्रथमा से आचार्य तक के सभी बच्चों को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की गयी है। इसके लिए संस्कृत विद्यालयों को बच्चों का फार्म आदि भरवाने की औपचारिकता पूर्ण कराते हुए प्रयास करना होगा। संस्कृत केवल देववाणी ही नहीं बल्कि भौतिक समाज की तमाम समस्याओं के समाधान करने का भी माध्यम बने। उन्होंने संस्कृत को वैज्ञानिक भाषा के दृष्टि से भी आगे बढ़ाए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा की भारत संस्कृतिए आध्यात्मिक चेतना की धरा है। संस्कृत वेद भाषा है तथा उसको जाने बिना भारत की संस्कृति जानना मुश्किल होगा। किसी अभाव से जो विद्यार्थी शिक्षा से वंचित रह जाते हैं उनको ये छात्रवृत्ति बहुत संबल देगी।इसी क्रम में जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य एंव जिला विद्यालय निरीक्षकए की उपस्थिति में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा एवं सुना गया। जनपद में कुल 938 संस्कृत विद्यार्थियों के बैंक खाते में 8ए26ए200 रूपये की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप लखनऊ से स्थानांतरित की जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित 10 छात्रों को छात्रवृत्ति का डेमो चेक वितरित किया गया।

माइक्रोआब्जर्बर्स का प्रथम रेंडमाइजेशन

अंबेडकरनगर । विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के अंतर्गत विधानसभा 277दृकटेहरी के निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह्ए मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक आनंद कुमार शुक्लाए उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता व जिला विकास अधिकारी आदि की उपस्थिति में माइक्रोआब्जर्बर्स का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा उप निर्वाचन 277दृकटेहरी हेतु कुल 111 माइक्रोआब्जर्बर्स के सापेक्ष 200 माइक्रोआब्जर्बर्स का प्रथम रेंडमाइजेशन किया किया।

कौशल्यानंद गिरि बनीं किन्नर अखाड़ा की महाकुंभ प्रभारी

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी 2025 में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों के लिए किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां को प्रभारी मनोनीत किया है। जो तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी फरवरी में होने वाले महाकुंभ में अखाड़ा का सभी कार्य संभालेंगी। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि महाकुंभ में देश और विदेश के लाखों शिष्य और श्रद्धालु आ रहे हैं जो माह भर शिविर में रहकर कल्पवास गंगा संगम स्नान और पूजन करेंगे। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि के नेतृत्व में किन्नर अखाड़ा का विकास और संगठन मजबूत हुआ है। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि जूना अखाड़ा के साथ किन्नर अखाड़ा का नगर प्रवेश तीन नवंबर को है।

प्रदुम्न त्रिपाठी, आलम स्मृति व दीपक को मिला प्रतिभा सम्मान

सोनभद्र। हिंदी साहित्य पत्रिका असुविधा व राष्ट्रीय संचेतना समिति के सौजन्य से जनपद मुख्यालय स्थित जुनियर इंजीनियर संघ के सभाकक्ष में काव्य गोष्ठी विमोचन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर व मुख्य अतिथि पूर्व अपर संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डा0 अनिल कुमार मिश्र विशिष्ट अतिथि पूर्व अपर आयुक्त ओम धीरज रहें। मंच पर वरिष्ठ साहित्यकार पारसनाथ मिश्र हिमांशु उपाध्याय डा0 गोपाल सिंह विमलेश कुमार त्रिपाठी ओमप्रकाश त्रिपाठी शिवनारायण शिव नागेन्द्र वारिद चेयरमैन रूबी प्रसाद उपस्थित रहे। वाग्देवी व मुनीर बख्श आलम के चित्र पर माल्यार्पण दीपदान के पश्चात वाणी वंदना दिवाकर मेघ ने करके विधिवत आगाज किया। आलम स्मृति सम्मान ग्यारह हजार रुपए प्रशस्ति पत्र अंगवस्त्र लेखनी पुस्तिका श्री पल्लव साहित्य पुस्तकें देकर कवि प्रदुम्न त्रिपाठी को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतिभा सम्मान युवा कवि दिलीप सिंह दीपक को प्रशस्ति पत्र अंगवस्त्र लेखनी पुस्तिका श्री पल्लव साहित्य पुस्तकें इक्कीस सौ रुपए प्रदान किया गया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार भोलानाथ मिश्र व दिलीप सिंह दीपक ने किया। इस अवसर पर तीन किताबें विमोचित की गई जिसमें बेखबर बागवां शिवनारायण शिव गजल संग्रह, सोनभद्र प्राचीन इतिहास पुस्तक लेखक रामनाथ शिवेंद्र व आओ मुकाबला करें उपन्यास नागेन्द्र वारिद की रही। मुनीर बख्श आलम के रचना संसार पर असुविधा द्वारा पुस्तक भी लोकार्पित की गई। मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूं सुनाकर ओज की सशक्त कवयित्री कौशल्या चौहान ने शमां बांध दिया। धर्मेश चौहान ने बड़ा ही प्यारा बड़ा ही न्यारा अपना हिंदुस्तान, सुनाया और सराहे गये। प्रभात सिंह चंदेल ने देश भक्ति गीत पढ़ कर वाहवाही बटोरी। कवयित्री अनुपम वाणी ने इतनी सद्बुद्धि दे मुझे मांगूं तो तेरी भक्ति मांगूं सुनाया गतिज ऊर्जा दी शिवदास चंदौली से पधारे कवि ने अरे बाप रे बाप पतोहिया मिलल उचक्का जयराम सोनी ने नीमन नीमन बाति सुना के आगि लगवला पानी में। अशोक तिवारी विकास वर्मा नजर मोहम्मद नजर अब्दुल हई धनंजय सिंह राकिम बहर बनारसी अलका केसरी योगेन्द्र मिश्र सुशील राही ईश्वर विरागी दीपक केसरवानी दयानंद दयालू सुधाकर सुधाकर स्वदेश प्रेम मदन चौबे अजय चतुर्वेदी कवका जुल्फेकार हैदर दिया राय खां इसरार अहमद शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी के निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी राकेश शरण आदि कवियों ने कविता सुनाकर गीत गजल मुक्तक छंद श्रृंगार ओज की रचना सुनाकर पूरे वातावरण को साहित्य मय बना दिया।

चोरी के सामान के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार, एक फरार

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित बीजपुर बभनी मार्ग पर ग्राम सभा नेमना में कुछ अज्ञात चोरों ने बिजली के पोल व उसके पास रखा हुआ पुराना ट्रांसफार्मर चुरा ले गए थे। इस घटना की जानकारी 25 अक्टूबर 2024 को थाने में उपस्थित होकर ग्राम व थाना कोन निवासी देवकुमार शर्मा पुत्र छोटेलाल शर्मा ने तहरीर के माध्यम से प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र को दिया था। तहरीर के आधार पर बीजपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर चोरी के अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में जी जान से जुट गई। प्रभारी निरीक्षक बीजपुर श्री मिश्र ने हमराही उप निरीक्षक श्रवण कुमार यादव दीवान बृजराज यादव व सुदामा यादव आरक्षी जीतेंद्र पासवान अभिमन्यु सिंह व पुरूषोत्तम कुमार के साथ 24 घंटे के अंदर 25 अक्टूबर की रात्रि 10 बजकर 55 मिनट पर थाना क्षेत्र के चेतवाँ से महुली जाने वाले मार्ग पर कटे हुए पोल व छतिग्रस्त ट्रांसफार्मर के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में अहम कामयाबी हासिल की। गिरफ्तार किए गए आरोपी थाना क्षेत्र के ग्राम नकटू अधवरा निवासी 28 वर्षीय सदानंद यादव पुत्र रामवृक्ष यादव ग्राम सभा डोड़हर निवासी 20 वर्षीय शिवपूजन पाल उर्फ चिन्नी पुत्र रविचन्द पाल तथा बिहार प्रान्त के जनपद बेबुसराय थाना नयागांव ग्राम बागडोव निवासी 20 वर्षीय नितिन कुमार उर्फ पाण्डेय पुत्र श्याम सिंह व वहीं का निवासी 21 वर्षीय निरंजन कुमार पुत्र संजय सिंह को चालान करके शनिवार को अग्रिम विधिक कार्यवाई हेतु न्यायालय में पेश किया। जहाँ पर न्यायाधीश ने आरोपियों पर लगे आरोप को जघन्य देखते हुए अग्रिम जमानत न मिलने तक चारों आरोपियों को कारागार में भेजने हेतु आदेशित किया। प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्र ने बताया कि बीजपुर निवासी राजकुमार पुत्र रामाज्ञा सिंह फरार हो गया है जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कानून व्यवस्था के साथ ही खाकी कर रही है रिश्तों को भी मजबूत

सोनभद्र। मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 04 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए। इसके अतिरिक्त 02 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिस पर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

वर्चुअल टूरिज्म को दें बढ़ावा, डिजिटल फ्रॉड सें रहें सावधान

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज विधानसभा के बूथ संख्या 21 पर रविवार को अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार व अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के साथ ही पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 115वें संस्करण को सुना गया। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाने वर्चुअल टूरिज्म को बढ़ावा देने डिजिटल फ्रॉड से सावधान रहने एनीमेशन सेक्टर को समृद्ध करने के साथ ही भारत की प्राचीन विरासत को और भी अधिक समृद्ध करने में संदर्भ में व्यक्त किए गए विचार मूल्यवान हैं और हमें नई दिशा प्रदान करते हैं। इस दौरान पूर्व सभासद ध्रुवकान्त द्विवेदी अमन वर्मा राजेश बाला राजन गुप्ता क्षेत्र पंचायत सदस्य राम भरोसे लवकुश युवा मोर्चा के महामंत्र विनय श्रीवास्तव आलोक रावत अजय भारती संजय पासवान रहे।

लूट का रूपया बरामद होने पर सीओ और कोतवाल को किया सम्मानित

सकलडीहाधन्दौली ।कोतवाली क्षेत्र के नागनपुर गांव के समीप बीते दिनों बदमाशों ने ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक से साढ़े तीन लाख से अधिक रूपये असलहे के बल पर बदमाशों ने लूट लिया था। एसपी आदित्य लांगहे के तत्परता से कोतवाल संजय कुमार सिंह ने लूट के रूपये के साथ बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। रविवार को ग्राहक सेवा केन्द्र संचालकों ने एसपी को धन्यवाद देते हुए सीओ और कोतवाल को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र से सम्मानित किया। व्यापारी सहित मिनी बैंक संचालकों ने पुलिस प्रशासन की सराहना किया। पुल्ही गांव निवासी सुनील प्रजापति तुलसी आश्रम कस्बा में मिनी बैंक का संचालन है। बीते 21 सितम्बर को पौनी स्थित यूनियन बैंक की शाखा से साढ़े तीन लाख से अधिक रुपये निकालकर बाइक से केन्द्र पर जा रहा था। इसी बीच घात लगाये नकाबपोश तीन बदमाशों ने असलहे से आतंकित कर रुपये से भरा बैग लूट लिया। मुक्तभोगी की सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। एक सप्ताह के अंदर ही घटना का पर्दाफाश करते हुए इसमे शामिल सभी बदमाशो को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लुट के 2 लाख 82 हजार 200 सौ रुपये भी बरामद कर लिया। करीब 44 हजार रूपये को होल्ड करा दिया था। न्यायालय के निर्देश पर बरामद रूपया कोतवाली पुलिस केन्द्र संचालक को सौप दिया। बैंक संचालकों की ओर से कोतवाली में सीओ रघुराज और कोतवाल संजय कुमार सिंह को अंगवस्त्रएस्मृति चिन्ह और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। बैंक संचालक अध्यक्ष सचिन पाडेय ने बताया कि जिले की पुलिस प्रशासन की सख्ती से अपराधियों के हौसले टूटे गये है। इस मौके पर राजू सिंहएभीम सिंहएराम लखन सोनकरएआकाश मोदनवालएसुनील प्रजापति सहित दर्जनो बैंक मित्र रहे।

दो क्विंटल खोया पकड़ा गया, मिठाई की दुकान से भरे गए नमूने

अंबेडकर नगर। आयुक्तए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में सहायक आयुक्त ;खाद्यद्ध ग्रेड.2 श्रवण कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार पाण्डेय तथा दिनेश कुमार राय की टीम द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ पूर्जा पर्व के अवसर पर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्यएपेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से प्रात: 06:30 बजे बस स्टेशन अकबरपुर पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सड़क के किनारे पटरी पर चार प्लास्टिक के बोरों में लगभग दो क्विंटल खोया रखा हुआ पाया गया जिसका अनुमानित मूल्य रू0 56000ध्. है। आसपास पूछताछ करने पर उसके मालिक के बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। ऐसी स्थिति में खोये की गुणवत्ता को संदिग्ध मानते हुए सचल दल द्वारा चारो प्लास्टिक के बोरियों को अपने कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। तत्पश्चात टीम द्वारा खासपुर थाना अलीगंज स्थित मंशाराम जायसवाल की मिठाई विनिर्माण इकाई पर औचक छापेमारी करते हुए निरीक्षण किया गया। विनिर्माण इकाई में कुल 132 पैक्ड डिब्बों में बर्फी जिसका कुल वजन लगभग 377 किग्रा0 तथा 24 पैक्ड डिब्बों में पेड़ा जिसका कुल वजन लगभग 75 किग्रा0 विनिर्माण कर विक्रयार्थ भण्डारित किया गया था। डिब्बों पर विनिर्माण तिथिए उपभोग तिथि व अन्य आवश्यक सूचनाएं अंकित न होने एवं उनकी गुणवत्ता में संदेह पर भण्डारित उक्त समस्त मिठाई के पैक्ड डिब्बों को जिनका कुल वजन लगभग 452 किग्रा0 तथा अनुमानित मूल्य रू0 58656ध्. को नियमानुसार जब्त करते हुए नमूना संकलन की कार्यवाही की गयी।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आदर्श प्रताप एवं चन्द्र प्रकाश यादव की टीम द्वारा शेखपुर मलपुरा ;निकट इन्दईपुरद्ध स्थित जगजीवन प्रजापति के बेसन विनिर्माण इकाई पर औचक छापेमारी करते हुए विनिर्माण इकाई पर विक्रयार्थ भण्डारित 25 किग्रा0 की 18 बोरी बेसन जिसकी कुल मात्रा 450 किग्रा0 एवं अनुमानित मूल्य रू0 36000ध्. को विनियमों के उल्लंघन में जब्त करते हुए नमूना संग्रहित किया गया।

जयंत चौधरी ने वर्ल्डस्किल्स 2024 के विजेताओं को किया सम्मानित

वाराणसी। राज्य मंत्री ;स्वतन्त्र प्रभार जयंत चौधरी ने आज वर्ल्डस्किल्स 2024 प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित कियाए जिसका आयोजन हाल ही में फ्रांस के ल्योन में किया गया था। उन्होंने आठ पैरालिम्पिक विजेताओं प्रवीण कुमार,ए अजीत सिंह यादव, शरद कुमार,. प्रणव सूरमाए सिमरन शर्माए रूबीना फ्रैंकिस, राकेश कुमार, प्रीथि पालद्ध को भी सम्मानित कियाए जो 19 वर्ल्डस्किल्स विजेताओं के सम्मान समारोह में मौजूद रहे और सख्त विश्वस्तरीय मानकों पर खरे उतरते हुए विजयी हुए।

मंगल लक्ष्मी पर करवाचौथ ड्रामा

वाराणसी। दीपिका सिंह और नमन शॉ अभिनीत कलर्स के ष्मंगल लक्ष्मीष् में भावनाओं के बवंडर और चौंका देने वाले खुलासों के लिए तैयार हो जाइए! करवा चौथ परए मंगल (दीपिका सिंह) के जीवन में उत्सव के सावन के बीच दुखों का तूफान आ जाता हैए जिसे एक दर्दनाक बेवफाई का सामना करना पड़ा है जो दर्शकों को झकझोर कर रख देगा। अदित ;नमन शॉद्ध के साथ मंगल का पवित्र रिश्ता तब चकनाचूर हो जाता है जब मंगल को उसके चौंकाने वाले राज़ का पता चलता है . अदित का अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से अफेयर है और उसने उससे चुपचाप शादी कर ली है। भीषण दर्द के बावजूदए वह अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है और अदित का डटकर सामना करने के लिए तैयार है।

जलवायु परिवर्तन
प्रभावी रणनीति

जलवायु परिवर्तन का खतरा बढ़ने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की देश की रणनीति और मजबूत हुई है। समुद्री तूफान 'दाना' हाल ही में भारत के पूर्वी तट पर आया। इसके साथ ही भारी बरसात, तेज हवायें व ऊंची समुद्री लहरों ने प्रकोप ढाया। हालांकि, समुद्री तूफान के कारण ढांचागत संरचना को नुकसान हुआ तथा दैनिक जीवन में बाधा आई, पर आपदा प्रबंधन और दृढ़ प्रतिक्रिया करने में देश की प्रगति भी दिखाई पड़ी। सरकार के समन्वित प्रयासों, बेहतर शीघ्र चेतावनी प्रणालियों तथा सक्रिय उपायों ने समुद्री तूफान का प्रभाव कम करने में सहायता की। इससे बड़े पैमाने पर लोगों को हताहत होने से बचाया गया तथा सामान्य स्थिति जल्दी बहाल हुई। यह घटनाक्रम प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा प्रभावी ढंग से निपटने के भारत के प्रयासों की दिशा में एक और कदम है। समुद्री तूफान 'दाना' बंगाल की खाड़ी पर बना था और अपने अनुमानित रास्ते पर चलते हुए वह तट तक पहुंचने तक भयानक तूफान में बदल गया। ओडिशा और पश्चिम बंगाल के पूर्वी तट पहले से ही समुद्री तूफानों का खतरा झेलने के आदी हो गए हैं और इस बार भी उनको अत्यधिक सावधान किया गया। भारत में समुद्री तूफान कोई नई बात नहीं हैं, वास्तव में देश शताब्दियों से ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से निपट रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में समुद्री तूफान प्रबंधन में भारत के सक्रिय दृष्टिकोण के कारण एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है।

आपदा प्रबंधन पर भारत का दृष्टिकोण पिछले सालों में विकसित हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने समुद्री तूफानों का मार्ग और उनकी तीव्रता का पूर्वानुमान लगाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्कृष्ट उपग्रह तकनीक, डॉपलर राडार व्यवस्था तथा गणितीय मौसम पूर्वानुमान माडलों का प्रयोग कर अब मौसम विभाग बहुत सटीक शीघ्र चेतावनियां जारी करता है। 'दाना' समुद्री तूफान के मामले में मौसम विभाग ने काफी समय पहले ही चेतावनियां जारी कर दी थीं जिससे राज्य सरकारों को बचाव के उपाय करने का मौका मिल गया। पिछले दशक में भारत ने अत्यधिक खतरे वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की क्षमता में व्यापक सुधार किया है। 'दाना' समुद्री तूफान से बचाने के लिए तटीय क्षेत्रों के लगभग 3,00,000 निवासियों को 'साइक्लोन शेल्टरों' में ले जाया गया। इनको आपदा प्रबंधन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में मजबूत किया गया है। भारत के बेहतर आपदा प्रबंधन का एक और महत्वपूर्ण आयाम सामुदायिक जागरूकता तथा सहभागिता पर जोर देना है। समुद्री तूफानों से निपटने की भारत की तैयारी रातोंरात नहीं हो गई है। पिछले समुद्री तूफानों के विनाशकारी प्रभाव से नीति-निर्माताओं ने सबक लिए हैं जिनमें 2013 में आया 'फालिन', 2019 में 'फानी' तथा 2020 में आया 'अंफान' शामिल हैं। 2013 में आए 'फालिन' ने समय पर लोगों के निकालने के बावजूद ओडिशा में भारी तबाही मचाई थी। इस अनुभव ने ज्यादा मजबूत ढांचागत संरचनायें तथा बेहतर शीघ्र चेतावनी व्यवस्थाओं के निर्माण में सहायता दी है। 2019 में 'फानी' के दौरान एक मिलियन से अधिक लोगों को समय पर हटाया गया जिससे भारी संख्या में लोगों का जीवन बचा। 2020 में 'अंफान' आने के समय सरकार की तैयारियां और बेहतर हो गई थीं। उसने प्रभवित क्षेत्रों में ज्यादा संसाधन लगाए तथा त्वरित निगरानी के लिए उत्कृष्ट तकनीकों का प्रयोग किया। सरकार के लगातार मजबूत होते इन प्रयासों तथा अतीत के समुद्री तूफानों के प्रबंधन में मिले सबकों से भावी तैयारियों को और प्रभावी बनाने की योजनाओं में समुचित योगदान मिला है।

ब्रिक्स सम्मेलन : महत्वपूर्ण प्रगति

इस सप्ताह आयोजित सम्मेलन वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि वह पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देता है जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का मजाक उड़ा रहा है

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत के विदेश मंत्री की एससीओ परिषद की राष्ट्राध्यक्षों की 23वीं बैठक में इस्लामाबाद की ऐतिहासिक यात्रा के कुछ दिन बाद रूस के कज़ान में 'वैश्विक दक्षिण' का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आयोजन-ब्रिक्स सम्मेलन हुआ है। कज़ान पर 1552 में 'इवान द टेरेबल' ने विजय प्राप्त कर कज़ान खान वंश को समाप्त कर पूरब की ओर रूसी विस्तार की नीव डाली थी। स्थानीय तातार कहावत चेतावनी देती है कि 'यदि देवता कुछ देते हैं तो वे कुछ ले भी लेते हैं।' यह एक प्रकार से सौभाग्य और दुर्भाग्य के बीच नाजुक संतुलन प्रकट करती है तथा विनम्रता के साथ अपरिहार्य परिवर्तनों के लिए तैयार रहने का संदेश भी देती है।

इस सप्ताह आयोजित सम्मेलन वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि वह पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देता है जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का मजाक उड़ा रहा है तथा खासकर पश्चिम एशिया, फिलिस्तीन व लेबेनान में अराजकता का कारण बना है। इससे पूरी दुनिया के अभूतपूर्व टकराव और परेशानियों में घिरने का खतरा पैदा हो गया है। इस सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और नए सदस्य देशों के नेताओं के साथ अन्य प्रेक्षक भी शामिल थे। इस प्रकार यह सम्मेलन केवल राष्ट्रों के एकत्र होने से अधिक साहसी ढंग से वैश्विक दक्षिण की महत्वाकांक्षाओं और क्षमताओं को अभिव्यक्ति देता है। हालांकि, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा स्वास्थ्य कारणों से सम्मेलन में भाग नहीं ले सके, पर उनके समकक्षों ने अपनी बात प्रभावी ढंग से सामने रखी। उन्होंने शांति, सहयोग तथा परस्पर सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की, जबकि ये मूल्य पश्चिम द्वारा फैलाए विमर्श के एकदम विपरीत हैं।

इस अवसर पर यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ब्रिक्स गठबंधन हमारे समय के महत्वपूर्ण मुद्दों-आर्थिक अस्थिरता के साथ पर्यावरणीय संकट से निपटने के साथ ही केवल पश्चिमी वर्चस्व के प्रति प्रतिक्रिया न होकर एक सक्रिय रणनीति है जिसका उद्देश्य समानता और सहयोग पर आधारित विश्व व्यवस्था को उचित स्वरूप देना है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा, 'असाधारण चुनौतियों का सामना करने वाली दुनिया में हमारे सहयोग को परस्पर सम्मान तथा साझा हितों पर केन्द्रित होना चाहिए। आज दुनिया हमारी ओर नेतृत्व के लिए देख रही है जो सीमाओं को पार कर शांति को बढ़ावा देता है।' चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जोर दिया, 'बहुध्रुवीय दुनिया की जटिलताओं से गुजरते हुए हमारी साझा जिम्मेदारी शांति, स्थिरता और विकास को प्रोत्साहित करना है। ब्रिक्स को विकासशील देशों की सहायता के स्तंभ की तरह खड़े होना और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी आवाज विश्व मंचों पर सुनी जाए।' यह गठबंधन विभिन्न राष्ट्रों द्वारा एक दूसरे से व्यवहार में मूलभूत परिवर्तन का संकेत देता है तथा 'ज़ीरो सम गेम्स' से अलग हटते हुए ऐसे सहयोगी दृष्टिकोण की ओर बढ़ता है जो वैश्विक परिवर्तनों में परस्पर जुड़ाव की पहचान करता है। किशोर महबूबानी ने हाल ही में इस लेखक के साथ साक्षात्कार में संकेत किया कि हम सभी एक नाव में हैं।

यदि नाव डूबती है तो इस तर्क का कोई अर्थ नहीं होगा कि किसके पास ज्यादा बड़ा कैबिन है। इसके उलट पश्चिमी देश स्वयं को सैनिक रूप से मजबूत कर दुश्मनी वाला परिवेश तैयार कर रहे हैं और अक्सर अपने प्रचार से चीन और रूस को राक्षसों की तरह पेश करते हैं। उनकी कार्रवाइयां ऐसे घातक टकरावों को बढ़ावा देती हैं जो बाकी दुनिया को संकट में धकेल देंगी और वे दूसरों के दुर्भाग्य से मुनाफा कमाएंगे।

इस विकृत दृष्टिकोण में अक्सर वैश्विक दक्षिण के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भों की अनदेखी की जाती है और उनको व्यवहार के सबक दिए जाते हैं। हेनरी कीसिंजर ने एक बार कहा था, 'पश्चिम ने अपना विवेक खो दिया है। विपरीत स्थितियों में सोचने तथा तार्किक कार्य की क्षमता ही महाशक्ति की पहचान है।'

ब्रिक्स देश इस क्षमता का उदाहरण हैं जो रचनात्मक रूप से कजान घोषणा में सामने आई है। इसमें टकराव के बजाय सहयोग को प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रपति पुतिन ने सम्मेलन के दौरान जोर दिया है, 'हमारी सामूहिक शक्ति सैनिक शक्ति में नहीं, बल्कि साझा मूल्यों और परस्पर सम्मान के आधार पर गठबंधन बनाने में है। हमारे लिए यह समय पुराने विचारों को अस्वीकार करने का है जिन्होंने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय संबंधों को परिभाषित किया है।'

सम्मेलन में जारी यह घोषणा दक्षिण-दक्षिण सहयोग का सशक्त घोषणापत्र है। इसमें रेखांकित किया गया है कि राष्ट्रों की सच्ची शक्ति ऐतिहासिक रूप से साम्राज्यवादी शक्तियों की विभाजनकारी रणनीतियों के सामने झुकने के बजाय परस्पर लाभ के लिए एकजुट होने की उनकी क्षमता में निहित है। ब्रिक्स नेताओं ने आर्थिक सहयोग, पर्यावरण के टिकाऊपन तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। इस प्रकार उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता ऐसी दुनिया के लिए प्रकट की जहां छुद्र राजनीतिक स्वार्थों के लिए ऐतिहासिक शिकायतों को वरीयता देने के बजाय विश्व शांति को प्रमुखता दी जाए। यह युद्धोन्माद के बजाय उन देशों का प्रतिनिधित्व करता है जो ऐतिहासिक रूप से सभी नागरिकों के लिए गरिमा और परस्पर सम्मान प्राप्त करना चाहते हैं। यह प्रतिबद्धता पश्चिम की उस गलत धारणा के एकदम विपरीत है जो सैनिक हस्तक्षेपों और आर्थिक दबाव से अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहता है। वह बेशर्मी के साथ क्यूबा जैसे छोटे देशों पर प्रतिबंध थोपता है तथा फिलिस्तीन और लेबेनान में निहत्थे नागरिकों के नरसंहार पर अपनी आंखें बंद कर लेता है।

इसके बावजूद वह उपदेश देता है कि लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों की कैसे रक्षा की जाए। इस संकट भरे समय में जहां पश्चिम अक्सर मानवीय संकटों को सैनिक हस्तक्षेप का बहाना बना लेता है, ब्रिक्स एक सैद्धान्तिक दृष्टिकोण की पैरवी करता है जिसमें संवाद और साझेदारी को प्राथमिकता दी जाती है। शांति स्थापना के प्रति प्रतिबद्धता एक गहरी समझदारी की अभिव्यक्ति है कि सच्ची सुरक्षा सैनिक शक्ति से नहीं, बल्कि सम्मान और समानता पर आधारित सच्चे संबंधों के आधार पर हो सकती है। यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण कार्य का आह्वान करता है जहां ब्रिक्स देश अतीत की शिकायतों को पीछे छोड़ कर एक दूसरे की शक्ति पहचान कर साझा भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करें। ऐतिहासिक सबक हमें चेतावनी देते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अविश्वास को बढ़ने की अनुमति देने के बजाय वास्तविक शांति का जन्म परस्पर समझदारी तथा सहयोग से ही संभव है।

ब्रिक्स सम्मेलन वर्तमान समय में व्याप्त भय और विभाजन के विमर्श को चुनौती देता है। यह वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन तथा आर्थिक अस्थिरता से तत्काल निपटने की आवश्यकता रेखांकित करता है। इससे वैश्विक दक्षिण का सक्रिय दृष्टिकोण स्पष्ट होता है कि वह सहयोग तथा साझा प्रगति के आधार पर भविष्य की नीव डाल रहा है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि ऐसी बेहतर दुनिया बनेगी जिसमें विशाल एशियाई देश-भारत और चीन एकसाथ आकर अविश्वास के ऐतिहासिक दाग मिटाने में सफल होंगे। इसके साथ ही वे भारत-पाकिस्तान के बीच शांति के और दरवाजे खोलेंगे तथा इन देशों के अतिवादियों के लिए ऐसा कोई स्थान नहीं छोड़ेंगे जिससे ये देश पश्चिम के मुहरे बन सकें। ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल वैश्विक दक्षिण के देशों तथा अन्य विकासशील देशों को सोचना चाहिए कि क्या हमें दुनिया के विकसित और प्रभुत्वशाली देशों ने कितना पीछे धकेला है तथा आपस में संघर्ष के लिए मजबूर किया है। वैश्विक दक्षिण के देशों को वर्तमान समय में यह भी सोचना होगा कि क्या अब परस्पर सम्मान, समानता तथा साझा समृद्धि के लिए हमें एकजुट होने का अवसर नहीं आ गया है?

रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन तथा उसमें स्वीकृत 'कज़ान घोषणा' सभी देशों को इसका अवसर प्रदान करती है।

विज्ञापनों पर लोकप्रिय हस्तियों का प्रभाव

जबकि प्रसिद्ध चेहरे तुरंत अपील करते हैं, सवाल उठता है क्या हमने वह मानवीय स्पर्श खो दिया है जो विज्ञापनों को सार्थक बनाता है।

चैतन्य के प्रसाद
(लेखक, डीएफएफ के पूर्व महानिदेशक हैं)

विज्ञापन के शुरुआती दिनों में, ब्रांड उपभोक्ताओं के साथ गहरे भावनात्मक संबंध बनाने के लिए आकर्षक कहानियों और यादगार टैगलाइन पर बहुत अधिक निर्भर थे। हच के विज्ञापन के बारे में सोचें जिसमें एक वफादार कुत्ता एक लड़के का ईमानदारी से पीछा करता है, कैडबरी डेयरी मिल्क का खुशमिजाज डांसर स्टेडियम में जश्न मनाता है, या सर्फ एक्सेल का दाग अच्छे हैं अभियान।

ये केवल विज्ञापन नहीं थे; वे सांस्कृतिक टचस्टोन बन गए जिन्होंने उन ब्रांडों को याद रखने के तरीके पर स्थायी छाप छोड़ी। हच और एयरटेल जैसे ब्रांडों ने मशहूर हस्तियों पर निर्भर किए बिना कथा-संचालित विज्ञापनों पर अपनी प्रतिष्ठा बनाई, विश्वसनीयता, दोस्ती और खुशी जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। इन अभियानों की सफलता कहानी को नायक बनाने और उत्पाद को उन कथाओं में सहजता से एकीकृत करने में निहित थी जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती थीं। हालाँकि, व्यापक सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिसमें प्रसिद्ध चेहरे लग्जरी कारों से लेकर रोजमर्रा के उपकरणों तक सब कुछ का प्रचार कर रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है= क्या कहानी कहने की कला सेलिब्रिटी करिश्मा के आकर्षण से ढक गई है? फिर भी, कुछ सेलिब्रिटी-संचालित विज्ञापन शक्तिशाली कथाओं के माध्यम से उस भावनात्मक संबंध को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। अमिताभ बच्चन का कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) से जुड़ना इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

शो की ब्रांडिंग सिर्फ़ एक गेम शो के बारे में नहीं है; यह आम लोगों के सपनों, आकांक्षाओं और जीवन बदलने वाले पलों के बारे में है। इसी तरह, शाहरुख खान की हुंडई के साथ लंबे समय से चली आ रही साझेदारी ने ऐसे विज्ञापन बनाए हैं जो कारों के प्रदर्शन से कहीं आगे जाते हैं। हाल ही में हुंडई समर्थ पहल विकलांग लोगों के लिए समावेशिता और सशक्तिकरण को उजागर करती है। इन विज्ञापनों में, शाहरुख खान सिर्फ़ एक उत्पाद का समर्थन नहीं करते हैं; वे एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन जाते हैं जो सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देती है, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ती है। ये अभियान सिर्फ़ इसलिए सफल नहीं हुए क्योंकि उनमें एक सेलिब्रिटी को दिखाया गया था, बल्कि इसलिए भी क्योंकि उन्होंने सार्वभौमिक भावनाओं और मूल्यों को छुआ था जिससे उपभोक्ता जुड़ सकते थे। कहानी हीरो बनी रही, और सेलिब्रिटी ने कहानी को बिना छायांकित किए बढ़ाया। यह अपने शुद्धतम रूप में विज्ञापन था- कनेक्शन और अर्थ पर केंद्रित।

बॉलीवुड अभिनेताओं द्वारा म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय उत्पादों का विज्ञापन करने से लेकर रियल एस्टेट या सॉफ्ट ड्रिंक्स को बढ़ावा देने वाले क्रिकेटरों तक, सेलिब्रिटी विज्ञापन व्यापक हो गए हैं। म्यूचुअल फंड विज्ञापनों में एमएस धोनी की भागीदारी इसका एक प्रमुख उदाहरण है। उनकी विश्वसनीयता, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, वित्तीय उत्पादों को दर्शकों के लिए अधिक सुलभ और विश्वसनीय बनाती है, जो अन्यथा संशयी हो सकते हैं। इसी तरह, पान मसाला विज्ञापनों में बड़े नाम वाले सितारे, हालांकि विवादास्पद हैं, ने इन उत्पादों की दृश्यता और बिक्री में निर्विवाद रूप से वृद्धि की है। लेकिन सेलिब्रिटी-केंद्रित विज्ञापन की ओर इतना बदलाव क्यों हुआ है? इस प्रवृत्ति में कई कारक योगदान करते हैं। खंडित ध्यान अवधि के युग में, उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, और सेलिब्रिटी तुरंत आकर्षित कर लेते हैं। उनके पहचाने जाने वाले चेहरे और स्टार पावर एक उत्पाद को भीड़ भरे मीडिया स्पेस में अलग बना सकते हैं। सेलिब्रिटी भी विश्वास और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं; उपभोक्ता अक्सर किसी सेलिब्रिटी की सफलता को उनके द्वारा प्रचारित उत्पाद की गुणवत्ता से जोड़ते हैं, खासकर तब जब अपरिचित ब्रांड पर भरोसा कम हो सकता है। सोशल मीडिया के उदय ने मशहूर हस्तियों को बड़े पैमाने पर अनुसरण करने वाले प्रभावशाली लोगों में बदल दिया है, और ब्रांड दर्शकों तक पहुंचने के लिए इन व्यक्तिगत कनेक्शनों का उपयोग करते हैं। जैसे-जैसे ब्रांड वैश्विक स्तर पर फैलते हैं, वे व्यापक, अधिक विविध बाजारों तक पहुँचने के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील वाले मशहूर हस्तियों का उपयोग करते हैं।

जबकि मशहूर हस्तियां चर्चा पैदा करने में मदद कर सकती हैं, तकनीक-विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक विज्ञापन रणनीतियों को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एआई एल्गोरिदम उपभोक्ता व्यवहार, वरीयताओं और रुझानों का विश्लेषण करते हैं, जिससे ब्रांड को अत्यधिक व्यक्तिगत और लक्षित अभियान बनाने में मदद मिलती है। हालाँकि, यह डेटा-संचालित दृष्टिकोण कभी-कभी ऐसे फ़ॉर्मूलाबद्ध विज्ञापनों की ओर ले जा सकता है जो रचनात्मकता पर मीट्रिक को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कहानी कहने को इतना शक्तिशाली बनाने वाले मानवीय स्पर्श के खोने का जोखिम होता है।

सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों के उदय ने विज्ञापनों में एक नई गतिशीलता पेश की है। पारंपरिक मशहूर हस्तियों के विपरीत, प्रभावशाली लोगों के पास अक्सर विशिष्ट दर्शक होते हैं और वे उनके साथ अधिक व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ते हैं। उनका ब्रांड मूल्य सापेक्षता और प्रामाणिकता में निहित है, जो मुख्यधारा के मशहूर हस्तियों की पॉलिश छवि की तुलना में अधिक वास्तविक लग सकता है। ब्रांड अब बड़े पैमाने पर अपील के लिए हाई-प्रोफाइल सेलिब्रिटीज और लक्षित, प्रामाणिक जुड़ाव के लिए प्रभावशाली लोगों के बीच संतुलन बनाते हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि हालांकि स्टार पावर प्रभावशाली है, लेकिन विषय-वस्तु और उपभोक्ताओं के साथ वास्तविक संबंध अभी भी बहुत मायने रखते हैं।

आप की बात

कांग्रेस पर संकट

हरियाणा की हार ने कांग्रेस का अहंकार समाप्त कर दिया है जो उसमें लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतने पर पैदा हुआ था। इसका प्रमाण उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में उसका भाग नहीं लेना और सपा को पूर्ण समर्थन देना है। इसके साथ ही महाराष्ट्र की सीटों पर बराबरी के सिद्धांत पर 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ने के निर्णय ने एक प्रकार से कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टी बनाकर रख दिया है। यह इस तथ्य से भी स्पष्ट है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-रांकापा कांग्रेस से ही अलग होकर बनी थी, पर अब स्वयं कांग्रेस उसे अपना बड़ा भाई मानने को तैयार लगती है। कांग्रेस की कमजोरी के कारण इंडिया गठबंधनके घटक दल बिना सामूहिक विचार-विमर्श के अपने मन से उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं और कांग्रेस खुलकर इनका विरोध भी नहीं कर पा रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो इंडिया गठबंधन बिखरते देर नहीं लगेगी क्योंकि सबसे ज्यादा नुकसान सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस उठा रही है। कांग्रेस पर सबसे बड़ा संकट 2014 में आया था जब उसके केवल 44 सांसद चुने गए थे। हालांकि, 2019 और 2024 में सत्ता से दूर रहने के बावजूद वह अपने सांसदों की संख्या सैकड़े की सीमा तक पहुंचाने में सफल हुई। लेकिन कांग्रेस पर वर्तमान संकट भी पहले की तुलना में कम गंभीर नहीं है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

भारतीय राजनय की विजय

ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में भारत एक सशक्त देश के रूप में उभरा है। अब चीन को भी भारत की ताकत का पता चल गया है और उसे भी वर्ष 2020 के बाद सीमा पर शांति स्थापित करने के लिए झुकना पड़ा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलएसी पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच अपने क्षेत्रों में गश्त लगाने के लिए समझौता हुआ है अब सीमा विवाद को निपटाने के लिए दोनों देश के विशेष प्रतिनिधि बैठक करेंगे जिनका निर्धारण भी हो गया है। चीनी सैनिकों ने डेपसांग और डेमचोक से पीछे हटना शुरू कर दिया है। यह भारतीय राजनय तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विजय है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अच्छी तरह समझ में आ गया है कि आर्थिक व सैनिक शक्ति के रूप में उभरते भारत से टकराव उनके हित में नहीं है। 2020 में सीमा पर हुई झड़प 1962 में चीनी हमले के बाद सर्वाधिक गंभीर थी जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। इसके बाद भारत ने न केवल अपनी सैनिक शक्ति में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी की, बल्कि सीमा पर ढांचागत निर्माण को भी लगभग चीन जैसा बना दिया। पांच साल बाद मोदी-शी औपचारिक मुलाकात भी भारतीय राजनय की विजय है जिसे और विस्तार दिया जाना चाहिए।

- भगवानदास छारिया, इंदौर

उमर अब्दुल्ला का बयान

भारत के मजबूत लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जब भी भारत पर आंच आती है तो भारत के नेता, अभिनेता और राजनेता एक स्वर में भारत-विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देते हैं। इसका ताजा प्रमाण है जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की शह पर हो रही आतंकी घटनाओं पर जोरदार प्रहार किया है। भारत के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए उन्होंने केंद्र सरकार के पाकिस्तान के प्रति दृष्टिकोण के अनुरूप बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकी घटनायें जारी रखेगा तब तक उसके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की देश के गृहमंत्री अमित शाह तथा प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि अब नेशनल कान्फ्रेंस सरकार केंद्र के साथ टकराव के बजाय आपसी सहमति, सहयोग और भारत के प्रति अडिग प्रतिबद्धता के आधार पर काम करेगी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ऐसे बयानों का स्वागत किया जाना चाहिए। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा भी किया है, अत: इसे मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

मोदी-शी मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात और विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा को लेकर देश भर में यह आशा बंधी है कि इन दोनों राष्ट्रों से चल रह रहे मतभेदों पर बातचीत की शुरुआत हो सकती है। चीन द्वारा 2020 के पूर्व वाली स्थिति तक लौटने की बात पर अभी भी शंशय बरकरार है क्योंकि चीन का अब तक का रिकॉर्ड अपने वादों को पूरा न करने का रहा है। शी जिनपिंग के विस्तारवादी इरादों पर दुनिया भर के देश लगातार संदेह करते रहते हैं। बदनीयती के साथ चीन अपनी सीमा से लगे पड़ोसी देशों की जमीन हड़पने का प्रयास लगातार करता रहता है। पाकिस्तान भी इस समय चीन की गोद में बैठकर उसके इशारों पर चल रहा है। ऐसे में भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखते हुए अपनी सामरिक तैयारी लगातार मजबूत करनी चाहिए। भारत को सीमा वार्ता के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार पर भी बात करनी चाहिए क्योंकि चीन भारत का एक सबसे बड़ा आयातक देश है, लेकिन वह भारत से ज्यादा सामान नहीं खरीदता है।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

15वीं वित्त योजना की बैठक में डीएम ने दिये निर्देश

●डीएम नेहा शर्मा की पहल पर जगमग होगा गौशालाओं का आंगन

●सार्वजनिक स्थलों पर बनाई जाये रंगोली व अल्पना सजावटः डीएम

संवाददाता। गोंडा

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री नगर सृजन एवं 15वें वित्त योजना की बैठक। बैठक में जनपद के समस्त नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारी तथा अध्यक्षगण ने प्रतिभाग किया। बैठक में नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं के द्वारा तैयार किए गए कार्ययोजना/प्रस्तावों के संबंध में नगर पंचायतवार द्वारा कार्य योजना की समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य योजना में सम्मिलित किए गए कार्यों की पूरी गहनता के साथ जांच कर लिया जाए। ताकि कार्य योजना में आवश्यक रूप से कराए जाने वाले कार्य को ही सम्मिलित किया जाए तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायत में आवश्यकता के अनुसार सामग्रियों/उपकरणों की खरीदारी की जाए। कार्य योजना में कोई भी कार्य गलत तरीके से न सम्मिलित होने पाए, इस पर सभी अधिकारीगण विशेष ध्यान दें। बैठक में तैयार किये गये कार्य योजना के अंतर्गत चयनित निकायों द्वारा कार्ययोजना एवं 15वें वित्त आयोग योजनान्तर्गत निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आगामी त्योहारों, विशेषकर दीपावली, गोवर्धन पूजा, और भाई दूज के अवसर पर निराश्रित गोवंशों की सुरक्षा और सेवा के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं।

जिलाधिकारी ने इस अभियान को गावो विश्वस्य मातरः की भावना को साकार करने का माध्यम बताते हुए सभी अधिकारियों को इसे पूरे सम्मान और उत्साह के साथ संपन्न कराने की अपील की है। त्योहारों के अवसर पर राजमार्गों पर बढ़ते यातायात के मद्देनजर, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निराश्रित गोवंशों की सुरक्षा के उपाय किए जाएंगे।

अस्थायी गो आश्रय स्थल, वृहद गो संरक्षण केंद्र, कांजी हाउस, और कान्हा गोशाला जैसी जगहों पर निराश्रित गोवंशों को संरक्षित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर सभी गो आश्रय स्थलों पर गो पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन भी किया जाएगा और गो पूजन के लिए पंडितों तथा आवश्यक पूजन सामग्री (रोली, चंदन, पुष्पमाला, गुड़ और फल) का इंतजाम किया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्थानीय सांसद, विधायक, ब्लॉक प्रमुख और अन्य जनप्रतिनिधियों को गोवर्धन पूजा में शामिल करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने दीपावली के पावन पर्व पर जिले के विभिन्न निकाय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, कार्यालयों और मंदिरों पर रंगोली और अल्पना बनाने का निर्देश जारी किया गया है। इस निर्देश का उद्देश्य दीपावली की भव्यता को और अधिक सजीव करना और जनपद के नागरिकों को सौंदर्यपूर्ण वातावरण प्रदान करना है। जनपद के सभी नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र के चुनिंदा स्थलों पर विशेष सजावट की तैयारियां सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि दीपावली से पूर्व, विशेष रूप से धनतेरस पर्व के दिन, सभी चयनित स्थलों पर रंगोली और अल्पना का निर्माण हो जाना चाहिए।

विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर होगी कठोर कार्रवाईः मंडलायुक्त

●त्यौहारों के मद्देनजर अधिकारियों की छुट्टियां निरस्तः आयुक्त

संवाददाता। गोंडा

आयुक्त देवीपाटन शशि भूषण लाल सुशील ने मंडल में चल रहे विकास प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने सितम्बर माह में मंडल में कराए गए विकास कार्यक्रमों की बारी-बारी से समीक्षा की। इस मौके पर आयुक्त द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, पीएम कुसुम योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, ऑपरेशन कायाकल्प, निराश्रित गोवंश, शादी अनुदान योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, निराश्रित महिल पेंशन योजना तथा वृद्धावस्था पेंशन योजना सहित सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी।

आयुक्त ने अपर निदेशक स्वास्थ्य को निर्देश दिए की अस्पतालों में खराब पड़े सभी उपकरणों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाये। गोंडा मेडिकल कॉलेज की सीटी स्कैन मशीन को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि विकास कार्यक्रमों को धरातल तक पहुंचाने में कोई भी लापरवाही ना बरतें। शासन की मंशारूप सभी विकास कार्यक्रमों को धरातल तक पहुंचाएं। प्रत्येक वंचित व पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ दिलाए जिससे कि सरकार की योजनाओं का लाभ आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी मिल सके। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि आईजीआरएस पर आने वाली प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाए। शिकायत पर बिना जांच के रिपोर्ट न लगाई जाए। कार्यालयाधक्ष समय-समय पर शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता चेक करने के लिए शिकायतकर्ता से बात करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश है कि शिकायतों के निस्तारण में बिल्कुल भी लापरवाही ना बरती जाए। बैठक में संयुक्त आयुक्त देवीपाटन, अपर निदेशक स्वास्थ्य सहित सभी मण्डलीय अधिकारी मौजूद रहे।

मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने आगामी दीपावली समेत अन्य पर्वों के मद्देनजर सभी अफ्सरों के लिये छुट्टियों को निरस्त कर दिया है। अफ्सर मुख्यालय पर मौजूद रहकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था कायम रखना सुनिश्चित करेंगे।

कल्याण ज्वैलर्स शोरूम का आयुक्त बस्ती एवं आईजी ने किया उद्घाटन

संतकबीरनगर। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात कल्याण ज्वेलर्स का खलीलाबाद शहर के गोला बाजार में रविवार को भव्य शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि बस्ती मंडल आयुक्त अखिलेश सिंह, बस्ती मंडल आईजी आर0के0 भारद्वाज ने संतकबीरनगर के जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता के साथ फीता काटकर कल्याण ज्वैलर्स का उद्घाटन किया।

इस दौरान ज्वेलर्स के फ्रेंचाइजर विनोद रूंगटा, श्रीमती सुधा रूंगटा एवं गौरव रूंगटा ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। अतिथियों ने कल्याण ज्वेलर्स शोरूम का अवलोकन करते हुए इसकी गुणवत्ता की जानकारी ली। ज्वेलर्स के फ्रेंचाइजर विनोद रूंगटा ने बताया कि कल्याण ज्वेलर्स अंतरराष्ट्रीय ब्रांड है और यह अपने नाम से ही जाना जाता है। उन्होंने कहा कि खलीलाबाद शहर में कल्याण ज्वेलर्स का शोरूम खुलने के बाद से अब लोगों को गुणवत्तापूर्ण गहनों के लिए राजधानी नहीं जाना पड़ेगा।

कल्याण ज्वेलर्स के बिजनेस हेड जोश, रीजनल मैनेजर विमल कुमार एवं खलीलाबाद के ब्रांच मैनेजर सुजीत कुमार ने बताया कि कल्याण ज्वेलर्स अपने स्वर्ण आभूषणों में शुद्धता की गारण्टी देते हैं।

संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का हुआ शुभारम्भ मुख्यमंत्री का लाईव प्रसारण देखा गया

संवाददाता। संतकबीरनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ एवं 69,195 विद्यार्थियों को 586 लाख रूपये की छात्रवृत्ति का संवितरण किया गया।

उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों द्वारा देखा और सुना गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं हेतु लागू संशोधित संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का शुभारम्भ रविवार को मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में सम्पन्न हुआ। इसी क्रम में जनपद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी बद्री प्रसाद यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा उपस्थिति छात्र/छात्राओं को सरकार द्वारा शुभारम्भ किये गये संस्कृत छात्रवृत्ति योजना से लाभ प्रदान किये जाने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (मा0) धर्मेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों, प्राचार्य, प्रधानाचार्य छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया।

जन आरोग्य मेले में 42 रोगियों का हुआ उपचार

कालपी, जालौन। नगरीय स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा कालपी में चिकित्साधिकारी डॉ सोनू गौतम के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर चिकित्सकीय टीम के द्वारा 38 मरीजों का उपचार किया गया। टीम ने नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गई। चिकित्सालय परिसर में आयोजित सासाहिक मेले में आए मरीजों को जागरुक करते हुए चीफ फार्मासिस्ट राकेश बघेल ने कहा कि बदलते मौसम में सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है । उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की बीमारी होने पर चिकित्सकों की सलाह पर इलाज करायें। उन्होने बताया कि मेले में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सुविधा जनता को उपलब्ध कराई जाती है। मेले में मरीजों के हीमोग्लोबिन, बीपी आदि का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मेले में नीरज पाल, शालिनी बाजपेई, लैब टेक्नीशियन हिमांशु, ममता वर्मा आदि कर्मचारियों की सहभागिता रही।

क्विक न्यूज

दीपावली के मद्देनजर मिलावटखोरी रोकने को हुई छापेमारी

बाजार शुकुल, अमेठी। दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने छापेमारी की। फूड इंस्पेक्टर अमेठी युगल किशोर के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न खाद्यान्न का नमूना लिया और जांच के लिए भेजा। टीम ने गुणवत्ता के लिए दीपावली पर्व के मद्देनजर डीएम अमेठी निशा अनंत के निर्देशानुसार रविवार को फूड इंस्पेक्टर युगल किशोर के निर्देशन नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अमेठी की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान विभिन्न खाद्यान का सेम्पल लेकर जांच के लिए भेजा गया। टीम ने जगदीशपुर स्थित उतेलवा प्रतिष्ठित दुकान राजू लस्सी के यहां पर मिठाई सहित अन्य खाद्य सामग्री का नमूना लिया, जिसे लेकर जांच के लिए भेजा। इसी तरह बाबागंज रसूलपुर स्थित इन्हौना की मशहूर मिठाई की दुकान से छेना की मिठाई का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया। इस दौरान कई अन्य दुकानों का निरीक्षण करते हुएखाद्य कारोबारियों को गुणवत्ता सम्बन्धी सख्त निर्देश भी दिए गए। विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि विभाग मिलावट रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। रविवार की कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूड इंस्पेक्टर युगुल किशोर अंकित कुमार सहित विभागीय लोग शामिल रहे।

राज्यमंत्री ने किया आंख अस्पताल का शुभारंभ

तिलोई, अमेठी। कस्बा में रविवार को राज्यमंत्री मयकेश्वर शरण सिंह ने कुशवाहा आंख, मुंह और दांत अस्पताल का फीता काटकर शुभारंभ किया। राज्यमंत्री ने नवनिर्मित हास्पिटल के हर कक्ष व वहां की सुविधाओं को देखा। प्रबंधक ने उन्हें मशीनों व अन्य सुविधाओं की जानकारी दी। राज्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल खुलने से ग्रामीण क्षेत्र के आम आदमी को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। डा.अवधेश कुमार कुशवाहा ने बताया कि सेवा की भावना के साथ ही अस्पताल खोला गया है। मरीजों को अच्छी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना उद्देश्य है। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह मुन्ना, सियाराम दत्त मिश्रा, कामता मौर्या आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सपा नेता डॉ शिवहरि विजय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मुसाफिरखाना, अमेठी। रविवार को नन्द महर में प्रख्यात समाजसेवी रहे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे डॉक्टर शिव हरिविजय त्रिपाठी की 28 वीं पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में जिले भर के लोगों ने पहुंच कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन सपा नेता व उनके पुत्र प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने किया था। रविवार को नन्द महर स्थित आवास के करीब स्थित स्वर्गीय डॉक्टर शिव हरिविजय त्रिपाठी की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम के तहत प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने सपरिवार हवन पूजन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।उन्होंने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि वे अपने पिता जी के बताए रास्ते पर चल कर उनके अधूरे सपनों को साकार करने का काम करते रहेंगे ।उन्होंने उपस्थित लोगों से भावनात्मक तौर पारिवारिक रिश्ता मजबूत रखने व संघर्ष की परिस्थिति में सदैव साथ खड़े रहने का वचन देते हुए कहा इसके लिए कोई भी त्याग करने को तैयार है।

आतिशबाजी दुकानों का सीओ व कोतवाल ने किया निरीक्षण

कोंच, जालौन। सावधानी ही दुर्घटना से बचाव का माध्यम है इसके लिए आधुनिक सुरक्षा यंत्रों की आवश्यकता होती है इसी को लेकर दिन रबिवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह व प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने धनुतालाब मैदान में लगी हुई आतिशबाजी की दुकानों का दोपहर में निरीक्षण किया और वहां पहुंचकर सर्व प्रथम सी सी टी बी अग्निशमन यंत्र बालू पानी की टँकियों को देखा और दुकानदारों से बात करते हुए उन्हें सावधानी जे टिप्स देते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी ने दुकानदारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि आग बुझाने वाला सिलेंडर फिट होना चाहिए और टँकियों में पानी भरा होना चाहिए जिससे जरूरत पड़ने पर तत्काल ही इसका उपयोग किया जा सके वहीं आने वाले ग्राहकों की बाइकों को दूर रखा जाए और दुकानों के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आतिशबाजी को नही चलाने दिया जाए।

घर मे घुसकर जान से मारने की धमकी में लिखा मुकद्दमा

कोंच, जालौन। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा बुजुर्ग मै 15 सितम्बर 2024 समय करीब दिन में 2 बजे सुशीला के पति जितेंद्र कुमार गाय चराने के लिए गए हुए थे तभी रामजी गुर्जर व रसकेन्द्र सिंह पुत्रगण नन्हे राजा व नन्हे राजा पुत्र नामालूम निवासीगण खक्कल थाना कोंच से कहा सुनी हो गयी जिस पर उक्त लोगों ने जाति सूचक गालियां देते हुए रात्रि 11 बजे घर के अंदर घुस आए और सुशीला को भी जाति सूचक गालियां देते हुए उसके पति को मारने लगे और जाते जाते जान से मारने की धमकी देते हुए सुशीला के साथ भी धक्का मुक्की कर दी जिस पर सुशीला ने उक्त लोगों के खिलाफपुलिस में तहरीर दी जिस पर पुलिस ने धारा 247(2)/115(2)/351(2)/352/333/बी एन एस व 3/1 एस सी एस टी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिर्फ अपना भला सोचने वाले सर्व समाज की सेवा नहीं कर सकतेः मनोज पाण्डेय

संवाददाता। जगतपुर, रायबरेली

विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने आज जगतपुर में आयोजित विषाल समरसता सम्मेलन में सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रबुद्ध समाज ने देष की आजादी से लेकर देष को आगे बढाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया है। इस वर्ग के लोगों ने सदैव अन्याय का विरोध और न्याय के साथ खड़े होने का काम किया है।

समता और समरसता के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुये सदैव कमजोर, गरीब, दलित और पिछड़े समाज के लोगों को आगे बढ़ाने एवं उन्हें संस्कार सभ्यता और इतिहास से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि गरीब और कमजोर की सेवा ही वह अपना सबसे बड़ा धर्म मानते हैं, श्री पाण्डेय ने कहा कि कुछ लोगों ने केवल अपना और अपने का भला करने की होड़ में समाज के बहुसंख्यक आबादी को विकास सम्मान और अधिकार से वंचित रखा है, यह कार्य केवल देश में भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं उन्होने न केवल नारा दिया ''सबका साथ सबका विकास'' बल्कि आज उसे देष में साकार करने का काम किया, चाहे गरीबों को फ्री अनाज की सुविधा हो या किसान सम्मान निधि से अन्नदाआतों की मद्द का सवाल रहा हो, चाहे देश की सीमाओं का सुरक्षा का सवाल रहा हो सब पर खरा उतरने का काम किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि ऊंचाहार की जनता का विष्वास ही उनकी पूंजी है, इस पूंजी को संजोने के लिए उन्हें चाहे जो कुछ भी त्याग करना पड़ेगा उसके लिए वह सहर्ष तैयार रहेंगे। श्री पाण्डेय ने कहा कि उन्हें खुशी है कि जनता की हर परीक्षा में वह खरे उतरे हैं और आने वाले दिनों में जो भी परीक्षा होगी उसमें ऊंचाहार के परिवार का जिस तरह से समर्थन और सहयोग मिल रहा है उससे विरोधी हताश हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत

श्रावस्ती, जमुनहा। थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत जमुनहा बहराइच मार्ग पर बरुहा गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जबकी बाइक चला रहा इबरार बाल बाल बच गया। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के दामोदरा गांव निवासी कलाम पुत्र जमीन खान रविवार को अपने भांजे इबरार निवासी मकुनी थाना मल्हीपुर के साथ किसी काम से बाइक हरदत नगर गिरण्ट थाना क्षेत्र के बदला चौराहा को जा रहे थे इसी दौरान मल्हीपुर थाना क्षेत्र के जमुनहा बहराइच मार्ग पर बरुहा गांव के निकट पहुंचने पर बहराइच से जमुनहा को जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को सामने से टक्कर मार दिया इस दुर्घटना में बाइक सवार कलाम की मौके पर मौत हो गई जबकि बाइक चालक इबरार बाल बाल बच गया।

दीपावली पर्व पर दरिद्र नारायण सेवा समिति ने जरूरतमंदों को दिए उपहार

कोंच, जालौन। जरूरत मन्दों की दीपावली अच्छे से मन सके इसके लिए दरिद्र नारायण सेवा समिति द्वारा उनकी प्रत्येक वर्ष दीपावली के पूर्व उपहार देकर मदद करता है और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देते हैं। इसी को लेकर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुहल्ला गोखले नगर स्थित दरिद्र नारायण सेवा समिति में दिन रबिवार को क्षेत्रीय विधायक मूलचन्द्र निरंजन उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह प्रबगरी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने जरूरत मन्दों को दीपावली के पूर्व नए बस्त्र साबुन मंजन ब्रुश मिठाई और सौ रुपये नगद देकर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उपहार पाकर जरूरत मन्दों के चेहरों पर मुस्कान देखी गयी और उन्होंने अतिथियों का एवं संस्था का दिल से आभार व्यक्त किया। इस दौरान शिव प्रसाद निरंजन ई राजीब रेजा श्रीकांत गुप्ता हाजी मुहम्मद अहमद हाजी सेठ नासिर खान वृजबल्लभ सिंह सेंगर दंगल यादव केशव बबेले राजेन्द्र तिवारी प्रो.बीरेन्द्र सिंह मयंक मोहन गुप्ता गजराज सिंह सेंगर राजेन्द्र द्विवेदी बादाम सिंह कुशवाहा सभाषद रवि कांत कुशवाहा ओ पी कुशवाहा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पार्टी कार्यकर्ता की भूमिका है अपरिहार्य वह संगठन की रीढ़ होता हैः वीरेन्द्र यादव

संवाददाता। रायबरेली

जगतपुर ब्लाक के भटपुरवा में ब्लाकस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में जगतपुर की पुलिस ने सत्ता पक्ष के इशारे पर व्यवधान उत्पन्न करने की कोशिश की। माईक व बैनर लगाने की अनुमति नहीं दी इसके बावजूद भारी उत्साह के साथ कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि समाजवादी लोग किसी से डरने वाले नहीं है। बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का काम प्रगति पर है। जिससे घबरा कर भाजपा के लोग बौखला गये है और पुलिस के जरिये व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे है।

इसका प्रभाव यह हुआ कि कार्यकर्ता और अधिक संगठित होकर भाजपा को धूल चटाने की कोशिश करेंगे। आगामी विधान सभा चुनाव में ऊँचाहार विधान सभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी धोखेबाजों को सबक सिखाकर निर्वाचित होगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष डी0पी0पाल एडवोकेट, सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओ0पी0 यादव, महासचिव अरशद खान, पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश यादव, छविनाथ यादव, राजेन्द्र यादव, कमलेश पटेल, मदन लाल, विन्देश्वरी पासी, रामशरण प्रधान, सुन्दर लाल ने भी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शिवेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में रेहान अहमद, सोहन लाल, महेन्द्र सोनकर, देवनाथ पाल, महेश प्रधान, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष का जबरन काटा गया बिजली कनेक्शन

ऊंचाहार, रायबरेली। भाजपा मंडल अध्यक्ष का बिजली बिल जमा न होने के कारण कर्मचारियों ने उनका कनेक्शन काट दिया गया। उनके घर में मलेरिया से पीड़ित आठ लोग बीमार चल रहे है, परिजन मिन्नत करते रहे किंतु उनकी किसी ने नहीं सुनी। इससे आहत होकर भाजपा नेता एसडीओ ऑफिस पहुंचे और समर्थकों के साथ ज्ञापन सौंपा है।

पूरा मामला रोंहनिया ब्लाक के बीजेपी मंडल अध्यक्ष हरिकेश बहादुर मौर्य के आवास का है। क्षेत्र उमरन गांव निवासी भाजपा अध्यक्ष का कहना है कि उनके घर पर करीब एक दर्जन बिजली कर्मचारी पहुंचे और उनका कनेक्शन काटने लगे। उन्होंने बिजली कर्मचारियों से कहा कि उनके घर के आठ लोग वायरल से बीमार है, कल बिजली बिल जमा हो जाएगा, एक दिन का मौका दे दिया जाए, किंतु किसी ने उनकी एक न सुनी और उनका कनेक्शन काट दिया गया। इस घटना से आहत होकर भाजपा नेता समर्थकों के साथ रविवार को एसडीओ कार्यालय पहुंचे और उन्होंने आरोप लगाया कि हमारी सरकार ने मेरे साथ जो व्यवहार हुआ है, वह सरकार को बदनाम करने की एक साजिश है। इसमें जांच करके कार्रवाई की जाए।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बच्चा बाबू को दी श्रद्धांजलि

लालगंज, रायबरेली। नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी, व्यवसायी एवं शिक्षा के क्षेत्र में महान योगदान करने वाले भूतपूर्व नगर पचायत अध्यक्ष स्व0 सुरेश नरायण सिंह बच्चा बाबू की स्मृति में एक शोक सभा एवं श्रद्धार्जलि सभा का आयोजन काव्यालोक साहित्यिक संस्था द्वारा बैसवारा डिग्री कालेज के हास्टल में किया गया। इस अवसर पर साहित्यकार एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी बैसवारा डिग्री कालेज डॉ. ओपी सिंह ने कहा कि चिर शांति जीवन में चिर निद्रा अवस्था में ही प्राप्त होती है। सरल होना आसान है पर सहजता पाना आसान नही है।

संस्कृत छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रवृत्ति में वृद्धि के संबंध में बैठक संपन्न

संवाददाता। श्रावस्ती

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह की अध्यक्षता में संस्कृत छात्रवृत्ति योजना शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत वर्तमान लागू छात्रवृत्ति की दरों में वृद्धि के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री जी के वर्चुअल कार्यक्रम का भी सजीव प्रसारण किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों व महाविद्यालयों में संस्कृत पढ़ने वाले सुयोग्य एवं प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को संस्कृत पढ़ने की अभिरुचि बनाये रखने एवं उच्च शिक्षा प्राप्त किये जाने के उद्देश्य से वर्ष 2001 से छात्रवृत्ति योजना लागू है।

2001 द्वारा लागू छात्रवृत्ति की दरें अत्यन्त ही कम है तथा पात्र छात्रों की संख्या भी सीमित है छात्रों के अभिभावकों की अधिकतम वार्षिक आय मात्र 50 हजार रूपये निर्धारित है प्रदेश में संस्कृत पढ़ने वाले अधिकांश छात्र-छात्राएँ अत्यन्त ही निर्धन परिवारिक पृष्ठभूमि के होते हैं। इसलिए सम्यक विचारोपरान्त वर्तमान लागू छात्रवृत्ति की दरों में वृद्धि करते हुये तथा अभिभावक की आयु सीमा को शिथिल कर संशोधित छात्रवृत्ति योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होने बताया कि वर्तमान में जनपद में 02 सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालय एवं 01 वित्तविहीन मान्यता प्राप्त संस्कृत विद्यालय संचालित है। जिसके लिए कक्षा-6 से 7 तक 50 रुपये प्रति माह कक्षा-8 में 75 रुपये प्रति माह कक्षा-9 व 10 तक 100 रुपये प्रति माह कक्षा-11 व 12 तक 150 रुपये प्रति माह शास्त्री (स्नातक) में 200 रुपये प्रति माह आचार्य (परास्नातक) में 250 प्रति माह छात्रवृत्ति निर्धारित की गई है। उक्त छात्रवृत्ति हेतु पात्रता न्यनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक तथा 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है छात्रवृत्ति की सम्पूर्ण प्रक्रिया प्राधानाचार्य द्वारा आवेदन पत्रों की जांच एवं प्रेषण डीआईओएस द्वारा जांच तथा जनपद स्तरीय समिति से आवेदन पत्रों की स्वीकृति करके जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति की धनराशि लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर करना है।

पात्र लाभार्थियों की कुल संख्या 307 है एवं इनके बैंक खाते में कोषागार के माध्यम से धनराशि हस्तान्तरित की जा चुकी है।

ट्रक ने मारी पिकअप में टक्कर, दो लोगों की मौत, 15 घायल

संवाददाता। फर्रुखाबाद

इटावा बरेली नेशनल हाईवे पर देर रात्रि बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रक ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें दो की मौत हो गयी व 15 लोग घायल हो गये। बताते है कि जनपद मथुरा के थाना गोवर्धन के कस्बा महरौली निवासी रासलीला की टीम जनपद हरदोई के कस्बा सवायजपुर के ग्राम साहिबाबाद से रासलीला का कार्यक्रम समापन होने के बाद

●इटावा बरेली नेशनल हाईवे पर हुआ बड़ा हादसा

पिकअप से लौट रहे थे। थाना राजेपुर क्षेत्र में जमापुर के निकट अनियंत्रित ट्रक ने पिकअप में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 15 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को आनन फानन में लोहिया लाया गया। जहां पिकअप चालक को जिला अस्पताल लोहिया में डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। वही गंभीर घायल ओमप्रकाश की इलाज के दौरान मौत हो गई। सभी लोग पिकअप से फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन आ रहे थे।

घटना में अतुल 25 वर्षीय, सोनू 30 फ़ुदी 30, पवन 35, रोहिताश 38, चंदन 45, रामेश्वर 45 ,गोविंद 27 ,अनिरुद्ध 17 , विष्णु 13 वर्षीय ,सृष्टि 6, गौरव 8, तेजपाल 22 वर्षीय घायल हो गये। इलाज के दौरान ओमप्रकाश 50 वर्षीय की मौत हुई जबकि 45 वर्षीय अज्ञात चालक को मृत अवस्था में लाया गया।

सेना का ट्रक कुलगाम में हुआ दुर्घटनाग्रस्त, एक जवान की मौत

फर्रुखाबाद। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में रसद लेकर जा रहा सेना का ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमे फर्रुखाबाद का जबान बलिदान हो गया। कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम लुकटपुरा निवासी 35 वर्षीय जीत कुमार साल 2015 में राजपुताना रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। वर्तमान में तैंनाती जम्मू के लद्दाख में वह एएससी की तीसरी कोर में चालक के पद पर तैनात थे।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में रसद लेकर जा रहा सेना का ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में एमटी चालक जवान जीत कुमार की मौत हो गयी। बीती रात उनका शव पैत्रक गांव लुकटपुरा पंहुचा। जहां सैनिक के शव के अंतिम दर्शन को भीड़ उमड़ी। लोगों नें भारत माता की जय के नारे लगाये। शहीद की मां गंगा श्री व पत्नी सरिता बेसुध हो गयी। सेना के नायब सूबेदार और उनके 35 जवानों की टीम नें शहीद को सलामी दी। जिलाधिकारी डा. वीके सिंह. एसपी आलोक प्रियदर्शी, भोजपुर विधायक नागेन्द्र सिंह राठौर, सांसद मुकेश राजपूत, सपा जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल सिंह यादव, कोतवाल विनोद शुक्ला भी पंहुचे। उन्होंने शहीद के शव पर पुष्पचक्र अर्पित किये।

गहन निद्रा में प्रशासनिक तंत्र, बाजार में जमकर हो रही जीएसटी की चोरी

प्रमोद श्रीवास्तव। फतेहपुर

बात ऐसी हो कि दूर तक जाये और खेल ऐसा हो कि कानो-कान भनक तक न लगे। मामूली सी कर प्रणाली के खिलाफ लामबंद होकर महीनों हड़ताल करने वाले सर्राफा कारोबारियों में सालो से घाघ तन्त्र इस कदर हावी है कि कच्चा-पक्का की कौन कहे, नजर चूक जाये तो मूल पर ही हांथ साफ हो जाता है। बड़ी बात यह है कि ज्यादातर नम्बर दो से आने वाले करोड़ों के जेवरातो पर जिम्मेंदारो की नजर कभी टिकी ही नहीं। या यूँ कहें कि जीएसटी जैसे बड़े तन्त्र ने इन्हें वॉक-ओवर दे रखा है!

सूत्रों की मानें तो अनुमानत: जिले की सम्पूर्ण सर्राफा मण्डी में इस त्योहारी सीजन (धनतेरस-दीपावली आदि) के लिये सौ करोड़ से ज्यादा के सोना-चांदी व हीरे के जेवरात तथा गिन्नी (सोना), रुपया (चांदी) का स्टॉक किया गया है। इनमें से ज्यादातर नम्बर दो (कर चोरी) से मंगाया गया है। फतेहपुर समेत खागा और बिंदकी की मण्डी के साथ-साथ कुछ क्षेत्रीय सर्राफा व्यवसायियों ने ऐसा पहली बार नहीं किया है, पूर्व के वर्षों में भी त्योहारी सीजन में यह धमाल होता रहा है। यह अलग बात है कि इस बार रेडीमेड जेवरातो की बड़ी खेप इन मंडियो में पहुंची है।

एक अन्य जानकारी के अनुसार इस बार अगर आप सोने के आभूषण खरीदने के इच्छुक है तो जांच-परख के ही जेब खाली करना। सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में मिलावटी रेडीमेड माल बिकने को तैयार है, इसलिये बेहतर होगा कि परख के और पक्के पर्चे में ही खरीददारीं की सलाह जानकार दे रहे हैं। इन सर्राफा मंडियो में गिरोह-गांठ का काम भी एक बड़ा व्यवसाय रहा है। डिजिटल युग में नि:संदेह इस काम में कमी आई है किन्तु आज भी इस मद में सोनार साल में दसियो करोड़ का काम करते है।

डिजिटल युग में हर कोई ऑन लाइन होना चाहता है। ऐसे में मोबाईल एक बड़ा जरिया है। इस जनपद में मोबाईल व उससे जुड़ी एसेसिरीज का सालाना टर्नओवर नौ अंकों को छूने के करीब है। मोबाईल में चाहकर भी जीएसटी चोरी की स्थिति नहीं बनती किन्तु कुछ बड़े ब्राण्ड का डी माल खपाकर तगड़ा मुनाफा कमाया जा रहा हैं।

वहीं एसेसिरीज में तगड़ा घालमेल है, जिससे तो इन्तेहा ही पार हो गई है। शहर के कुछ चर्चित मोबाईल शॉपो में अकेले न्यू किसान (पीलू तले), हैलो (पनी मोहल्ला और खालसा (कलेक्टरगंज व रेल बाजार) आदि का एसेसिरीज से जुड़ा सालाना टर्नओवर करोड़ों में है और पूरा का पूरा नम्बर दो का है।

स्कूल से लौट रही छात्रा को अगवा कर किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। विद्यालय से घर वापस लौट रही इंटर की छात्रा को गांव के ही युवक ने अपने अज्ञात साथी के साथ अगवा कर झाड़ियों में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे डाला। आरोपी के चंगुल से किसी तरह बचने के बाद पीड़िता ने पिता को आप बीती बताई है। पिता की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म, अगवा व पास्को एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

थरियांव थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली कक्षा 11 की छात्रा कस्बा स्थित एक इंटर कालेज से छात्रवृति की जानकारी के लिए कैफे जा रही थी। तभी गांव का ही रहने वाला युवक समीर पुत्र यूसुफ शाह अपने अज्ञात साथी के साथ बाइक से अगवा कर बिलंदा के समीप झाड़ियों में ले गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने जबरन धर्मांतरण का दबाव भी बनाया। किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। पीड़िता ने घर पहुंचकर आप बीती पिता से बताई। पिता ने स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर आरोपी युवक व उसके साथी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी समीर व उसके साथी के खिलाफ गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा है। मामले पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। आरोपी समीर को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक लाख रुपये कीमत की चरस के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा अभियुक्त

●भारत-नेपाल बार्डर से चरस खरीदकर शहरों में होती थी सप्लाई

संवाददाता। कानपुर देहात

जनपद की अकबरपुर पुलिस ने शनिवार की शाम संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों के चेकिंग के दौरान थाना रूरा के हारामऊ गॉव निवासी युवक के पास से 4 किलो चरस को बरामद किया, युवक के पास से उसकी मोटरसाइकिल भी बरामद की गयी, पकडे गये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व एमवी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

एएसपी राजेश पाण्डेय व अकबरपुर क्षेत्राधिकारी तनु उपाध्याय ने एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुये बताया कि शनिवार की शाम को अकबरपुर कोतवाली में तैनात एसआई बृजकिशोर, देवनारायण द्विवेदी, अभिषेक चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहन का चेकिंग अभियान चला रही थी। उसी समय मुखबिर से सूचना मिली किएक व्यक्ति बुलैट मोटरसाइकिल से वॅषनपुर गॉव मोड से होते हुये दुर्वासा ऋषि आश्रम की तरफ चरस लेकर जा रहा है।

उक्त सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुये पुलिस टीम वॅशनपुरवा मोड इटावा कानपुर हाईवे के पास पहुॅची तो इटावा कानपुर हाईवे के पास कुछ दूरी पर अन्दर की ओर दुर्वासा आश्रम की तरफ बुलेट मोटरसाइकिल से एक व्यक्ति को जाते हुये देखा।

उसे रोक कर पूछताॅछ की गयी तो उस व्यक्ति ने अपना नाम बॉके पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम हारामऊ थाना रूरा बताया तलाशी लेने पर उसके पास से 4 किलो अवैध चरस बरामद हुयी, अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अर्न्तगत मुकदमा दर्ज किया गया, बुलेट मोटरसाइकिल को भी एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया। एएसपी ने बताया कि अभियुक्त बॉके निवासी हारामऊ थाना रूरा ने बताया कि मैं भारत नेपाल बार्डर से चरस लाकर अलग-अलग शहरों में बेंच कर अपना व व अपने परिवार का भरण पोषण करता हूॅ।

शनिवार को भी यहॉ चरस बेंचने के लिये आया था पता नहीं कैसे आप लोगों को सूचना मिल गयी और मुझे पकड लिया गया। गिरफ्तार को अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेजा जा रहा है।

लुटेरों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर फायरिंग

फतेहपुर। लूटकांड के आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग की गई। फायरिंग के दौरान गांव की एक महिला को गोली लग गई। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहानाबाद थाना क्षेत्र के नटो का डेरा में इंटेलिजेंस विंग प्रभारी अरुण कुमार चतुर्वेदी टीम के साथ पहुंचे। पुलिस को 15 जुलाई को चौडगरा क्षेत्र में दिन दहाड़े लूट में फरार कुख्यात धर्मेंद्र और शिवा की तलाश थी। दोनों लुटेरों ने नटो के डेरा ग्राम नोनारा में थे। पुलिस के दबिश डालते ही लूट की घटना के दोनों कुख्यात पुलिस के हत्थे चढ़ने वाले थे। पुलिस पर आरोपियों की बिरादरी के लोगों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। लुटेरों ने तमंचे से फायरिंग की। दूसरी ओर से पुलिस ने भी फायरिंग की। फायरिंग में छर्रे रुबीना के पंजे में लगे, रूबीना घायल हो गई। पुलिस को तत्काल बैक फुट पर आना पड़ा। पुलिस ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान आरोपी भाग निकले।

गैरकानूनी कार्यों में लिप्त लोगों की सूचना पुलिस को दें: सीओ

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दीपावली त्योहार के दृष्टिगत शांति व कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के लिये सदर क्षेत्राधिकारी नें दलबल के साथ नगर के प्रमुख मार्गों पर पैदल भ्रमण कर जहां एकओर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तो वही दूसरी ओर नागरिकों से वार्ता कर सुरक्षा का अहसास कराया। बीतीशाम उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार नें प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे सहित भारी पुलिस बल के साथ कस्वा समधन सहित नगर के जीटी रोड, तिर्वारोड, रेलवे रोड, चकोर रोड, फतेहगढ रोड पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सडकों व शराब ठेकों के आसपास जमघट लगाये अराजक तत्वों में हडकम्प मच गया और इधर उधर खिसकते दिखाई दिये। इस दौरान उन्होनें नागरिकों से अराजक तत्वों व गैरकानूनी कार्य कर रहे लोगों की सूचना देने की अपील की। इस दौरान कस्वा प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह, समधन चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक देवीचरण साहू, प्रदीप कुमार, सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव घर में बिस्तर पर पड़ा मिला

●महिला के ससुराली जन मौके से हुए फ़रार

●महिला के मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता। कानपुर देहात

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बंशी निवादा में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव घर के बेड में पड़ा मिला। सूचना महिला के मायके पक्ष के लोगों को ग्रामीणों ने दी तो मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को बुलाया। वही ससुराली जन मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

थाना क्षेत्र के सुनासी ग्राम पंचायत का मजरा बंसी निवादा में महिला की संदिग्ध मौत से गांव में सनसनी फैल गई। रूबी देवी 28 पत्नी आनंद यादव का शव बेडरूम में बेड में पड़ा हुआ मिला। पूरे मामले की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने मायके पक्ष के लोगों को दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। महिला की मौत से मायके पक्ष में काफी रोष और उबाल देखने को मिला। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाए। वहीं महिला की मौत से मायके पक्ष के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आनंद यादव पुत्र बलवान सिंह यादव निवासी बंसी निवादा के घर में पति- पत्नी में 2 दिन पहले विवाद हुआ था। मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि आनंद यादव घर में मांसाहारी भोजन बना रहा था उसकी पत्नी रूबी देवी ने उन बर्तनो को धोने से इनकार किया तो घर में काफी विवाद हो गया।

इसके बाद मायके पक्ष के लोगों ने किसी तरह मौके पर जाकर मामले में सुलह समझौता करा दिया। वहीं शनिवार की रात्रि को पुन:किसी बात को लेकर विवाद हुआ उसके बाद मकान में काफी सामान बिखरा वो टूटा पड़ा मिला।

शव को देखकर मायके पक्ष के लोग बिलखकर रोए। मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई है। वहीं ससुराल पक्ष मृतक की 5 वर्षीय बेटी साध्वी को भी साथ ले गए। पुलिस ने बमुश्किल शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि तहरीर मिली है मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पिता, पुत्र व पत्नी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट हुई दर्ज

राठ, हमीरपुर। कोतवाली के बसेला गांव में शनिवार को पांच हजार रुपए के लेनदेन को लेकर भाकियू के ब्लाक अध्यक्ष को दंपति ने अपने पुत्र के साथ मारपीट करके हत्या कर दी थी। पुलिस ने मृतक के पौत्र की तहरीर पर दंपति सहित पुत्र के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस जांच में जुट गई है। बसेला गांव निवासी 60 वर्षीय बृजकिशोर राजपूत पुत्र अच्छेलाल शनिवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे घर पर थे। तभी गांव का पन्ना उसकी पत्नी व पुत्र शिवा आए मारपीट करने के उद्देश्य से घर में घुस आए थे। तीनों उसे पकड़ बाहर ले गए और बेहरमी से मारपीट करने लगे। जब उसका पौत्र गगनदीप बचाने गया तो उसे भी मारा.पीटा। मारपीट से बृजकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया था। जहां डॉ अखिलेश सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मृतक के पौत्र ने कोतवाली में दादा की हत्या किये जाने की तहरीर दी थी।

डीएम ने संस्कृत विद्यालय के छात्रों को बांटी छात्रवृत्ति

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रविवार को माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में शहर के सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज के सभागार में संस्कृत छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा संस्कृत छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ कार्यक्रम, छात्रवृत्ति वितरण की लाइव स्ट्रीमिंग देखी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह, विद्यालय प्रबंधक चंद्रभूषण साहनी, शिक्षाविद/विभाग संपर्क प्रमुख नीरज सिंह के साथ दीप जलाकर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विद्यालय के आचार्य सुधीर पांडेय, आचार्य लल्लन बाबू मौर्य ने संस्कृत भाषा में किया। संस्कृत विद्यालय के छात्रों के दल ने स्वस्तिवाचन मंगल पाठ कर उपस्थितजन को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने उपस्थितजन के साथ जिले के संस्कृत विद्यालय के 25 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियों का प्रतीकात्मक चेक और उपहार प्रदान किए। प्राप्त छात्रवृत्ति से उन्हें अपनी पढ़ाई में मदद मिलेगी। छात्रों से अपील की कि वे अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में इस अवसर का उपयोग करें और संस्कृत को आत्मसात करें। संस्कृत शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे संस्कृत को न केवल एक भाषा के रूप में, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और भारतीयता की पहचान के रूप में समझें। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों में बालिकाओं के उज्जवल भविष्य की कामना भी की।

डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में तीन वित्तविहीन और चार सहायता प्राप्त कुल 07 संस्कृत विद्यालय संचालित हैं। संस्कृत छात्रवृत्ति योजना शुभारंभ के मौके पर 218 छात्रों को 99,600 की धनराशि ऑनलाइन उनके खातों में भेजी गई है। छात्रवृत्ति आवेदन की तिथि बढ़ाकर 08 नवंबर कर दी गई है,जो भी आवेदन प्राप्त होंगे, उन्हें योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और शिक्षकों ने इस योजना की सराहना की और बताया कि इससे संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इस तरह के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि समाज के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की अध्यक्ष रश्मि बाजपेई, प्रबंधक चंद्र भूषण साहनी, प्रधानाचार्य शिप्रा बाजपेई, विद्या भारती के जिला समन्वयक रवि भूषण साहनी, सभी सात संस्कृत विद्यालयों के आचार्य स्टाफ भी मौजूद रहा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सनातन धर्म सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की मासिक ई-मैगजीन का रिमोट के माध्यम से विमोचन किया। इस दौरान प्रधानाचार्य शिप्रा वाजपेई ने पत्रिका के संबंध में जरूरी जानकारी दी। डीएम ने विद्यालय में पौध का रोपण भी किया।

चारागाह में हरा चारा नदारद, सूखा भूसा खाने को विवश हैं गोवंश

संवाददाता। हमीरपुर

गौशालाओं के आश्रित गौबंशों को बजट में हरा चारा देने का प्राविधान है मगर गिने चुने गौशालाओं में हरा चारा गौबंशों को नसीब हो रहा है जब कि तेहरवे व पंद्रहवे वित्त आयोग से गांवों में ग्राम प्रधानों को गौबंशों को हरा चारा उपलब्ध कराने का आदेश है. मगर सूखा भूसा खाकर गौबंशों को संतोष करना पड़ रहाहै.

जानकारी के मुताबिक शासन के सख्त आदेश है कि ग्राम समाज का भूमि में गौचरण स्थल पर हरा चारा बोकर गौबंशों को खिलाया जाये मगर जिले में सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 330 गौशालाओं मे केवल 23 गांवों में हरा चारा मिलने का दावा किया गया है वह भी यह बात गले नही उतर रही है।जिले में शासन की रिपोर्ट के अनुसार 329 हेक्टेएअर भूमि चारागाह के लिये चिंहित की गयी है जिसमे शासन के रिकार्ड के अनुसार चरागाह हेतु भूमि 416 हेक्टेएअर है जिसमे 87 हेक्टेएअर का अंतर आ रहा है।

चारागाह के लिये 410 हेक्टेएअर भूमि अतिक्रमण से मुक्त करायी गया है जिसमे ज्यादातर भूमि में ग्राम समाज को अभी तक कब्जा नही मिल पाया है चारागाह की जमीन पर अभी भी ज्यादातर दबंग लोग कब्जा किये हुये हैं। इसी प्रकार पौथिया, कीरतपुर, निरनी, टोडरपुर गांवों की जमीन पर आयुक्त के यहां मामला विचाराधीन है। पशु चिकित्सा विभाग का कहना है कि शासन के सख्त आदेश है कि यदि कही पर चारागाह जमीन में हरे चारे की व्यवस्था नहीहो पा रहीहै तो ग्राम प्रधान तेहरवे व पंद्रहवे वित्त आयोग से आये बजट से हरे चारे की व्यवस्था कर सकता है।

मगर किसी भी ग्राम प्रधान ने इस ओर ध्यान नही दिया है। यही नही बजट में दाना देने का प्राविधान भी कियागया है मगर सिर्फकागजोंमें चल रहा है। जिससे गौबंशों को हरा चारा नही मिल पा रहा है और गौबंशों की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। ज्यादातर गौबंश भूख के कारण टूट चुके है। इधर ग्राम प्रधानों का कहना है कि इतने कम बजट में गौबंशों का संरक्षण करना मुश्किल हो रहा है।

एडी ने बांदा सीवीओ समेत डाक्टरों से किया जवाब तलब

हमीरपुर। चित्रकूटधाम मंडल के प्रभारी अपर निदेशक पशु चिकित्सा व सीवीओ हमीरपुर डा. अरविंद कुमार ने निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्साधिकारी बदौसा,डिप्टी सीवीओ बबेरु,पशु चिकित्साधिकारी बिसडा व सीवीओ बांदा डा एसके बैश्य से जवाब तलब किया है,संबंधित अफसरो ने आईजीआरएस के निस्तारण मे गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण नही किया था इसलिये चारो अफसरो से स्पष्टीकरण मांगा है। इसी प्रकार महोबा के पशु चिकित्सक डा बेद प्रकाश व चित्रकूट के डाक्टर सुभाष को चेतावनी दी गयी है। प्रभारी एडी ने बताया कि संबंधित डाक्टरो की लापरवाही के कारण सीएम डैशबोर्ड में जिले की रैंक में गिरावट आयी थी।

नोडल अधिकारी व सीवीओ ने किया गौशाला का निरीक्षण

गुरसहायगंज, कन्नौज। प्रदेश शासन के निर्देश पर नोडल अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित अस्थाई गौशाला के अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने गौशाला केयरटेकर को निराश्रित पशुओं की विशेष देखभाल किये जाने के निर्देश दिए। रविवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित पालिका द्वारा संचालित अस्थाई गौशाला में पहुंचे शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी डॉ. अरिमर्दन सिंह संयुक्त निदेशक रायबरेली एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कर्णवीर सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में गोवंश की संख्या, टैग की स्थिति, भूसा दाना की व्यवस्था स्वास्थ्य परीक्षण आदि व्यवस्थाओं सहित गौशाला से संबंधित अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया। जिसमें सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। इसके बाद उन्होनें गौवंशो को फूल मालयें पहनाकर गुड चना खिलाया। इस अवसर पर फार्मासिस्ट अजीत कुमार, इंचार्ज प्रसन्नजीत मिश्रा, केयर टेकर ऊधन सिंह रूपेंद्र सिंह सहित तमाम कर्मी मौजूद रहे।

धनतेरस व दीपावली पर बाजारों में भीड़ भाड़ के चलते दुरस्त रहें व्यवस्थाएं: डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

आगामी त्यौहारों यथा धनतेरस, दीपावली, भाईदूज, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा, गुरूनानक जयंती के दृष्टिगत जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गयी। बैठक में आगामी पर्वो को सकुशल, शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि धनतेरस के दिन देर रात तक आमजन खरीददारी करते है, ऐसे में सभी बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, यातायात, प्रकाश आदि पर विशेष ध्यान दिया जाये। आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि पटाखों की दुकानों को सुरक्षित स्थान चिन्हित कर लगवाया जाये, सभी मानकों का पालन कराया जाये, विशेष रूप से फायर सेफ्टी सम्बन्धी मानक। उन्होंने अग्निशमन अधिकारी को ऐसे सभी स्थलों की जांच कर मानकों को पूरा कराने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे इसके लिए अतिरिक्त बसों के संचालन के निर्देश दिये। उन्होंने जिला पंचायतीराज अधिकारी व अधिशाषी अधिकारी नगरीय निकाय को आगामी त्योहारों पर साफ-सफाई, पेयजल आदि व्यवस्थाऐं दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी कस्बों, गांवों में सफाई कर्मियों की रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगायी जाये, रोस्टर के अनुरूप साफ सफाई करायी जाये। उन्होंने आबकारी अधिकारी व खाद्य सुरक्षा अधिकारी को नियमित दुकानों की जांच/छापेमारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि आगामी पर्वो पर किसी प्रकार की मिलावटी खाद्य पदार्थो की बिक्री न होने पाये। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को डाक्टरों, एम्बुलेंस की तैनाती के साथ अस्पतालों में अतिरिक्त बेड लगवाने के निर्देश दिये।

उन्होंने एक्सियन विद्युत को त्योहारों पर रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विद्युत उपकेन्द्रों पर जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों की तैनाती की जाये, किसी भी शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की जाये। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ लाभार्थियों को फ्री गैस सिलेण्डर समयान्तर्गत उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्राधिकारी व एसडीएम से उनकी तैयारियों की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए।

हताशा-निराशा के युग की जगह आशा-संभावना ने ले ली: धनखड़

गुवाहाटी। (भाषा) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में हताशा और निराशा के पुराने दौर की जगह अब आशा और संभावना का माहौल है तथा देश वैश्विक स्तर पर एक ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने दावा किया कि सीमाओं के भीतर और बाहर ऐसी ताकतें होंगी जो नहीं चाहेंगी कि भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभरे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को अपने कदमों से ऐसी ताकतों को जवाब देना होगा।

कृष्णगुरु इंटरनेशनल स्पिरिचुअल यूथ सोसाइटी के एक सम्मेलन में धनखड़ ने कहा, दस साल पहले, माहौल हताशा और निराशा का था। अब हम आशा और संभावना का माहौल देख रहे हैं। हमारे महापुरुषों और संतों के योगदान के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक शक्ति है। उन्होंने कहा, जब भारत का उत्थान हो रहा है, तो कुछ लोगों को चोट लगना स्वाभाविक है। कुछ लोग देश के भीतर हैं और कुछ बाहर...युवा इन लोगों को अपने अर्जित ज्ञान के माध्यम से जवाब देंगे और और इसका इस्तेमाल राष्ट्र के लिए करेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की आध्यात्मिक शक्ति भारत के उत्थान के केंद्र में है। उन्होंने युवाओं से आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने और उसमें राष्ट्रवाद एवं आधुनिकता की भावना भरने का आह्वान किया। उन्होंने देश की आर्थिक वृद्धि का भी उल्लेख करते हुए कहा, जब आप आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रयास करते हैं, तो हमारे लिए एक और जागृति सामने आ रही है। यह भारत का क्रमिक और निरंतर उत्थान है। उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत को

सदियों तक दबाया गया और अब वह मुक्त हो गया है...एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है, जहां हर युवा अपनी क्षमता का पता लगा सकता है और आगे बढ़ सकता है। धनखड़ ने कहा कि विशेष रूप से केंद्र की एक्ट ईस्ट नीति पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र देश में हो रहे विकास का लाभ उठाने के लिए लाभप्रद स्थिति में है। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर का परिवर्तन समावेशिता की भावना का प्रमाण है। दशकों से इस क्षेत्र को विकास से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। बहुत कुछ किया गया है और काम प्रगति पर है।

कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, प्रचलित शब्दों में बदलाव आवश्यक : उपराष्ट्रपति

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं है और प्रचलित शब्दों में बदलाव जरूरी है। उन्होंने यहां एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में अधिवक्ता संघ को संबोधित करते हुए यह बात कही। आधिकारिक बयान के अनुसार उपराष्ट्रपति ने कहा कि न्यायपालिका देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा, जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है उनके मन में एक शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उसके भविष्य को निर्वहन करता है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को इनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिला अदालतें हमारी न्याय व्यवस्था की बुनियाद है। मेरा आग्रह रहेगा कि यदि हमें न्याय को सुलभ और किफायती बनाना है तो हमें जिला अदालतों, हमारे मजिस्ट्रेट्स, जिला जजों और युवा वकीलों पर विशेष ध्यान देना होगा। संसद में कानून पारित कर नागरिक संहिता में हुए बदलाव की ओर इशारा करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया।

जल जीवन मिशन ने मनाया जल दीपोत्सव

1001 दीपों की रोशनी से सला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट जगमगाया

संवाददाता। उरई, जालौन। एडीएम नमामि गंगे संजय कुमार व अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण अंचल कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अति महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन हर घर जल, हर घर नल के तहत जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन जनपद जालौन द्वारा सला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर जल दीपोत्सव का आयोजन किया गया। जल सखी से जुड़ी महिलाओं ने पूरे डब्ल्यूटीपी परिसर को दियो और रंगोली से सजाया। शाम होते ही पूरा परिसर 1001 दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। लोगो में स्वच्छ और शुद्ध पेयजल मिलने पर खुशी जताते हुए पेयजल स्त्रोतों को दीप जलाकर पूजा अर्चना की। मालूम हो सला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से 211 ग्राम के लोगो को शुद्ध और स्वच्छ पानी मुहैया कराये जाने के लक्ष्य के सापेक्ष अभी 109 ग्रामों के लोगो को पीने का पानी मुहैया कराया जा रहा है।जल दीपोत्सव के मौके पर सहायक अभियंता जल निगम ग्रामीण शिवपूजन सिंह ने कहा लोगो के घर पर टेप कनेक्शन से पीने का शुद्ध पेयजल दिया जा रहा है। उन्होंने सला ग्राम प्रधान को घड़ा देकर जल दीपोत्सव की शुरुआत की। पीएमसी आरवी एसोसिएट के श्याम नारायण दुबे ने कहा कि शुद्ध व स्वच्छ पानी पीने से बीमारियां कम होगी और लोगों के खर्चों में कमी आएगी। लोगों के पानी से जुड़े खर्चे, और समय बचेगा।यूनोप्स के जिला सलाहकार देवेन्द्र गाँधी ने कहा महिलाओं के भरने में दो से तीन घंटे लगते थे। अब टेप कनेक्शन घर पर होने से यह समय बचेगा। निश्चित रूप से हम सभी टेप कनेक्शन से मिलने वाला शुद्ध व स्वच्छ पीने का पानी ही पिए।

इस दौरान पीएमसी से श्याम नारायण दुबे, जेई धर्मेंद्र यादव, सुश्री जयंती, सुश्री संगम, कंट्रेक्टिग एजेंसी जीवीपीआर के डीजी एम नागेश, डीपीएम बैंकटेश एवं टीम, यूनोप्स से देवेन्द्र गाँधी, सीटेड के राहुल, स्वजन फाउंडेशन से सौरभ, विंग्स से आलोक सिंह, आकाश, जल सखी सुनीता, क्रांति, अंजली,सहित भारी संख्या से ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संजोई गई गुरु शिष्य परंपरा की थाती

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में आधुनिक शिक्षा के माध्यम से नित्य नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहेए सनबीम शिक्षण समूहए शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सनबीम के विद्यार्थी भारतीय संस्कृति एवं आधुनिक शिक्षा के नए आयाम तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में 27 अक्टूबर को सनबीम लहरतारा हॉस्टल एवं मिडिल स्कूल के वार्षिकोत्सव धनक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र एवं छात्राओं को भारत के गुरु शिष्य परंपरा के महत्त्व से अवगत कराना था। आज के समय में विद्यार्थी एवं शिक्षक के बीच के कमज़ोर होते रिश्ते को उस यात्रा पर लेकर जाना था जहाँ एक शिष्य के जीवन में गुरु का स्थान और महत्त्व माता पिता से भी अधिक रखा जाता था। विद्यार्थियों को यह सिखाना था कि हम ऐसे देश में रहते हैं जहाँ गुरुकृपा से शिष्यों ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है और हमेशा के लिए अमर हो गए। इस कार्यक्रम के केंद्र में ऐतिहासिक गुरुओं एवं उनके कालजयी शिष्यों को रखा गया जिसमे मुख्य रूप से चाणक्य.चन्द्रगुप्तए द्रोणाचार्य.एकलव्य एवं अर्जुनए रामकृष्ण परमहंस.विवेकानंदए रविदास.मीराबाईए एन सुल्वेन.हेलेन केलर एवं सुकरात.प्लेटो जैसे गुरु शिष्य की जोड़ी के जीवन चरित्र की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का उदघाटन सनबीम शिक्षण समूह के अध्यक्ष डॉण् दीपक मधोकए उपाध्यक्ष श्रीमती भारती मधोकए निदेशिका श्रीमती अमृता बर्मन एवं मानद निदेशक श्री हर्ष मधोक ने किया।

'थाना जिगना व आपरेशनल यूनिट प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अनुमानित कीमत ? 20 लाख के गांजा के साथ 01 गांजा तस्कर गिरफ्तारकृ'

बीस किलो गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा विधानसभा उप निर्वाचन.;मझवां.397द्ध को सकुशल सम्पन्न कराने तथा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ ए अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की निर्माणध्तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारीध्बरामदगी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्व लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही में थाना जिगना पुलिस व आपरेशनल यूनिट प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । आज थाना जिगना पुलिस व आपरेशनल यूनिट प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम को जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की ग्राम गौरा कोल्हुआ का किनारा के पास कार सवार कुछ लोगो द्वारा अवैध गांजा की तस्करी की जा रही है । इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गयी । इस दौरान मौके से एक गाँजा तस्कर उदय सिंह उर्फदूधनाथ पुत्र दानपाल सिंह निवासी गौरा कोल्हुआ का किनारा थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य कार सवार साथी अन्धेरे व भौतिकध्स्थलीय परिस्थितियों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे । गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त के पास से कुल 50 किलो ग्राम अवैध गांजा (अनुमनित कीमत 20 लाख) बरामद किया गया ।

आर्थिक विकास की मार्गदर्शिका है विज़न टू विक्ट्री

मुंबई। वित्तीय विशेषज्ञ अजय ठाकुर की पुस्तक .विज़न टू विक्ट्री एसएमई प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वित्तीय और एसएमई क्षेत्रों के प्रमुख लोगों ने इस पुस्तक की सराहना की। इसे भारत के आर्थिक विकास के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में बताया। अजय ठाकुर ने विज़न टू विक्ट्री में अपने व्यापक अनुभव से प्रेरणा लेकर भारत के एसएमई को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इस पुस्तक में उद्यमियों के लिए व्यावहारिक रणनीतियों का उल्लेख किया है। बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म के प्रमुख के रूप मेंए ठाकुर ने अपने कार्यकाल के दौरान 1ए000 से अधिक कंपनियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्र बम की झूठी धमकी देने वालों की हवाई यात्रा पर रोक लगाने पर उठा रहा कदम

विशाखापत्तनम। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार उन लोगों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाने पर विचार कर रही है जो बम की झूठी धमकी देते है। विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा के बीच दो उड़ानों का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद यहां संवाददाताओ से बातचीत मे मंत्री ने कहा कि इन फर्जी खतरो को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियो, कानून प्रवर्तन शाखाओ और खुफिया ब्यूरो से सहायता लेने के अलावा केंद्र सरकार दो नागरिक विमानन कानूनों मे संशोधन करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा, हम इन घटनाओ को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियो, कानून प्रवर्तन एजेंसियो, खुफिया ब्यूरो की भी मदद ले रहे है। हम दो नागरिक उड्डयन कानूनों मे बदलाव लाने की योजना बना रहे है। नायडू ने कहा, जो लोग इस तरह की गतिविधियो मे शामिल होंगे, उन्हे कड़ी सजा दी जाएगी और जुर्माना लगाया जाएगा। हम ऐसे लोगो की हवाई यात्रा को प्रतिबंधित करने भरने से रोकने के लिए भी कदम उठा रहे है। हम आने वाले दिनो मे इसकी घोषणा करेंगे।

सीता सोरेन झारखंड में मंत्री इरफान अंसारी की अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर रो पड़ीं

जामताड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता सीता सोरेन ने उनके बारे मे झारखंड मे मंत्री इरफान अंसारी की कथित अपमानजनक टिप्पणियों के बारे मे बात करते हुए रो पड़ी। जामताड़ा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रही सोरेन अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से एक दिन पहले संवाददाताओ को संबोधित कर रही थी। इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अंसारी ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल करने के बाद सोरेन के बारे मे कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी।न्होंने कहा, जब से मेरी उम्मीदवारी की घोषणा हुई है, अंसारी मुझे निशाना बना रहे है। लेकिन नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने जो अपमानजनक टिप्पणी की, वह स्वीकार्य नही है। यह आदिवासी समुदाय की महिलाओ का अपमान है। आदिवासी समुदाय उन्हें कभी माफ नही करेगा। उन्होंने रोते हुए कहा, चूंकि मेरे पति जीवित नही है, इसलिए उन्होने (अंसारी ने)...। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख शिबू सोरेन के छोटे बेटे हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और धन शोधन मामले मे जेल जाने के बाद, मुख्यमंत्री पद को लेकर परिवार मे मतभेद होने पर दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन इस साल की शुरुआत मे भाजपा मे शामिल हुई थी।

वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी ने 51 फुट ऊंची भगवान हनुमान की प्रतिमा का किया अनावरण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान रविवार को यहां हवाई अड्डा मार्ग स्थित हरहुआ के काजीसराय क्षेत्र में 51 फुट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा का अनावरण किया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री ने परिक्रमा करते हुए विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा-अर्चना की। जय हनुमान श्री पीठ ट्रस्ट द्वारा स्थापित इस भव्य प्रतिमा को राजस्थान के कारीगरों ने दो साल में तैयार किया है। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने काशीवासियों के लिए आस्था के इस प्रतीक को समर्पित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने काल भैरव मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया, जहां उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। योगी आदित्यनाथ ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रदेश के संस्कृत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत भी की, जिसमें हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने वाराणसी सर्किट हाउस में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। योगी ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट किया। मुख्यमंत्री ने पूजा के पश्चात बाबा विश्वनाथ से प्रदेश की खुशहाली और विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

न्यायालय ने दोषी को सजा में छूट देने की याचिका पर उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा

मधुमिता हत्या मामला

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2003 में 26 वर्षीय कवयित्री मधुमिता शुक्ला की हत्या के मामले में एक दोषी की समयपूर्व रिहाई का अनुरोध करने वाली याचिका पर उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा है।न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने रोहित चतुर्वेदी की याचिका पर उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी किया, जिसमें उनकी समयपूर्व रिहाई का आदेश देने के लिए एक सक्षम प्राधिकारी को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने बिलकिस बानो मामले में आठ जनवरी और 13 मई, 2022 को पारित शीर्ष अदालत के पहले के फैसलों का हवाला दिया और कहा कि इस मामले में सक्षम प्राधिकारी उत्तराखंड सरकार होगी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने बिलकिस बानो मामले में आठ जनवरी और 13 मई, 2022 को पारित शीर्ष अदालत के पहले के फैसलों का हवाला दिया और कहा कि इस मामले में सक्षम प्राधिकारी उत्तराखंड सरकार होगी। उन्होंने कहा कि इस अदालत ने आठ जनवरी को कहा था कि जिस राज्य में आपराधिक मामले की सुनवाई हुई है, वह राज्य की नीति के अनुसार दोषियों की समयपूर्व रिहाई से निपटने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा। प्रसाद ने कहा, चूंकि इस अदालत के आदेश पर मामला उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड स्थानांतरित कर दिया गया था, इसलिए इस मामले में सक्षम प्राधिकारी उत्तराखंड सरकार होगी। पीठ ने उत्तराखंड सरकार को नया नोटिस जारी करने पर सहमति जताई और मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर को तय की है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने उस आदेश को वापस लेने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें उसे चतुर्वेदी की समयपूर्व रिहाई पर विचार करने के लिए कहा गया था।

उप्र सरकार ने दलील दी है कि इस साल आठ जनवरी के दूसरे बिलकिस बानो फैसले के मद्देनजर, राज्य ने चतुर्वेदी के मामले में पारित 15 दिसंबर, 2023 के आदेश को वापस लेने या संशोधित करने का अनुरोध किया है।शीर्ष अदालत ने आठ जनवरी को वर्ष 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो से सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या से जुड़े मामले में गुजरात सरकार की ओर से 11 दोषियों को दी गई सजा में छूट को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि गुजरात सरकार सजा में छूट का आदेश देने के लिए उपयुक्त प्राधिकारी नहीं है और स्पष्ट किया कि जिस राज्य में अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है, वह राज्य सरकार दोषी की सजा में छूट देने की याचिका पर फैसला करने में सक्षम है। बिलकिस बानो मामले के दोषियों पर महाराष्ट्र में मुकदमा चला। इस प्रक्रिया में, पीठ ने शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ के 13 मई, 2022 के फैसले को रद्द कर दिया था, जिसने गुजरात सरकार को 11 दोषियों को सजा में छूट देने के आवेदनों पर विचार करने का निर्देश दिया था और कहा था कि यह अदालत के साथ धोखाधड़ी करके प्राप्त किया गया था।

कानपुर में प्रेमिका की हत्या कर शव को डीएम आवास के करीब दफनाया, आरोपी पकड़ा गया

कानपुर। (भाषा) कानपुर में एक जिम ट्रेनर को अपनी प्रेमिका की कथित हत्या कर उसके शव को जिलाधिकारी (डीएम) आवास (कैंप कार्यालय) के करीब दफनाने के आरोप में शनिवार की रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रायपुरवा निवासी विमल सोनी के रूप में हुई है, जिसने अपनी प्रेमिका की हत्या करने की बात कबूल की है। मृतका पहले से ही शादीशुदा थी और आरोपी की शादी तय होने से कथित तौर पर परेशान थी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने शव को दफनाने के लिए जगह का चयन दृश्यम फिल्म से प्रेरित होकर वीवीआईपी क्षेत्र में किया, जिसमें शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और न्यायाधीशों के आधिकारिक आवास शामिल हैं। मृत महिला की पहचान 32 वर्षीय एकता गुप्ता के रूप में हुई है।पूर्वी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को कानपुर से विमल सोनी को गिरफ्तार किया और उससे उचित पूछताछ की गई। डीसीपी ने बताया कि शुरू में उसने पुलिस को गुमराह करने की पूरी कोशिश की, लेकिन बाद में गहन पूछताछ के दौरान अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने स्वीकार किया कि एकता गुप्ता को उससे प्यार हो गया था और वह उसकी शादी तय होने से परेशान थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 24 जून को विमल ने सिविल लाइंस से एकता को शादी के मामले को सुलझाने के लिए बातचीत करने के वास्ते कार में साथ ले गया। शादी को लेकर गरमागरम बहस के दौरान विमल ने कबूल किया कि उसने उसकी गर्दन पर एक मुक्का मारा था, जिसके बाद वह बेहोश हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई। डीसीपी ने आरोपी की गिरफ्तारी में कथित देरी को लेकर पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि सोनी का पता लगाना मुश्किल था क्योंकि वह मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह मामला फिल्म दृश्यम से मिलता-जुलता है, जिससे प्रेरित होकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने घटनास्थल के पास करीब आठ फीट गहरा गड्ढा खोदा और उसमें शव को दफनाया।

पेज 1 का शेष

यमुना में...

1 नवंबर 2024 तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। जगतपुरी, शालीमार पार्क, कृष्णा नगर, पटपड़गंज, प्रीत विहार, विश्वकर्मा पार्क, ललिता पार्क, सीलमपुर, शास्त्री पार्क, ब्रह्मपुरी, कैलाश नगर, सराय काले खां, जल विहार, लाजपत नगर, मूलचंद अस्पताल, ग्रेटर कैलाश, वसंत कुंज, देवली, अंबेडकर नगर, ओखला, कालकाजी, कालकाजी एक्सटेंशन, गोविंदपुरी, जीबी पंत पॉलिटेक्निक, श्याम नगर कॉलोनी, ओखला सब्जी मंडी, अमर कॉलोनी, दक्षिण पुरी, पंचशील पार्क, शाहपुर जाट, कोटला मुबारकपुर, सरिता विहार, सिद्धार्थ नगर, अपोलो, जी.के. उत्तर, मालवीय नगर, डियर पार्क, गीतांजलि, श्रीनिवासपुरी, जीके दक्षिण, छतरपुर, एनडीएमसी का हिस्सा और उनके आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

पीएम मोदी...

उन्होंने कहा, सबूत सुरक्षित रखें। यह तीन चरण आपकी डिजिटल सुरक्षा का रक्षक बनेंगे। मैं फिर कहूंगा डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिर्फ धोखाधड़ी है, झूठ है और फरेब है। बदमाशों का गिरोह ऐसा कर रहा है और जो लोग ऐसा कर रहे हैं वह समाज के दुश्मन हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसी राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं और आपसी तालमेल के लिए नेशनल साइबर कोआर्डिनेशन केंद्र की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा, ऐसी धोखाधड़ी करने वाली हजारों वीडियो कॉलिंग आईडी को ब्लॉक किया गया है। लाखों सिम कार्ड और बैंक अकाउंट को भी ब्लॉक किया गया है। मोदी ने कहा कि ऐसे मामलों में एजेंसियां अपना काम कर रही हैं लेकिन डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हो रहे फरेब से बचने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों सहित हर जगह इसके बारे में लोगों से जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि जो लोग इस तरह की साइबर धोखाधड़ी के शिकार हैं, उन्हें इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताना चाहिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए सेफडिजिटल इंडिया हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों से भी साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ अभियान में छात्रों को शामिल करने की अपील की। मोदी ने कहा, हम समाज के सामूहिक प्रयासों से ही इस चुनौती से लड़ सकते हैं।

बांद्रा टर्मिनस...

के मद्देनजर, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार में विभिन्न गंतव्यों के लिए 130 त्यौहार को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

350 से अधिक...

गोरखपुर एयरपोर्ट के निदेशक आरके पाराशर ने कहा कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर गहन जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फ्लाइट दोपहर 1.33 बजे गोरखपुर उतरी और 1.50 बजे दरवाजा खुला। विमान में 174 यात्री और तीन शिशु सवार थे। विमान के आगमन से पहले, हवाई अड्डे पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई, जिसमें पुलिस, भारतीय वायु सेना, बम निरोधक दस्ता, दमकल विभाग और चिकित्सा दल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी भी स्थिति को संभालने के लिए मौके पर पहुंचे। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और विमान की गहन जांच की गई, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। विमान के पूरी तरह से साफ होने के बाद, विमान ने दिल्ली के लिए अपनी यात्रा जारी रखी। विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा के बीच दो उड़ानों का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद एक सवाल के जवाब में, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने रविवार को कहा कि सरकार इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, कानून प्रवर्तन शाखाओं और खुफिया ब्यूरो से सहायता ले रही है। उन्होंने कहा, जांच जारी है। इस बीच, कुल 35 होटलों और एक मंदिर को भी बम की धमकी वाले संदेश मिले, जिनमें लखनऊ के 10 महत्वपूर्ण होटल, राजकोट के 10 होटल, कोलकाता के 10 और तिरुपति के कई होटल और एक मंदिर शामिल हैं। ये फर्जी धमकियां पिछले तीन दिनों में दी गई हैं। एक होटल को भेजे गए ईमेल में धमकी दी गई थी कि अगर 55,000 अमेरिकी डॉलर (4,624,288 रुपये) की फिरौती की मांग पूरी नहीं की गई तो विस्फोट हो जाएगा। धमकी भरे ईमेल में लिखा था, आपके होटल के परिसर में काले बैग में बम छिपाए गए हैं। मुझे 55,000 अमेरिकी डॉलर चाहिए, नहीं तो मैं विस्फोटकों को विस्फोट कर दूंगा और हर जगह खून फैल जाएगा। बमों को निष्क्रिय करने का कोई भी प्रयास उन्हें विस्फोटित कर देगा। एयरलाइनों को बम की झूठी धमकियों की पृष्ठभूमि में, आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को उचित परिश्रम दायित्वों का पालन करने और आईटी नियमों के तहत निर्धारित सख्त समयसीमा के भीतर गलत सूचनाओं तक पहुंच को तुरंत हटाने या अक्षम करने के लिए कहा है।

अमीरी में...

भिखारी औसतन 1,200 रुपये की दैनिक कमाई के साथ, लखनऊ के निवासी सामूहिक रूप से प्रति दिन 63 लाख रुपये से अधिक भीख वितरित करते हैं। एक परियोजना अधिकारी द्वारा उजागर किए गए एक मामले में एक गर्भवती महिला शामिल थी, जिसके छह बच्चे थे, उसकी कमाई गर्भावस्था के दौरान काफी बढ़ गई, जो प्रति माह 80,000-90,000 रुपये तक पहुंच गई। सर्वेक्षण के निष्कर्षों में, चारबाग जैसे क्षेत्रों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है, जहां कई भिखारियों की पहचान ड्रग एडिक्ट के रूप में की गई है। ये व्यक्ति अपने ड्रग सप्लायरों के बारे में जानकारी देने से हिचक रहे थे, जिससे क्षेत्र में संभावित ड्रग सिंडिकेट संचालन का संदेह पैदा हो गया। सर्वेक्षण ने संगठित भीख मांगने वाले सिंडिकेट के अस्तित्व को भी उजागर किया, जहां भीख मांगना व्यक्तिगत हताशा के कार्य के बजाय एक समन्वित गतिविधि प्रतीत होती है। जीने के साधन के तौर पर शुरू हुआ यह काम कई लोगों के लिए आकर्षक पेशे में बदल गया है। डूडा के परियोजना अधिकारी सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ में भिखारियों का एक छोटा प्रतिशत ही वास्तविक ज़रूरत के लिए भीख मांगता है। लगभग 10 प्रतिशत की पहचान पेशेवर भिखारियों के रूप में की गई है, जो इस उद्देश्य से हरदोई, बाराबंकी, सीतापुर और रायबरेली जैसे आस-पास के जिलों से लखनऊ आते हैं। त्रिपाठी ने बताया, 'हमारा उद्देश्य भिखारियों की पहचान, उनकी उत्पत्ति और यह जानना है कि क्या कोई समूह उन्हें भीख मांगने के लिए मजबूर कर रहा है। हम यह आकलन करना चाहते हैं कि अगर उन्हें काम के अवसर दिए जाएं तो क्या वे भीख मांगना छोड़ देंगे।' नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सर्वेक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा, अंतिम रिपोर्ट का इंतज़ार करें। यह सर्वेक्षण राज्य की राजधानी में पाँच मुख्य चौराहों पर केंद्रित है। हमारा उद्देश्य लखनऊ में भीख माँगने की प्रथा को खत्म करना है, लेकिन हम ठोस तथ्यों और आँकड़ों के बिना प्रभावी रणनीति नहीं बना सकते। हमारा उद्देश्य भीख माँगने के मूल कारणों को संबोधित करना है, यही वजह है कि यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद, हम इस समस्या से निपटने के लिए एक लक्षित रणनीति विकसित करेंगे। इस खुलासे ने अधिकारियों और नागरिकों के बीच चर्चा को बढ़ावा दिया है, जिससे शहर में भीख मांगने की गतिशीलता और अधिक केंद्रित सामाजिक कल्याण पहल की आवश्यकता के बारे में सवाल उठ रहे हैं। जबकि अधिकारी इन व्यक्तियों को सरकारी कार्यक्रमों में एकीकृत करने के लिए काम करते हैं, निष्कर्ष लखनऊ में दैनिक जीवन में अंतर्निहित एक जटिल वास्तविकता पर प्रकाश डालते हैं।

धुएं का...

कुछ यातायात कर्मियों को भेजें जो स्थिति में संधार हो सकता है। अगर त्योहारी मौसम में ऐसी स्थिति बनी रहती है, तो निश्चित रूप से यहां लोगों को आपातकाल में बाहर निकलने में मुश्किल होगी, एक यात्री ने कहा। दिल्ली पुलिस ने पायनियर को बताया कि पुलिस ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है और यातायात के साथ-साथ खरीदारों के लिए अधिक जगह बनाने के लिए अतिक्रमण भी हटा दिए गए हैं ताकि बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति से बचा जा सके। सरोजिनी नगर में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि त्योहारों से पहले सुरक्षा के मद्देनजर 30 स्थानीय पुलिसकर्मी, 24 अर्धसैनिक बल के अधिकारी और पांच मचान तैनात किए गए हैं। सड़क पर अधिक जगह उपलब्ध कराने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान भी चलाया है और बाजार में सभी पांच प्रवेश और निकास बिंदुओं पर पुलिस अधिकारी तैनात हैं। आपात सिथिति से निपटने के लिए एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी और और एम्बुलेंस भी तैनात है।

बंगाल में घुसपैठ टीएमसी सरकार की वजह से : शाह

गृहमंत्री ने बंगाल में सरकार प्रायोजित घुसपैठ के लिए ममता सरकार पर निशाना साधा

भाषा। कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सरकार प्रायोजित घुसपैठ और भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का आरोप लगाया और दावा किया कि संदेशखाली में महिलाओं पर हमले तथा आरजी कर अस्पताल में एक चिकित्सक से बलात्कार-हत्या जैसे मामले इस बात का सबूत हैं कि राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। शाह ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान की शुरुआत की और राज्य में एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा, बंगाल में जहां सुबह-सुबह रवींद्र संगीत (टैगोर के गीत) सुनाई देते थे, वहां अब हर जगह बमों की आवाजें सुनाई देती हैं। बंगाल में सरकार प्रायोजित घुसपैठ जारी है। कट मनी और संगठित गिरोह के साथ-साथ भर्ती प्रक्रिया, स्वास्थ्य क्षेत्र और राशन में भ्रष्टाचार व्याप्त है। शाह ने कहा, इससे छुटकारा पाने और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सपनों का सोनार बांग्ला (विकसित बंगाल) बनाने के लिए बंगाल के लोगों को 2026 में भाजपा की सरकार बनाने की जरूरत है। उन्होंने बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों में दो-तिहाई सीट जीतने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में यह कट-मनी संस्कृति और भ्रष्टाचार समाप्त होना चाहिए। शाह ने संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की घटनाओं का जिक्र किया। आरजी कर अस्पताल में अगस्त में एक महिला चिकित्सक से कथित तौर पर बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि ए घटनाएं पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के अभाव को

दर्शाती हैं। इस साल लोकसभा चुनावों से पहले, उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगे थे और यह बंगाल में संसदीय चुनाव में एक मुद्दा बन गया था। उन्होंने कहा, बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। 2026 में जब भाजपा सत्ता में आएगी, तो संदेशखाली और आरजी कर जैसी घटनाएं बंद हो जाएंगी। शाह ने पार्टी सदस्यों से राज्य में अपने प्रभाव को कम नहीं आंकने का आग्रह करते हुए कहा,"ममता दीदी को यह नहीं सोचना चाहिए कि हमें बंगाल में कुछ सीट मिली हैं तो हम हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बंगाल से 30 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उसे 2019 की तुलना में छह कम यानी 12 सीट पर जीत मिली। पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीट हैं। उन्होंने कहा, मत भूलिए, हम दो सीट से 370 सीट पर पहुंच चुके हैं और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने जैसे कदम उठाए हैं। 2024 में राज्यों में चुनावों में से हमने 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए हैं। हमने हरियाणा में जीत हासिल की है और हम झारखंड और महाराष्ट्र में भी जीतेंगे। भाजपा नेता शाह ने कहा, इसके बाद, 2026 में हमारा अगला बड़ा लक्ष्य बंगाल में जीत हासिल करना और दो-तिहाई बहुमत के साथ अगली सरकार बनाना है। अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव और आरजी कर की घटना के बाद शाह का यह पहला बंगाल दौरा था। आरजी कर में एक महिला चिकित्सक से कथित तौर पर बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और कहा कि यद्यपि कांग्रेस पार्टी इस साल के लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन का जश्न मना रही है, लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है।

बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने में पश्चिम बंगाल करे सहयोग : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर सीमावर्ती राज्यों को घुसपैठ की कोशिशों को विफल करने के लिए आपस में और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ समन्वय करना चाहिए। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि असम और त्रिपुरा सरकारें पहले से ही बीएसएफ के साथ मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन यह तभी एक सुनियोजित प्रयास होगा जब पश्चिम बंगाल भी घुसपैठियों की पहचान करना शुरू कर दे, क्योंकि इन दो पूर्वोत्तर राज्यों से वापस भेजे गए लोग वहां से फिर से प्रवेश कर सकते हैं। शर्मा ने कहा, पिछले दो महीनों में, लगभग हर दिन हम अपने राज्य में विदेशियों को पकड़ रहे हैं। मेरा मानना है कि सीमा के खुले होने के कारण, बीएसएफ के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, कुछ लोग अवैध रूप से भारत में आ रहे हैं। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकारों को अवैध प्रवासियों की सक्रियता से पहचान करनी होगी और असम तथा त्रिपुरा पहले से ही ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रयासों के बावजूद कुछ घुसपैठिए भारत के अन्य राज्यों में प्रवेश करने में सफल हो रहे हैं, जैसा कि कुछ अवैध प्रवासियों की गिरफ्तारी से स्पष्ट है। वे अपने देश से और अधिक लोगों को लाने के लिए बांग्लादेश वापस गए थे।

पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा का होगा शासन: मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य का मसनद (सिंहासन) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का होगा। चक्रवर्ती ने यहां पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, 2026 में मसनद हमारा होगा और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 37 दिन तक पार्टी के लिए प्रचार किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें उन परिणामों से दुख हुआ जिसमें भाजपा 2019 में पश्चिम बंगाल की 42 सीट में से 18 सीटों से घटकर 12 पर आ गई। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों से 30 नवंबर तक चलने वाले अभियान में एक करोड़ सदस्यता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अभिनेता ने कहा कि वह नवंबर में राज्य में सदस्यता अभियान में शामिल होंगे। चक्रवर्ती ने आगाह किया कि कोई भी राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा के मतदाताओं को धमकाने की कोशिश न करे। उन्होंने पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से ऐसे किसी भी प्रयास को नाकाम करने का आह्वान किया।

रतन टाटा का मानना था, नोएल को उनका उत्तराधिकारी बनने के लिए और अनुभव की जरूरत : पुस्तक

नई दिल्ली। लंबे समय तक टाटा संस की अगुवाई करने वाले दिवंगत कारोबारी रतन टाटा को लगता था कि उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को उनका उत्तराधिकारी बनने के लिए और अधिक अनुभव की आवश्यकता है। हाल ही में जारी एक किताब में यह बात कही गई। नोएल टाटा को हाल में रतन टाटा की मृत्यु के बाद टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया। यह ट्रस्ट अप्रत्यक्ष रूप से 165 अरब अमेरिकी डॉलर के टाटा समूह को नियंत्रित करता है। मार्च, 2011 में जब रतन टाटा के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए कई उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया, तो उसमें नोएल टाटा भी शामिल थे। रतन टाटा ने उत्तराधिकारी को खोजने के लिए बनी चयन समिति से दूर रहने का फैसला किया था। रतन टाटा की जीवनी - रतन टाटा ए लाइफ के अनुसार, बाद में उन्हें इस फैसले पर पछतावा हुआ। इस किताब को थॉमस मैथ्यू ने लिखा है और हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स ने प्रकाशित किया है। किताब में कहा गया कि रतन टाटा चयन समिति से इसलिए दूर रहे, क्योंकि टाटा समूह के भीतर से कई उम्मीदवार थे, और वह उन्हें यह भरोसा देना चाहते थे कि एक सामूहिक निकाय सर्वसम्मति से निर्णय के आधार पर उनमें से किसी एक की सिफारिश करेगा। चयन समिति से दूर रहने का दूसरा कारण व्यक्तिगत था, क्योंकि यह व्यापक रूप से माना जाता था कि उनके सौतेले भाई नोएल टाटा उनके उत्तराधिकारी के लिए स्वाभाविक उम्मीदवार थे। कंपनी में पारसियों और समुदाय के परंपरावादियों की ओर से दबाव के बीच नोएल टाटा को अपना माना जाता था।

शहाबुद्दीन की पत्नी, बेटे राजद में शामिल

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब रविवार को अपने बेटे ओसामा शहाब के साथ पार्टी में शामिल हो गईं। हिना ने हाल ही में बिहार के सीवान से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद व उनके बेटे तेजस्वी यादव ने उनका स्वागत किया और शहाबुद्दीन को राजद का संस्थापक सदस्य बताया। यादव ने दावा किया कि दिवंगत नेता के परिवार के सदस्यों को शामिल करने से भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ हमारी लड़ाई में मदद मिलेगी। हिना और उनके बेटे दोनो बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आधिकारिक आवास 10 सर्कुलर रोड पर राजद में शामिल हुए। इस अवसर पर लालू प्रसाद यादव और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। प्रसाद ने कहा, शहाबुद्दीन का परिवार हमेशा से राजद का हिस्सा था। वे अब और करीब आ गए है और पार्टी को और मजबूत करेंगे। यकीनन, बिहार का सबसे खूंखार गैंगस्टर से राजनेता बना शहाबुद्दीन, 2007 में एक हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने तक, अपने गढ़ सीवान में अपराजित रहा था। हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया। शहाबुद्दीन की 2021 में दिल्ली की तिहाड़ जेल में मौत हो गई, जहां वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। हिना ने कई बार राजद के टिकट पर सीवान सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने आखिरी बार 2019 में राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था और उसके बाद पार्टी के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए थे।

उद्योग जगत के संगठनों ने राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति के उल्लंघन का आरोप लगाया

नई दिल्ली। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री पीएचडीसीसीआई और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइसेज़ आई एम ई डी ने मैनुफैक्चरर्स ऑफ इमेजिंग थेरेपी एण्ड रेडियोलोजी डिवाइसेज़ एमआईटीआरए एसोसिएशन ऑफ डायग्नॉस्टिक मैनुफैक्चरर्स ऑफ इंडिया ए डी एम आई तथा मेडटेक उद्योग के हितधारकों के सहयोग से पीएचडी हाउस में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया। जहां पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एमओईएफसीसी स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डीजीएचएस तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा हाल ही में जारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। ये ज्ञापन नवीकृत एवं पहले से इस्तेमाल किए जा चुके चिकित्सा उपकरणों के आयात की अनुमति देते हैंए बावजूद इसके कि इसी तरह की डिवाइसेज़ का निर्माण भारत में किया जाता है। उद्योग जगत के लीडरों का मानना है कि यह भारत को चिकित्सा उपकरण निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने में बड़ा खतरा हैए साथ ही यह प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत् के दृष्टिकोण की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों में बाधा भी उत्पन्न करता है। यह देश की स्वदेशी निर्माण क्षमता में रूकावट उत्पन्न करता है। इसके अलावा मरीज़ों की सुरक्षा के संबंध में भी गंभीर मुद्दों की संभावना उठाई गई हैए क्योंकि हो सकता हैकि नवीकृत किए गए चिकित्सा उपकरणए नव निर्मित उपकरणों की तरह गुणवत्ता के मानकों पर खरे न उतरेंए जो मरीज़ोंकी सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का कारण हो सकता है। पहले से इस्तेमाल की जा चुकी और नवीकृत मेडिकल डिवाइसेज़ के आयात को बढ़ावा देकर यह पॉलिसी भारतीय उद्यमियों के लिए इनोवेशन और निवेश में बाधा उत्पन्न करती है तथा भारत के प्रतिस्पर्धी मेडकटेक उद्योग के विकास में रूकावट है। इस अवसर पर निराशा व्यक्त करते हुए राजीव नाथ फोरम कोऑर्डिनेटरए ए आई एम ई डी ने स्थानीय निर्माण पर इस ज्ञापन के घातक प्रभाव की बातकरते हुए कहा कि एम ओ ई एफसी सी द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन नेशनल मेडिकल डिवाइसेज़ पॉलिसी 2023 का उल्लंघन करता है जिसका लॉन्च पिछले साल प्रधानमंत्री ने किया था।

मार्केटिंग रणनीतियों के साथ अपने संचार खेल को बेहतर बनाए : अपूर्व पलनीटकर

नोएडा । दिवाली के करीब आने के साथ व्यवसाय अपने दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के तरीके खोज रहे हैं अपूर्व पलनीटकर गो डैडी इंडिया सीनियर डायरेक्टर मार्केटिंग ने कहा इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अपने दर्शकों के साथ तालमेल बनाने के लिए ईमेल मार्केटिंग आवश्यक है। यहाँ पाँच ईमेल मार्केटिंग रणनीतियाँ दी गई हैं जो इस समय आपके संचार को बेहतर बनाने में आपकी मदद कर सकती हैं। अपने त्यौहारी शुभकामनाओं को व्यक्तिगत बनाएँ। विशेष उत्सव छूट। लक्षित अभियानों के लिए अपने दर्शकों को विभाजित करें। उत्सवथीम वाले ईमेल टेम्प्लेट का उपयोग करें। तेज़ी से आगे बढ़ने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञों की मदद लें। जब ईमेल मार्केटिंग रणनीतियों को कुशलतापूर्वक लागू करने की बात आती हैए तो आपको बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञ होने की आवश्यकता नहीं है। त्यौहारी जुड़ाव के लिए तैयार हो जाएँ।इस दिवाली अपने संचार को बढ़ाने और ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने के लिए इन ईमेल मार्केटिंग रणनीतियों का लाभ उठाएँ। वैयक्तिकृत संदेशए विशेष छूट, लक्षित अभियान और त्यौहारी थीम वाले टेम्पलेटए स्वचालन के साथ मिलकर इस जीवंत मौसम का सबसे अच्छा उपयोग करने का वादा करते हैं। जब आप दिवाली की भीड़ के लिए तैयारी करते हैं, तो याद रखें कि एक अच्छी तरह से तैयार की गई ईमेल रणनीति उच्च जुड़ावए बढ़ी हुई बिक्री और एक वफादार ग्राहक आधार की ओर ले जा सकती है जो आपके ब्रांड की त्यौहारी भावना की सराहना करता है।

कार्तिक ने सा रे गा मा पा के सेट पर गिफ्ट किया गजरा

मुंबई। ज़ी टीवी के म्यूज़िकल रियलिटी शो सा रे गा मा पा ने अपने नए सीजन की धमाकेदार शुरुआत कर दी है और इसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। सचिन.जिगरए सचेत.परंपराए और गुरु रंधावा जैसे बेहतरीन मेंटर्स के साथए और होस्ट्स विपुल रॉय और सलमान अली की मस्ती से भरे अंदाज़ मेंए ये मंच हर हफ्ते यादगार परफॉर्मेंस के लिए तैयार रहता है। शो का नया सीज़न दर्शकों के बीच पहले ही चर्चा का विषय बना हुआ है और हर एपिसोड के साथ इसका उत्साह बढ़ता जा रहा है। आने वाले वीकेंड के एपिसोड में एक बेहद प्यारा पल देखने को मिलेगा, जब बॉलीवुड के मोनोलॉग किंग कार्तिक आर्यनए कंटेस्टेंट पार्वती को एक खूबसूरत श्गजराश् गिफ्ट करते नजर आएंगे। कार्तिक ने न सिर्फउन्हें यह शानदार फूलों का गजरा भेंट कियाए बल्कि अपने हाथों से बड़े प्यार से उसे पार्वती के बालों में सजाया। कार्तिक ने इस खूबसूरत लम्हे के बारे में बताते हुए कहाए ष्ये आइडिया मुझे रास्ते में आयाए जब विद्या मैम ने कहा कि उन्हें गजरा चाहिए। मैंने देखा है कि आप हमेशा गजरा पहनती हैंए तो मैंने खास तौर पर आपके लिए ये गजरा लाया। मैंने इसे प्रोफेशनल तरीके से सेट किया है और ये पहली बार है जब मैंने किसी के बालों में गजरा सजाया है! कार्तिक की इस प्यारी.सी पहल ने न सिर्फ पार्वती का दिल जीत लिया बल्कि सेट पर मौजूद सभी को सरप्राइज़ कर दिया।

पंजाब में जगह की कमी नहीं : केंद्र ने धान भंडारण की चिंताओं को खारिज किया

नई दिल्ली। केंद्र ने रविवार को उन खबरों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि पंजाब में भंडारण जगह की कमी के कारण धान खरीद प्रभावित हो रही है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को भरोसा दिया कि पर्याप्त भंडारण स्थान बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने भंडारण जगह की कमी संबंधी खबरों को खारिज करते हुए इसे निहित स्वार्थों के कारण फैलाई गई गलत सूचना करार दिया। जोशी ने खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की चेयरमैन वनिता रतन शर्मा के साथ मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, कुछ अफवाहे फैलाई जा रही है। मै स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जगह बनाना हमारी जिम्मेदारी है। हम इसका ध्यान रखेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य मे इस समय 14 लाख टन भंडारण क्षमता है, जो एक नवंबर तक बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगी। निजी उद्यमी गारंटी (पीईजी) योजना के तहत अतिरिक्त 31 लाख टन क्षमता विकसित की जा रही है।

क्रिकेटर ईशान किशन के पिता प्रणव पांडे जद(यू) में शामिल

पटना। क्रिकेटर ईशान किशन के पिता प्रणव कुमार पांडे रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए। जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और पार्टी की प्रदेश इकाई के प्रमुख उमेश सिंह कुशवाहा समेत कई शीर्ष नेताओ की मौजूदगी मे यहां एक समारोह में पांडे को पार्टी मे शामिल किया गया। पार्टी मे शामिल होने के बाद पांडे ने कहा, एक बार फिर पार्टी में वापस आकर मुझे खुशी महसूस हो रही है। हमारे नेता नीतीश कुमार हमेशा मेरे लिए प्रेरणास्रोत रहे है। अब मै अपने वरिष्ठो के निर्देशन मे कड़ी मेहनत करूंगा और पार्टी को मजबूत करूंगा। इस अवसर पर झा ने कहा, पांडे कभी पार्टी से दूर नही हुए। उन्होंने सिर्फ अपने बेटे को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनाने के लिए ब्रेक लिया था।

भाजपा ने विजयपुरा के किसानों से मिलने के लिए समिति बनाई

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक के विजयपुरा जिले के एक गांव में वक्फ बोर्ड द्वारा कथित तौर पर जमीन खाली करने का नोटिस दिए जाने से प्रभावित किसानों का हाल जानने और उनकी पीड़ा सुनने के लिए पांच सदस्ईय टीम गठित की है। टीम में सांसद गोविंद करजोल, विधायक हरीश पूंजा और महेश तेंगिंकई, पूर्व एमएलसी अरुण शाहपुर और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महासचिव कलमरुद्रप्पा शामिल है। हालांकि, टीम में विजयपुरा के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को शामिल नहीं किया गया है।

वीबाज़ार के स्टोर का जोरदार स्वागत

शाहजहांपुर। वैल्यू फैशन सेगमेंट में पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन वी.बाज़ार ने शाहजहांपुर में अपने नए स्टोर के लॉन्च की घोषणा की। वी.बाज़ार् एक संपूर्ण पारिवारिक फैशन स्टोर है जो निर्माताओं और ग्राहकों के बीच बिचौलियों को खत्म करके हर वर्ग के लोगों के लिए उचित मूल्य पर ट्रेंडी और फैशनेबल सामान लाता है। नया स्टोर कच्चा कटरा 25, रोड 6, शाहजहांपुरए उत्तर प्रदेशए में स्थित है। यह स्टोर 8000 वर्गफीट में फैला हुआ है। लॉन्च की घोषणा करते हुए वी.बाज़ार के सीएमडी हेमंत अग्रवाल ने कहा कि शाहजहांपुरए उत्तर प्रदेश में अपना स्टोर खोलना हमारे लिए बहुत खुशी और गर्व का क्षण है। हमारा प्रयास अपने ग्राहकों को बेहतर मालए सेवा और समग्र अंतरराष्ट्रीय खरीदारी अनुभव प्रदान करना है। शाहजहांपुर में यह नया स्टोर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सैनिकों की वापसी पहला कदम, तनाव कम करना अगला कदम : जयशंकर

भाषा। मुंबई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में सैनिकों का पीछे हटना पहला कदम है, और उम्मीद है कि भारत 2020 की गश्त की स्थिति में वापस आ जाएगा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से चीन का जिक्र करते हुए कहा कि अगला कदम तनाव कम करना है, जो तब तक नहीं होगा जब तक भारत को यकीन नहीं हो जाता कि दूसरी तरफ भी यही हो रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत ने घोषणा की कि उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने को लेकर चीन के साथ समझौता कर लिया है। चार साल से

अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में यह एक बड़ी सफलता है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि देपसांग और डेमचोक में गश्त करने और पीछे हटने पर आम सहमति बन गई है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि इसे लागू करने में समय लगेगा। यह पीछे हटने और गश्त का मुद्दा है, जिसका मतलब है कि हमारी सेनाएं एक-दूसरे के बहुत करीब आ गई थीं और अब वे अपने ठिकानों पर वापस चली गई हैं। हमें उम्मीद है कि 2020 वाली स्थिति बहाल हो जाएगी। विदेश मंत्री ने कहा कि सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करना पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है, जो तब तक नहीं होगा जब तक भारत को यकीन न हो जाए कि दूसरी तरफ भी यही हो रहा है। उन्होंने कहा, तनाव कम होने के बाद सीमाओं का प्रबंधन कैसे किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी।

मुंबई पर हुए 26-11 हमले के बाद भारत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी

मुंबई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 26-11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी, लेकिन यदि ऐसी घटना दोबारा हुई तो अब ऐसा नहीं होगा। जयशंकर ने यहां संवाददाताओ से कहा, मुंबई मे जो हुआ, उसकी पुनरावृत्ति नही होनी चाहिए कि यहां आतंकवादी हमला हुआ और कोई प्रतिक्रिया नही हुई। उन्होने कहा, मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-विरोध का प्रतीक है। जयशंकर ने कहा कि जब भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य था, तब वह आतंकवाद-निरोधक समिति की अध्यक्षता कर रहा था। उन्होने कहा, हमने आतंकवाद-निरोधक समिति की बैठक उसी होटल में की थी, जिस पर आतंकी हमला हुआ था। जयशंकर ने कहा, लोग जानते है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम आज आतंकवाद से लड़ने मे अग्रणी हैं। उन्होने कहा, जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नही करने की बात करते है, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। यह स्वीकार्य नही है कि आप दिन मे सौदेबाजी कर रहे हो और रात मे आतंक मे लिप्त हो और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। अब भारत इसे स्वीकार नही करेगा। यही बदलाव है। जयशंकर ने कहा, हम आतंकवाद को उजागर करेंगे और जहां हमें कार्वाई करनी होगी, हम कार्वाई भी करेंगे। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख मे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त फिर से शुरू करेंगे,।

मनरेगा मांग आधारित योजना, पंजीकरण लक्ष्य तय करना संभव नही : सरकार

भाषा। नई दिल्ली

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने रविवार को उन रिपोर्ट को खारिज कर दिया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत पंजीकरण घट रहा है। मंत्रालय ने कहा कि मांग आधारित इस योजना में कुल पंजीकरण के लिए लक्ष्य तय करना संभव नहीं है, क्योंकि वित्तीय वर्ष अभी जारी है। मनरेगा के कार्यान्वयन पर लिबटेक इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में इस योजना के तहत सक्रिय श्रमिकों की संख्या में आठ प्रतिशत की गिरावट आई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुल 39 लाख श्रमिकों को हटाया गया है, जिससे गलत तरीके से हटाए जाने के संबंध में चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस योजना के तहत 84.8 लाख श्रमिकों के नाम हटा दिए गए, जबकि केवल 45.4 लाख श्रमिकों के नाम जोड़े गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चूंकि, मनरेगा एक मांग आधारित योजना है और वर्तमान वित्तीय वर्ष अभी चल रहा है, इसलिए मानव दिवस सृजन का सटीक लक्ष्य तय करना संभव नहीं है। हालांकि, राज्याकेंद्र-शासित प्रदेश स्थानीय जरूरतों के अनुसार श्रम बजट संशोधन के लिए प्रस्ताव भेज सकते हैं। इसमें कहा गया है, यह ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 से लेकर वित्तीय वर्ष 2013-14 तक कुल 1660 करोड़ मानव दिवस सृजित (कार्यक्रम के तहत पंजीकृत व्यक्ति द्वारा एक वित्तीय वर्ष में पूरे किए गए कार्य दिवसों की कुल संख्या) किए गए थे, जबकि वित्तीय वर्ष 2014-15 से लेकर मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 2923 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए हैं। लिबटेक की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस योजना के तहत रोजगार के अवसरों में पिछले वर्ष की तुलना में काफी गिरावट आई है, जो 184 करोड़ से घटकर 154 करोड़ मानव दिवस रह गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि सभी श्रमिकों में से 27.4 प्रतिशत या 6.7 करोड़ लोग आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के माध्यम से वेतन प्राप्त करने के लिए अपात्र हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और आधार से जुड़े बैंक खाते में भुगतान के संबंध में मंत्रालय ने कहा कि एबीपीएस एक प्रमुख सुधार प्रक्रिया है, जिसके तहत मनरेगा के श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खातों में किया जाता है।

आजादी में योगदान देने वाले महापुरुष अतीत में खोते नहीं : मोदी

भविष्य का रास्ता दिखाते हैः पीएम

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा और सरदार पटेल की 150वीं जयंती के वर्ष को जीवंत बनाने के लिए देशवासियों से सहभागिता का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि आजादी के आंदोलन में योगदान देने वाले महापुरुष अतीत में खो नहीं जाते हैं, बल्कि उनका जीवन वर्तमान को भविष्य का रास्ता दिखाता है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 150वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए झारखंड विधानसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनकी जन्मस्थली उलिहातू की यात्रा उनके जीवन के खास पलों में एक थी, जिसका उनपर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा।उन्होंने कहा, अगर आप मुझसे पूछें कि मेरे जीवन के सबसे यादगार पल क्या रहे तो कितने ही वाकए याद आते हैं। लेकिन, इनमें भी एक पल

ऐसा है जो बहुत खास है। वो पल था जब पिछले साल 15 नवंबर को मैं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनकी जन्मस्थली झारखंड के उलिहातू गांव गया था। उन्होंने कहा, इस यात्रा का मुझ पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने याद दिलाया कि वह देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें इस पवित्र भूमि की मिट्टी को अपने मस्तक से लगाने का सौभाग्य मिला।उन्होंने कहा, उस क्षण, मुझे न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम की शक्ति महसूस हुई, बल्कि इस धरती की शक्ति से जुड़ने का भी अवसर मिला। मुझे यह एहसास हुआ कि कैसे एक संकल्प को पूरा करने का साहस देश के करोड़ों लोगों का भाग्य बदल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हर युग में कुछ चुनौतियां आईं और हर युग में ऐसे असाधारण भारतवासी जन्मे, जिन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया।इस क्रम में बिरसा मुंडा और सरदार पटेल का उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दोनों स्वतंत्रता सेनानियों की 150वीं जयंती को मनाने का निश्चय किया है। सरदार पटेल की जयंती का वर्ष 31 अक्टूबर से और इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा का जयंती वर्ष 15 नवम्बर से शुरू होगा।प्रधानमंत्री ने कहा, इन दोनों महापुरुषों ने अलग-अलग चुनौतियां देखीं, लेकिन दोनों की दृष्टि एक थी- देश की एकता। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बीते वर्षों में ऐसे महान नायक-नायिकाओं की जयंतियों को नई ऊर्जा से मनाकर, नई पीढ़ी को नई प्रेरणा दी है।

झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 31 अक्तूबर को दिवाली के कारण इस वर्ष सरदार पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी यानी एकता के लिए दौड़ कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्तूबर को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में लोगों से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने

द्रमुक की परंपरा के विपरीत उदयनिधि ने दी दीपावली की बधाई, भाजपा ने ली चुटकी

भाषा। चेन्नई

द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की परंपरा के विपरीत पार्टी नेता और तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आस्थावानों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं, जिस पर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुटकी ली। भाजपा दीपावली और विनायक चतुर्थी समेत हिंदू त्योहारों की बधाई नहीं देने के लिए द्रमुक को निशाना बनाती रही है। द्रमुक के दिवंगत अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम क-रुणानिधि समेत पार्टी के विभिन्न नेताओं ने अपनी तर्कवादी विचारधारा की वजह से कभी लोगों को दीपावली की बधाई नहीं दी। हालांकि, शनिवार को पार्टी की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में अपने समर्थकों का अभिवादन करते हुए

उदयनिधि ने लोगों को दीपावली की बधाई भी दी, जिससे कई लोग हैरान रह गए। उन्होंने कहा, मैं हमारी (द्रमुक) प्लेटिनम जुबली की बधाई देता हूं। आस्थावानों और दीपावली मनाने वालों को इस पर्व की बधाई। उत्तर में दीपावली भगवान राम के वनवास से अयोध्या लौटने का प्रतीक है, जबकि दक्षिण में यह त्योहार भगवान कृष्ण और उनकी पत्नी सत्यभामा की राक्षस राजा नरकासुर पर विजय का प्रतीक है। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के नेता नारायणन तिरुपति ने उदयनिधि पर कटाक्ष किया। उन्होंने एक्स पर इशारों ही इशारों में उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों का उल्लेख किया और कहा, जो लोग आस्थावान नहीं हैं, उन्हें नरकासुर की तरह जीने के लिए बधाई। इसके अलावा, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि पर परोक्ष हमला करते हुए उदयनिधि ने कहा कि उन्हें द्रविड़म शब्द से ही एलर्जी है और उन्हें लगता है कि इसका नाम न लेकर इसे खत्म किया जा सकता है। उदयनिधि ने दावा किया कि राज्यपाल को तमिलनाडु नाम से भी दिक्कत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, द्रविड़म को कोई छू भी नहीं सकता। तमिलनाडु तमिलनाडु ही रहेगा। जब तक हमारा काला और लाल (द्रमुक का) झंडा और द्रमुक कार्यकर्ता हैं, तब तक कोई तमिलनाडु और द्रविड़म को छू भी नहीं सकता।

कर्नाटक के गांव में गजट में त्रुटि के कारण किसानों की जमीन को लेकर असमंजस की स्थितिः मंत्री पाटिल

भाषा। विजयपुरा (कर्नाटक)

कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने रविवार को कहा कि पुरानी गजट अधिसूचना में त्रुटि के कारण वक्फ अधिनियम के तहत विजयपुरा जिले के होनवाड़ा गांव के लोगों को उनकी पुश्तैनी जमीन खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक वक्फ बोर्ड गांव के किसानों की ।,200 एकड़ जमीन पर अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, 1974 में गजट अधिसूचना में इसे गलती से होनवाड़ा गांव लिख दिया गया था। वहां की जमीन मूल रूप से महल बाग सर्वेक्षण संख्या का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 1977 में वक्फ बोर्ड ने अपने दस्तावेजों में सुधार किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि केवल 10 श्मशान एकड़ भूमि ही उसकी है। मंत्री ने कहा, शेष ।,200 एकड़ भूमि (जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह वक्फ बोर्ड की है) किसानों की है। इसलिए, किसानों की एक भी इंच भूमि वक्फ बोर्ड की संपत्ति नहीं है। पाटिल ने कहा कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए जिला, राजस्व विभाग और वक्फ बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि 10 एकड़ श्मशान भूमि से जुड़ा मामला भी न्यायालय में विचाराधीन है और लोगों को इसके नतीजे का इंतजार करना चाहिए। पाटिल ने दावा किया कि श्मशान भूमि भी पंचायत की संपत्ति है। होनवाड़ा के ग्रामीण उस समय भड़क गए, जब उन्हें नोटिस मिला कि उनकी सारी जमीन वक्फ बोर्ड की है।

गाजा पर इजराइल के हमलों में 22 की मौत

तेल अवीव में ट्रक ने दर्जनों लोगों को रौंदा

भाषा। रमत हशारोन

उत्तरी गाजा पर इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजराइल ने लगातार तीसरे सप्ताह हमला जारी रखते हुए उत्तरी गाजा को निशाना बनाया। वहीं, सहायता समूहों ने इसे मानवीय आपदा करार दिया।इजराइल ने कहा कि उसने आतंकवादियों को निशाना बनाया। वहीं, दूसरी घटना में इजराइल के तेल अवीव शहर के पास एक ट्रक ने बस अड्डे पर खड़े दर्जनों लोगों को रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस घटना में 35 लोग घायल हो गए।इजराइली पुलिस ने इसे हमला करार दिया और कहा कि हमलावर इजराइल में रहने वाला एक अरब नागरिक था।यह हमला इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय के पास हुआ।इस बीच, ईरान के शीर्ष नेता ने कहा कि सप्ताहांत में इजराइल द्वारा देश पर किए गए हमलों को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जाना चाहिए और न ही कम करके आंका जाना चाहिए।हालांकि, उन्होंने जवाबी कार्वाई से परहेज किया और कहा कि ईरान इस हमले पर अपनी जवाबी कार्वाई को लेकर सावधानीपूर्वक विचार कर रहा है। इजराइली लड़ाकू विमानों ने इस महीने की शुरुआत में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में शनिवार को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।इजराइली सेना ने रविवार को बताया कि दक्षिणी लेबनान में जारी संघर्ष में एक सैन्य रब्बी सहित चार सैनिक मारे गए। हालांकि, उसने हालात के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।सेना के मुताबिक, पांच अन्य जावन गंभीर रूप से घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि लेबनान से रविवार को इजराइल पर ड्रोन हमला किया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि सेना द्वारा किए गए हमलों से ईरान को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा और उनकी सेना ने सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वकनिशाना बनाया।नेतन्याहू ने हमलों पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा, वायु सेना ने पूरे ईरान पर हमला किया। हमने ईरान की रक्षा क्षमताओं और उन निर्माण इकाइयों को निशाना बनाया, जहां हम पर हमले के लिए मिसाइलें तैयार की जा रही हैं। इजराइल में ट्रक से हुए हमले में दर्जनों लोग घायल हुए।

इजराइल में मोसाद मुख्यालय के पास बस स्टॉप पर ट्रक हमले में 35 लोग घायल

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइली शहर तेल अवीव के पास बस स्टॉप में टक्कर मार दी जिससे 35 लोग घायल हो गए जिनमें से छह की हालत गंभीर है। घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचने वालों ने यह जानकारी दी। इजराइली पुलिस ने इसे एक हमला बताया और कहा कि हमलावर इजराइल का अरब नागरिक है। यह टक्कर इजराइल की मोसाद खुफिया एजेंसी के मुख्यालय के पास हुई। तेल अवीव के उत्तर-पूर्व में रमत हशारोन शहर में, जब इजराइली एक सप्ताह की छुट्टी के बाद काम पर लौट रहे थे तो ट्रक एक स्टॉप पर एक बस से टकरा गया, जिससे कुछ लोग वाहनों के नीचे फंस गए। मोसाद के मुख्यालय और एक सैन्य अड्डे के पास होने के अलावा, बस स्टॉप एक केंद्रीय राजमार्ग जंक्शन के भी करीब है। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि घायलों में से छह की हालत गंभीर है। इजराइली पुलिस के प्रवक्ता एरआई अहरोनी ने संवाददाताओं से कहा कि हमलावर को निष्प्रभावी कर दिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि हमलावर को मार गया है या नहीं।

इजराइल के प्रधानमंत्री के संबोधन को प्रदर्शनकारियों ने किया बाधित, शर्म करो के नारे लगाए

रमत हशारो (इजराइल)। दक्षिणी इजराइल पर हमास के हमले के पीड़ितों की याद में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के संबोधन को प्रदर्शनकारियों ने बाधित किया। प्रदर्शनकारियों ने शर्म करो के नारे लगाए और हंगामा किया, जिससे नेतन्याहू को अपना भाषण शुरू होने के कुछ ही समय बाद रोकना पड़ा। इस प्रमुख स्मृति कार्यक्रम का पूरे देश में सीधा प्रसारण किया जा रहा है। कई इजराइलियों का मानना है कि नेतन्याहू की विफलताओं के परिणामस्वरूप ही हमास सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला कर पाया था। साथ ही ए लोग गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए शेष बंधकों को अब तक नहीं छुड़ाने के लिए भी नेतन्याहू को जिम्मेदार मानते हैं।

हैरिस और वाल्ज इस हफ्ते प्रमुख राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान थमने से पहले कमला हैरिस और टिम वॉल्ज अगले कुछ दिनों में सात प्रमुख राज्यों का दौरा कर मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट डालने की अपील करेंगे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए, डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस रविवार सुबह फिलाडेल्फिया जाएंगी, जहां वह एक चर्च की प्रार्थना सभा में शामिल होंगी। उनकी प्यूर्टो रिको के एक रेस्तरां, नाई की एक दुकान और एक बास्केटबॉल क्लब का दौरा करने की भी योजना है। सोमवार को वॉल्ज विस्कॉन्सिन के मैनिटोवॉक और वौकेशा में प्रचार करेंगे, जिसके बाद वह मिशिगन के एन आर्बर रवाना होंगे, जहां उनका हैरिस के साथ एक संयुक्त रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम है। मंगलवार को हैरिस वाशिंगटन में होंगी, जहां वह नेशनल मॉल के बगल में स्थित एलिप्स से अपने चुनाव प्रचार अभियान का अंतिम भाषण देंगी। यह वही जगह है, जहां से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने छह जनवरी, 2021 को अपने समर्थकों से कैपिटल हिल (अमेरिका का संसद परिसर) की ओर कूच करने का आह्वान किया था। वहीं, वॉल्ज के मंगलवार को जॉर्जिया के सवाना और कोलंबस में चुनाव प्रचार करने का कार्यक्रम है। बुधवार को हैरिस के नॉर्थ कैरोलाइना, पेनसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन का दौरा करने की योजना है। उनकी विस्कॉन्सिन रैली में ममफोर्ड एंड सन्स और कई अन्य बैंड प्रस्तुति दे सकते हैं। वहीं, वॉल्ज बुधवार को नॉर्थ कैरोलाइना के शैरलट और ऐशविले में प्रचार करेंगे। बृहस्पतिवार को हैरिस नेवादा के रेनो और लास वेगास तथा एरिजोना के फीनिक्स में रैली करेंगी। उनकी लास वेगास रैली में मशहूर बैंड माना और फीनिक्स रैली में लॉस टाइग्रेस डेल नॉर्ट प्रस्तुति देगा। वॉल्ज बृहस्पतिवार को पेनसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग और एरी तथा मिशिगन के डेट्रॉयट में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे।

बांग्लादेशः कथित नरसंहार को लेकर पूर्व सेनाध्यक्ष,10 पूर्व मंत्रियों, हसीना के सलाहकारों को तलब किया गया

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने देश में जुलाई-अगस्त में विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ कथित अपराधों और नरसंहार के सिलसिले में रविवार को पूर्व सेनाध्यक्ष जियाउल अहसान, 10 पूर्व मंत्रियों और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दो सलाहकारों सहित 20 व्यक्तियों को अगले महीने तलब किया है। देश की अंतरिम सरकार के अनुसार, विद्रोह के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों घायल हुए, जिसे आईसीटी अभियोजन टीम और अंतरिम सरकार ने मानवता के खिलाफ अपराध एवं नरसंहार करार दिया। हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अब तक आईसीटी की जांच एजेंसी और अभियोजन टीम के समक्ष मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार की 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, आईसीटी ने संबंधित अधिकारियों को 18 नवंबर को 10 पूर्व मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के दो सलाहकारों सहित 20 लोगों को अपने समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम के एक आवेदन के बाद न्यायमूर्ति एमडी गोलाम मुर्तुजा मजूमदार के नेतृत्व में तीन सदस्ईय आईसीटी पीठ द्वारा जारी किया गया। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, आरोपियों की सूची में पूर्व मंत्री फारूक खान, राशिद खान मेनन, हसनुल हक इनु, जुनैद अहमद पलक, अब्दुर रज्जाक, शाहजहां खान, कमाल अहमद मजूमदार और गोलाम दस्तगीर गाजी शामिल हैं।

फिलीपीन में भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 126 लोगों की मौत

तालिसे (फिलीपीन)। फिलीपीन में उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई लोग लापता हो गए हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति ने शनिवार को बताया कि प्राकृतिक आपदा के कारण कई क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है जिसके कारण लोग वहां फंस गए हैं। सरकार की आपदा-प्रतिक्रिया एजेंसी ने पहले बताया था कि शुक्रवार को फिलीपीन के उत्तर-पश्चिमी दिशा की ओर से आए ट्रामी तूफान के कारण कम से कम 85 लोगों की मौत हो गई जबकि 41 अन्य लोग लापता हुए हैं। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई द्वीपसमूह में इस साल का अब तक का सबसे घातक और विनाशकारी तूफान है। अधिकारियों ने बताया कि तूफान के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 126 हो गई है और कई अन्य लोग लापता हैं। एजेंसी ने बताया कि तूफान के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण मृतक संख्या और बढ़ने की आशंका है। फिलीपीन के प्रभावित इलाकों में पुलिस, अग्निशमन और अन्य आपातकालीन कर्मी राहत एवं बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने तूफान ट्रामी के कारण मनीला के दक्षिण-पूर्व में बुरी तरह प्रभावित हुए क्षेत्र का शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि तूफान के कारण असामान्य रूप से भारी बारिश हुई और कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां मात्र 24 घंटों में इतनी बारिश हो गई जो एक से दो महीने में होती है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी से जुड़ी घटनाओं में 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

इंडोनेशिया के माउंट मारापी में ज्वालामुखी विस्फोट, दूर तक फैला लावा

पडांग (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में रविवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के अगम जिले में स्थित माउंट मारापी में होने वाले विस्फोटों का पूर्वानुमान लगाना कठिन है, क्योंकि वे मैग्मा की गहरी हलचल के कारण नहीं, बल्कि भूगर्भीय झटकों के कारण होते हैं। मारापी निगरानी चौकी पर इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भूगर्भीय खतरा शमन केंद्र के अधिकारी अहमद रिफांदी ने बताया कि इससे निकला गर्म लावा कई मील तक फैल गया। विस्फोट से 2,000 मीटर की ऊंचाई तक राख के गुबार उठे। रिफांदी ने कहा कि लगभग 2,900 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी जनवरी से अब तक चार अलर्ट स्तरों में से दूसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। पर्वतारोहियों और ग्रामीणों को ज्वालामुखी के मुहाने से तीन किमी के भीतर जाने पर रोक लगा दी गई है। दिसंबर 2023 में मारापी पर्वत में अचानक विस्फोट हुआ, जिसमें 24 पर्वतारोहियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तब से पर्वत के चढ़ाई के दो मार्ग बंद कर दिए गए हैं। इससे पांच महीने पहले मॉनसून की बारिश के दौरान माउंट मारापी से मिट्टी और ठंडे लावा के निकलने से नदियों में बाढ़ आ गई।

इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश कर रहे प्रवासी व्यक्ति की नौका दुर्घटना में मौत

पेरिस। भारत के एक नागरिक (40) की रविवार सुबह उत्तरी फ्रांस मे नौका दुर्घटना मे मौत हो गई। भारतीय नागरिक अन्य प्रवासियों के साथ नौका पर इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश कर रहा था लेकिन इस दौरान नौका की हवा निकल गई। फ्रांस के अधिकारियों ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान मे कहा गया कि साल 2018 से छोटी नौकाओं पर जलक्षेत्र पार करने की घटनाएं बढ़ी है जो प्रवासियों के लिए घातक साबित हो रही है। रविवार को एक व्यक्ति की मौत के साथ इस साल अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 56 हो गई है। स्थानीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे प्रवासियों का एक समूह कैलाइस से लगभग 15 मील (25 किलोमीटर) पश्चिम में टार्डिंगन शहर से अपनी छोटी नौका मे रवाना हुआ। बयान मे कहा गया कि नौका की स्थिति बेहद खराब दिख रही थी और रवाना होने के बाद इसकी हवा निकल गई। प्रवासी ... तैरते हुए समुद्र तट पहुंचे लेकिन सभी के पास लाइफ जैकेट नही थी। बयान में कहा गया कि भारतीय व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा। पुलिस ने उसे प्राथमिक उपचार दिया लेकिन उसे होश में नही लाया जा सका। जांच शुरू कर दी गई है।

ओली ने एआई के सकारात्मक उपयोग की जरूरत पर जोर दिया

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रविवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सकारात्मक उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया, लेकिन कहा कि इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूकता और कानूनी उपायों को ध्यान मे रखा जाना चाहिए।यहां यूथ फेडरेशन द्वारा एआई पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मे विशेषज्ञों के साथ बातचीत में ओली ने युवाओ से आगे आने और डिजिटल नेपाल के निर्माण के लिए एआई क्षेत्र मे योगदान देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, हमें एआई का सकारात्मक उपयोग करने की जरूरत है। एआई के दुरुपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जागरूकता और कानूनी उपायों को ध्यान मे रखना होगा। उन्होने कहा कि सरकार नेपाल को एआई शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए एआई क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रही है और कहा कि एआई से संबंधित नीतियो और योजनाओ को पेश करने की तैयारी जारी है।

अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 12 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने समुद्र में अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप मे भारत के 12 मछुआरो को गिरफ्तार किया है और उनकी नौका भी जब्त कर ली है। एक अधिकारिक बयान मे यह जानकारी दी गई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 12 और लोगों को गिरफ्तार किए जाने से द्वीपीय देश में इस साल ऐसी घटनाओ मे पकड़े गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर 462 हो गई है।श्रीलंका नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरो को गिरफ्तार कर लिया गया और उत्तरी प्रांत जाफना के प्वाइंट पेड्रो तट से उनकी नौका भी जब्त की गई है। इसमें बताया गया कि पकड़े गए 12 मछुआरो को कांकेसंथुराई बंदरगाह ले जाया गया और आगे की कार्वाई के लिए उन्हें मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान मे कहा गया कि श्रीलंकाई नौसेना ने 2024 में अब तक द्वीप के समुद्री क्षेत्र में अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 462 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी 62 नौकाओं को जब्त किया है। इसमें कहा गया है कि कानूनी कार्वाई के लिए मछुआरो को अधिकारियों को सौंप दिया गया है। श्रीलंका के मत्स्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों पड़ोसियो के बीच बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्या (मछुआरो द्वारा मछली पकड़ना) पर चर्चा करने के लिए 12 सदस्ईय भारतीय दल मंगलवार को यहां पहुंचेगा।

ईरान पर हमले से सभी लक्ष्य हासिल हो गए हैं : नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि इजराइल के हमलों से ईरान को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है और इस हमले से उसके सभी लक्ष्य हासिल हो गए हैं। इस महीने की शुरुआत में इजराइल पर हुए ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में एक दिन पहले इजराइल के लड़ाकू विमानों ने ईरान में कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया था।

ईरानी सैन्य ठिकानों के नुकसान की पुष्टि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से हुई

दुबई। ईरान की राजधानी के दक्षिण-पूर्व में स्थित उस गुप्त सैन्य अड्डे पर इजराइल के हमले से काफी नुकसान पहुंचा है, जिसे अतीत में विशेषज्ञों ने तेहरान के तत्कालीन परमाणु हथियार कार्यक्रम से संबद्ध बताया था। इस हमले में एक अन्य सैन्य अड्डे को नुकसान पहुंचा, जो ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़ा था। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों का रविवार को विश्लेषण किया, जिससे पता चलता है कि क्षतिग्रस्त हुई कुछ इमारतें ईरान के पारचिन सैन्य अड्डे में स्थित थीं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को संदेह है कि ईरान ने पूर्व में वहां परमाणु हथियार से संबद्ध विस्फोटकों का परीक्षण किया था। ईरान लंबे समय से इस बात पर जोर देता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और अन्य का कहना है कि तेहरान 2003 तक हथियार कार्यक्रम सक्रिय रूप से संचालित कर रहा था। अन्य क्षति निकटवर्ती खोजिर सैन्य अड्डे पर देखी जा सकती है, जिसके बारे में विश्लेषकों का मानना है कि वहां भूमिगत सुरंग प्रणाली और मिसाइल निर्माण स्थल है। ईरान की सेना ने शनिवार सुबह इजराइल के हमले से खोजिर या पारचिन में हुए नुकसान की पुष्टि नहीं की है।

इजराइल के हमले को न तो बढ़ा-चढ़ाकर और न ही कम करके बताया जाना चाहिए : ईरान के सर्वोच्च नेता

दीर अल-बला (गाजा पट्टी)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को कहा कि इस सप्ताहांत ईरान पर हुए इजराइल के हमले को न तो बढ़ा-चढ़ाकर और न ही कम करके बताया जाना चाहिए। बहरहाल खामेनेई ने इस हमले के बाद जवाबी कार्वाई का आह्वान करने से परहेज किया। खामेनेई की ए टिप्पणियां संकेत देती है कि ईरान इस हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहा है। ईरान की सेना पहले ही कह चुकी है कि गाजा पट्टी या लेबनान में संघर्ष विराम इजराइल पर किसी भी जवाबी हमले से बेहतर है लेकिन ईरानी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि उनके पास जवाब देने का अधिकार है।खामेनेई ने कहा, इजराइली शासन द्वारा दो रात पहले किए गए दुष्कृत्यों को न तो बढ़ा-चढ़ाकर और न ही कम करके पेश किया जाना चाहिए।

पूर्वी-मध्य सूडान में कुख्यात अर्द्धसैनिक बल के लड़ाकों ने 120 लोगों की हत्या की

काहिरा। सूडान के पूर्वी मध्य क्षेत्र में कुख्यात अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के लड़ाकों ने कई दिनों तक उत्पात मचाया, जिसमें एक कस्बे में 120 से अधिक लोग मारे गए। चिकित्सकों के एक समूह और संयुक्त राष्ट्र ने इसकी जानकारी दी। सूडान की सेना के खिलाफ आरएसएफ का यह नवीनतम हमला था, जो क्षेत्र में सेना से लगातार कई असफलताओं का सामना करने के बाद हुआ था। डेढ़ साल से अधिक समय से जारी इस युद्ध ने इस अफ्रीकी देश को तबाह कर दिया है, इसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा विस्थापित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को एक बयान में कहा कि आरएसएफ के लड़ाकों ने 20-25 अक्टूबर को गेजिरा प्रांत के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों के गांवों और कस्बों में उत्पात मचाया, नागरिकों पर गोलीबारी की और महिलाओं एवं लड़कियों के यौन उत्पीड़न किए। उन्होंने बाजारों सहित निजी और सार्वजनिक संपत्तियों में भी लूटपाट की। सूडान में संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता समन्वयक क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने शनिवार को एक बयान में कहा, ए जघन्य अपराध हैं। उन्होंने कहा, महिलाएं और बच्चे उस संघर्ष का खामियाजा भुगत रहे हैं जिसने पहले ही बहुत से लोगों की जान ले ली है। हमले 2000 के दशक के आरंभ में दारफुर नरसंहार के दौरान हुई भयावह घटनाओं से मिलते-जुलते हैं,।

इजराइल के ईरान पर हमले से वास्तव में क्षेत्रीय तनाव में कमी आई

भाषा। मिशिगन

इजराइल ने 26 अक्टूबर, 2024 को हवाई हमले कर ईरान, इराक और सीरिया में लगभग 20 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसकी आशंका कई सप्ताह से थी। दरअसल, यह काईवाई अक्टूबर की शुरुआत में तेहरान द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से बदला लेने की चेतावनी के बाद की गई। यह कदम उस पैटर्न का अनुसरण करता है जिसमें ईरान और इजराइल बारी-बारी से उस स्थिति को आगे बढ़ाते हैं जो लंबे समय तक एक छाया युद्ध था, लेकिन अब यह प्रत्यक्ष टकराव में बदल गया है।इन प्रतिशोधात्मक हमलों से व्यापक भय उत्पन्न हो गया कि समूचा क्षेत्र और अधिक उग्र चरण में प्रवेश करने को तैयार है। लेकिन, भले ही यह विरोधाभासी लगे पर मेरा मानना है कि हाल ही में हुए इजराइली हमलों ने तनाव को कम किया है। ऐसा क्यों हुआ, यह समझने के लिए, इजराइली अभियान की प्रकृति और पैमाने का विश्लेषण करना ज़रूरी है। साथ ही हमले के बाद इजराइल, ईरान और अमेरिका में निर्णय लेने वालों के संभावित रुख का भी विश्लेषण करना जरूरी है। इजराइल द्वारा सुनियोजित हमला- ईरान द्वारा अक्टूबर में किया गया हवाई हमला, ईरान के छद्म समूह हिजबुल्ला के विरुद्ध इजराइली अभियानों की श्रृंखला का प्रतिशोध था। इनमें जुलाई में ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण की पूर्व संध्या पर तेहरान में हमास के एक उच्च पदस्थ अधिकारी की हत्या तथा सितंबर के अंत में हिजबुल्ला के नेता की हत्या शामिल है।

अमेरिका : राष्ट्रपति पद के चुनाव में आव्रजन अहम मुद्दा बनकर उभरा

अटलांटा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में महज नौ दिन बचे हैं, ऐसे में आव्रजन प्रचार अभियान में एक अहम मुद्दा बना हुआ है और भारत सहित विभिन्न दक्षिण एशियाई देशों के आप्रवासियों को डर है कि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के जीतने पर उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान दिए भाषणों में राष्ट्रपति चुने जाने पर न सिर्फ वाशिंगटन की आव्रजन नीतियों को सख्त बनाने का वादा किया है, बल्कि अमेरिकी इतिहास में बिना दस्तावेज वाले आप्रवासियों का सबसे बड़ा घरेलू निर्वासन अभियान चलाने और मौजूदा शरणार्थी कार्यक्रमों की समीक्षा करने का संकल्प भी लिया है। पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले अप्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मसिद्ध नागरिकता के प्रावधान को समाप्त करने का भी वादा किया है, जिससे भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के आप्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। आप्रवासन समर्थक समूहों ने आव्रजन पर बयानबाजी को लेकर ट्रंप की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने का संकल्प कानूनी रूप से सवालों के घेरे में है, क्योंकि यह (जन्मसिद्ध नागरिकता) अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में निहित है। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी अवैध आव्रजन को कम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी आव्रजन प्रणाली चरमरा गई है और इसे दुरुस्त करने के लिए विधाई उपाय किए जाने की जरूरत है।

जापान के प्रधानमंत्री इशिबा के सत्तारूढ़ गठबंधन का संसदीय चुनाव में बहुमत खोना तय

भाषा। तोक्यो

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के सत्तारूढ़ गठबंधन का रविवार को संसद के निचले सदन के चुनाव में बहुमत खोना लगभग तय है। जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके ने यह जानकारी दी। ए परिणाम सत्तारूढ़ पार्टी के व्यापक वित्तीय घोटालों पर मतदाताओं के आक्रोश को दर्शाते हैं। एनएचके ने अपनी खबर में कहा कि इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी कोमिटो को 456 सीटों वाले निचले सदन में बहुमत (233 सीटें) मिलता नहीं दिख रहा है। जापान की द्विसदनीय संसद में निचला सदन बहुत ताकतवर है। बहुमत खोने का मतलब सरकार में बदलाव नहीं है, लेकिन नतीजों के कारण इशिबा के लिए अपनी पार्टी की नीतियों को संसद में पारित कराना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें तीसरा गठबंधन सहयोगी तलाशना पड़ सकता है। एक अक्टूबर को पदभार ग्रहण करने वाले इशिबा ने अपने पूर्ववर्ती फुमियो किशिदा द्वारा लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के कदमों के कारण जनता में उपजे आक्रोश को शांत करने में विफल रहने के बाद समर्थन जुटाने की उम्मीद में तुरंत चुनाव का आदेश दिया था।

जन्मदर में गिरावट की वजह से हजारों किंडरगार्टन बंद

भाषा। बीजिंग

चीन में जनसांख्यिकीय संकट गहराता जा रहा है और जन्म दर में गिरावट एवं बच्चों के नामांकन में गिरावट के मद्देनजर हजारों नामी किंडरगार्टन बंद हो गए हैं। एक अधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। चीन के शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में किंडरगार्टन की संख्या में 14,808 की कमी आई और यह घटकर 274,400 रह गई है। चीन की गिरती जन्म दर के नवीनतम संकेतक में यह लगातार दूसरी वार्षिक गिरावट है। हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को मंत्रालय की रिपोर्ट के हवाले से खबर दी कि किंडरगार्टन में नामांकित बच्चों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष गिरावट आई है। खबर के मुताबिक नामांकन में पिछले वर्ष की तुलना में 11.55 प्रतिशत या 53.5 लाख की कमी के साथ यह संख्या 4.09 करोड़ रह गई है।प्राथमिक विद्यालयों की संख्या भी 2023 में 5,645 घटकर 143,500 रह गई है जो 3.8 प्रतिशत की गिरावट है।साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर में कहा गया है कि यह गिरावट चीन में व्यापक जनसांख्यिकीय बदलाव को दर्शाती है, जहां जन्म दर और कुल जनसंख्या दोनों में गिरावट जारी है। इसमें कहा गया कि इससे भविष्य के आर्थिक विकास के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है, जो पहले से ही धीमा हो रहा है। पिछले साल चीन की जनसंख्या लगातार दूसरे साल घटकर 1.4 अरब रह गई, यानी 20 लाख से ज्यादा की गिरावट। 2023 में चीन में सिर्फ 90 लाख बच्चों का जन्म हुआ जो 1949 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से सबसे कम आंकड़ा है।जन्म दर में गिरावट के परिणामस्वरूप, चीन ने पिछले वर्ष सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश का अपना दर्जा खो दिया है।

एक साल की उम्र के बाद बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए सात जरूरी टीके

भारत में एक साल से कम उम्र के बच्चों में टीकाकरण का कवरेज अच्छा है लेकिन एक साल की उम्र के बाद टीकाकरण कवरेज में गिरावट आने लगती है। इस कारण से देश में बहुत से बच्चों का आंशिक टीकाकरण ही होकर रह जाता है। बच्चों को उनके पहले जन्मदिन के बाद भी कुछ महत्वपूर्ण टीके लगवाना जरूरी हैए जिससे कुछ गंभीर वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिसीज के खिलाफउनकी इम्यूनिटी मजबूत हो और उन्हें खुश एवं स्वस्थ भविष्य मिल सके। इन महत्वपूर्ण टीकों की आवश्यकता पर लखनऊ के सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन डॉण् संजय निरंजन ने कहा कि इंडियन एकेडमी ऑफपीडियाट्रिक्स द्वारा बताए गए 7 टीके 1 से 2 साल की उम्र के बच्चों को 14 बीमारियों से बचाते हैं। इन बीमारियों के कारण स्वास्थ्य एवं बच्चों के विकास पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। सभी माता.पिता के लिए मेरा सुझाव है कि 1 साल की उम्र होने के बाद भी बच्चों के टीकाकरण के पूरे शेड्यूल को पूरा करें। इन 7 महत्वपूर्ण टीकों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें। मालूम हो कि इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ;आईएपीद्ध ने 1 से 2 साल की उम्र के बच्चों के लिए 7 जरूरी टीकाकरण की सिफारिश की हैरू चिकनपॉक्स एवं हेपेटाइटिस ए की दो डोजए मेनिंजाइटिस और एमएमआर की दूसरी डोजए पीसीवी एवं डीटीपी एचआईबी आईपीवी की बूस्टर डोज और फ्लू की सालाना डोज। ये 7 जरूरी टीके बच्चों को चिकनपॉक्सए हेपेटाइटिस एए हेपेटाइटिस बीए मेनिंजाइटिसए मीजल्सए मम्प्सए रुबेलाए न्यूमोनियाए इन्फ्लूएंजाए डिप्थीरियाए टिटनसए परट्यूसिसए पोलियो और एचआईबी इन्फेक्शन जैसी 14 बीमारियों से बचा सकते हैं। एक साल की उम्र होने के बाद भी बच्चों में संक्रामक बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता हैए क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है।

मिशेल ओबामा ने मिशिगन में हैरिस के समर्थन में की रैली

केलमजू (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा ने पुरुषों से कमला हैरिस का समर्थन करने की अपील की जिससे वह देश की पहली महिला राष्ट्रपति बन सकें।अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के समर्थन में मिशिगन में शनिवार को एक रैली में मिशेल ओबामा ने कहा कि यदि डोनाल्ड ट्रंप पुनः राष्ट्रपति बनते हैं तो महिलाओं की जान खतरे में पड़ जाएगी। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला ने गर्भपात के संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि यह महिलाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। ओबामा ने कहा कि कुछ पुरुष विकास की धीमी गति के कारण गुस्से में ट्रंप को मतदान कर सकते हैं, लेकिन आपके इस गुस्से का असर बाकी चीजों पर पड़ेगा। मिशेल ओबामा ने कहा, अगर आप इस चुनाव में सही व्यक्ति को नहीं चुनते हैं तो आपके गुस्से का खामियाजा आपकी पत्नी, आपकी बेटी, आपकी मां और हम महिलाओं को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा, हर पैमाने पर उन्होंने (कमला) ने यह साबित किया है कि वह तैयार हैं। असली सवाल यह है कि एक देश के रूप में क्या हम इस पल के लिए तैयार हैं? ओबामा ने कहा, इस झूठ पर विश्वास मत कीजिए कि हम नहीं जानते कि कमला कौन हैं या वह किन अहम मुद्दों पर चुनाव लड़ रही हैं। वह एक ऐसी महिला हैं जो आप सबको समझ सकती हैं। ओबामा के बाद हैरिस ने लोगों को संबोधित किया और वादा किया कि वह उनके (लोगों के) हितों का ध्यान रखेंगी। उन्होंने ट्रंप पर केवल खुद के बारे में सोचने का आरोप लगाया। हैरिस ने कहा, हमारे देश में एक ऐसे राष्ट्रपति की चाहत है जो लोगों के बारे में सोचे, उनको समझे और उनके अधिकारों के लिए लड़े।

परिवर्तन के मुश्किल दौर से गुजर रहा है भारत

● गेंदबाजी में सीमित विकल्प चिंता का विषय

भाषा। नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में हार के बाद भारत का अगले साल जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाना अधर में लटक गया है और अगर वह लगातार तीसरी बार इसमें सफल भी रहता है तो डब्ल्यूटीसी के अगले दो साल के चक्र के लिए कप्तान रोहित शर्मा का टीम में बने रहना मुश्किल लगता है।यही बात रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और विराट कोहली पर भी लागू होती है। अश्विन तब 41 साल जबकि जडेजा और कोहली 39 साल के हो जाएंगे।न्यूजीलैंड के हाथों शर्मनाक हार के बाद कुछ सीनियर खिलाड़ियों पर उंगलियां उठने लगी हैं। ऐसे में पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने वर्तमान कोच गौतम गंभीर के प्रति सहानुभूति जताई।शास्त्री ने पुणे में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए कहा, न्यूजीलैंड ने उन्हें (भारत को) दोनों टेस्ट मैचों में शानदार तरीके से हराया है। यह सोचनीय विषय है। उन्होंने (गंभीर ने) अभी-अभी कार्यभार संभाला है। ऐसी टीम का कोच बनना कभी आसान नहीं होता जिसके इतने अधिक चाहने वाले हों। उन्होंने कहा, यह कोच के रूप में उनके करियर के शुरुआती दिन हैं, लेकिन वह जल्द ही सीख जाएंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत परिवर्तन के मुश्किल दौर से गुजरने वाला है। कम से कम चार विश्व स्तरीय क्रिकेटर अगले दो साल में खेल को अलविदा कह देंगे और ऐसे में गंभीर कोच के रूप में अविश्वसनीय स्थिति में हैं। भारत के पास बल्लेबाजी में कई विकल्प हैं लेकिन गेंदबाजी के मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता।अभी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी अगर वापसी भी करते हैं तो वह लंबे समय तक टीम में नहीं बने रह पाएंगे। आकाशदीप और मोहम्मद सिराज अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन जब दूसरे छोर से जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी कर रहे हो तब इन दोनों तेज गेंदबाजों के पास शमी जैसी मारक क्षमता नहीं दिखाई देती। इसके बाद जो तेज गेंदबाज अगली पंक्ति में खड़े हैं उनके साथ भी कुछ ना कुछ समस्या है। आवेश खान और खलील अहमद अच्छे तेज गेंदबाज हैं लेकिन निरंतरता और फिटनेस उनकी बड़ी समस्या है। नवदीप सैनी की गति धीमी पड़ गई है जबकि उमरान मलिक लगता है कि अपनी राह से भटक गए हैं।

श्रृंखला में हार की जिम्मेदारी सीनियर खिलाड़ियों पर : कार्तिक, मांजरेकर ने गंभीर का बचाव किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हार की जिम्मेदारी सीनियर भारतीय खिलाड़ियों पर है जबकि पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि कोच गौतम गंभीर पर दोष मढ़ना अनुचित होगा। भारत ने शनिवार को पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट 113 रन से गंवा दिया जिससे मेहमान टीम ने तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजई बढ़त बना ली। इसके साथ ही भारत का 2012-13 में इंग्लैड से हारने के बाद से घरेलू मैदान पर लगातार 18 टेस्ट श्रृंखला जीतने का सिलसिला भी खत्म हो गया। दोनों मुकाबलों के दौरान सीनियर खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नही किया। रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्ले से संघर्ष करते रहे जबकि रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी भी कोई खास प्रभाव नही छोड़ पाई।कार्तिक ने क्रिकबज से कहा, हां। इसका (श्रृंखला में हार का) दोष सीनियर खिलाड़ियों पर क्यों नही होना चाहिए? वे खुद को देखेंगे और कहेंगे, हम और क्या बेहतर कर सकते थे? मुझे नही लगता कि वे इससे भाग रहे है। उन्होंने कहा, अगर आप जीत का जश्न मना सकते हैं और प्रशंसक यह महसूस करते हैं कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं तो जब हार होती है और आप पर हमला किया जाता है तो मुझे लगता है कि उनमें इसका सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए। ार्तिक ने कहा कि सीनियर खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी खुद लेंगे और स्वीकार करेंगे कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ श्रृंखला नही थी।उन्होंने कहा, अगर आप उनमें से हर एक से व्यक्तिगत रूप से पूछें कि वे श्रृंखला के बारे में क्या सोचते है तो मुझे नही लगता कि वे पूरी टीम के प्रदर्शन के बारे मे कुछ खास कह पाएंगे और उनसे यह पूछना उचित होगा कि भारत में टेस्ट क्रिकेट के भविष्य और भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।

कप्तान डिवाइन के हरफनमौला खेल से न्यूजीलैंड की टीम जीती

● भारत को 76 रन से हराकर श्रृंखला में वापसी की

भाषा। अहमदाबाद

कप्तान सोफी डिवाइन के हरफनमौला खेल से न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे महिला एकदिवसीय में रविवार को यहां भारत को 76 रन से शिकस्त देकर शानदार वापसी की। डिवाइन ने 86 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेलने के बाद 27 रन पर तीन विकेट भी चटकाए। भारत के लिए राधा यादव ने चार विकेट लेने के बाद 48 रन बनाए लेकिन उनका प्रयास टीम के लिए नाकाफी साबित हुआ। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 259 रन बनाने के बाद भारत की पारी को 47.1ओवर में 183 रन पर समेट कर श्रृंखला को ।-। से बराबर किया। श्रृंखला तीसरा और निर्णायक मैच मंगलवार को खेला जाएगा।भारतीय टीम 108 रन पर आठ विकेट गंवाने के बाद शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही थी लेकिन राधा यादव और साइमा ठाकोर (29) की नौवें विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी ने टीम को बड़े अंतर से हार से बचाया।डिवाइन के अलावा लिया ताहुहू ने भी तीन विकेट लिए जबकि जेस केर और ईडन कार्सन को दो-दो सफलता मिली। डिवाइन ने 86 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

स्कोर : न्यूजीलैंड पारी: बेट्स का एवं बो राधा 58, प्लिमरका राधा बो दीप्ति 41,डाउन रन आउट (प्रिया) 03, डिवाइन का जेमिमाह बो राधा 79, हैलिडे का राधा बो प्रिया 8 ,ग्रीन का अरुंधति बो राधा 42, गेज स्टं तानिया बो दीप्ति 11, जेस केर नाबाद 12, तहूहू का दीप्ति बो राधा 0, कार्सन बो ठाकोर01, जोनस नाबाद 01, अतिरिक्त: 03,कुल योग : 50 ओवर मे नौ विकेट पर 259 रन, विकेट पतन: I-87, 2-98, 3-114, 4-139, 5-221, 6-239, 7-245, 8-245, 9-252, गेंदबाजी: साइमा 10-0-58-I,अरुंधति 10-0-52-0, दीप्ति 10-3-30-2,प्रिया 10-I-49-I, राधा 10-0-69-4
भारत पारी:शेफाली पगबाधा जेस केर 11,मंधाना का प्लिमर बो ताहूहू 00,भाटिया का गेज बो ताहूहू 12, कौर का कार्सन बो डिवाइन 24,रोड्रिग्स का गेज बो डिवाइन 17, हसबनिस बो कार्सन 15,शर्मा का गेज बो ताहूहू 15, रेड्डी का गेज बो कार्सन 02,राधा का डाउन बो डिवाइन 48, ठाकोर का बेट्स बो जेस केर 29,मिश्रा नाबाद 00,अतिरिक्त: 10,कुल योग: 47.1 ओवर मे सभी आउट: 183 रन,विकेट पतन: I-5, 2-19, 3-26, 4-64, 5-77, 6-100, 7-102, 8-108, 9-178,गेंदबाजी: ताहूहू10-I-42-3,केर 10-0-49-2,जोनास 10-2-33-0, डिवाइन 7.1-0-27-3, कार्सन10-2-32-2

डब्ल्यूटीटी चैंपियन्स में मनिका क्वार्टर फाइनल में हारी

नई दिल्ली। स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा क्वार्टर फाइनल मे चीन की कियान टियानई के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ फ्रांस के मोंटपेलियर में चल रहे डब्ल्यूटीटी चैंपियन्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई।दुनिया की 30वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी को शनिवार रात हुए मुकाबले मे सिर्फ 25 मिनट में टियानई के खिलाफ 8-11, 8-11, 10-12 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।राष्ट्रमंडल खेलो में कई पदक जीतने वाली मनिका ने तीनो गेम मे विरोधी खिलाड़ी को अच्छी टक्कर दी लेकिन चीन की खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण अंको पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

मन्नत शीर्ष अमेच्योर और भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ पर लिज के नाम रहा खिताब

गुरुग्राम। मन्नत बराड़ हीरो वुमेंस इंडियन ओपन गोल्फ में रविवार को चौथे और आखिरी दौर के बाद संयुक्त 11वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ और शीर्ष अमेच्योर खिलाड़ी बन कर उभरी। इंग्लैंड की लिज यंग ने एक शॉट की बढ़त के साथ इस खिताब को अपने नाम किया। मन्नत ने यहां डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब मे आखिरी दौर मे दो अंडर 70 के कार्ड के साथ कुल चार ओवर 292 का स्कोर बनाया। प्रणवी उर्स और हिताशी बख्शी उन से दो स्ट्रोक पीछे संयुक्त 15वें स्थान पर रही।

झेंग ने तोक्यो में खिताब जीता, डब्ल्यूटीए फाइनल्स में

तोक्यो। चीन की शीर्ष वरीय क्विनवेन झेंग ने रविवार को यहां अमेरिका की वाइल्डकार्डधारी सोफिया केनिन को 7-6 (5), 6-3 से हराकर टोरे पैन पैसिफिक ओपन का खिताब जीता और अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स मे जगह बनाई। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवे नंबर की खिलाड़ी झेंग ने 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन पर एक घंटे 52 मिनट में मिली जीत के दौरान 16 ऐस लगाए और सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया। इस साल यह 22 वर्षीय झेंग का तीसरा खिताब है और पिछले साल हांग्झोउ में जीतने के बाद हार्डकोर्ट पर यह उनका पहला खिताब है।

शेल्टन स्विस इंडोर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में

बासेल (स्विट्जरलैंड)। बेन शेल्टन ने सेमीफाइनल में अपने युगल जोड़ीदार फ्रांस के आर्थर फिल्स को हराकर स्विस इंडोर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत एक अन्य फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेतशी पेरिकार्ड से होगी। छठे वरीय शेल्टन ने सातवें वरीय फिल्स को सेमीफाइनल में 6-3, 7-6 से हराया। शेल्टन टाईब्रेक मे 3-6 से पिछड़ रहे थे लेकिन वापसी करते हुए जीत दर्ज करने मे सफल रहे। पिछले महीने शेल्टन को फिल्स ने तोक्यो में क्वार्टर फाइनल में हराया था लेकिन यहां अमेरिकी खिलाड़ी ने जीत के साथ सोमवार को जारी होने वाली विश्व रैंकिंग मे शीर्ष 20 मे वापसी सुनिश्चित की।

बार्सीलोना ने रीयाल मैड्रिड को 4-0 से हराया

बार्सीलोना। रॉबर्ट लेवानदोवस्की के दो गोल की मदद से बार्सीलोना ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट मे शनिवार को यहां रीयाल मैड्रिड पर 4-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस हार के साथ मैड्रिड का ला लीगा मे 42 मैच का अजेय अभियान भी थम गया। टीम 2017-18 मे बनाए बार्सीलोना के रिकॉर्ड से एक मैच पीछे रह गई। कार्लो एंकेलोटी की टीम की पिछले साल 23 सितंबर से ला लीगा मे यह पहली हार है। यमाल (77वें मिनट) और राफिन्हा (84वें मिनट) ने भी इसके बाद गोल दागकर बार्सीलोना की आसान जीत सुनिश्चित की।

माधव के नाबाद 128 रन से यूपी मजबूत

● पंजाब के खिलाफ रणजी मुकाबला

भाषा। मुल्लांपुर

सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक की नाबाद 128 रन की पारी के अलावा अनुभवी नितीश राणा (66) के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी के दम पर उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच रविवार को यहां दूसरे दिन अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 293 बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पंजाब के 210 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने दूसरे दिन बिना किसी नुकसान के आठ रन से आगे से खेलना शुरू किया और दिन के आखिर में उसके पास 83 रन की बढ़त है। उसके सात विकेट बचे हुए हैं। कौशिक ने पहले विकेट के लिए कप्तान आर्यन जुयाल (16) के साथ 34, प्रियम गर्ग (27) के साथ दूसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी कर एक छोर से टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। कौशिक को दूसरे छोर से राणा का अच्छा साथ मिला और दोनों बल्लेबाजों ने आत्मविश्वास के साथ पंजाब के गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा। इस दौरान कौशिक ने प्रथम श्रेणी करियर को दूसरा शतक पूरा किया तो वहीं राणा ने इस प्रारूप का 13वां अर्धशतक जमाया। मयंक मार्कंडेय ने राणा को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। जब यह साझेदारी टूटी उस समय उत्तर प्रदेश की टीम पंजाब से पांच रन पीछे थी। कौशिक और भारत के सीमित ओवरों के खिलाड़ी रिंकू सिंह ने इसके बाद चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर के उत्तर प्रदेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रिंकू 85 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे है तो वहीं कौशिक ने अब तक की 231 गेंद की पारी में 17 चौके जड़े है। पंजाब के लिए गुरनूर बरार ने दो विकेट लिए। पटना में बिहार और कर्नाटक के बीच बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल संभव नहीं हुआ। कोलकाता में इशान पोरेल के तीन विकेट से बंगाल ने केरल के 54 रन पर चार विकेट चटका लिए। हरियाणा ने इंदौर में मध्यप्रदेश को पहली पारी में 308 रन पर आउट करने के बाद तीन विकेट पर 185 रन बनाए। हरियाणा के लिए लक्ष्य दलाल 60 रन पर बल्लेबाजी कर रहे है जबकि हिमांशु राणा ने 90 रन का योगदान दिया।

बल्लेबाज फिर विफल, दिल्ली की टीम 116 रन से पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली की बल्ले से परेशानी का सिलसिला फिर जारी रहा जिससे रविवार को यहां असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच मे यश ढुल और हिम्मत सिंह जैसे बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहे जिससे स्टंप तक टीम का स्कोर छह विकेट पर 214 रन रहा। असम ने सुबह छह विकेट पर 264 रन से खेलना शुरू किया और पारी 330 रन पर समाप्त की। विकेटकीपर सुमित घड़ीगांवकर ने 237 गेंद मे 162 रन बनाए। उन्होंने सुबह 120 रन से अपनी पारी शुरू की और हर्षित राणा की गेंदबाजी में उनके साथी बल्लेबाज ज्यादा देर नही टिक सके। स्टंप तक दिल्ली का स्कोर छह विकेट पर 214 रन था जिससे वह असम से पहली पारी के आधार पर 116 रन से पीछे थी। पहली बार टेस्ट टीम में शामिल हुए राणा ने 19.3 ओवर में 80 रन देकर पांच विकेट झटके और असम की पारी मृणमय दत्ता के आउट होते ही खत्म हो गई। फिर दिल्ली ने आते ही गगन वत्स (शून्य) का विकेट गंवा दिया। लेकिन सनत सांगवान (47 रन) और धुल (47 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर पारी को आगे बढ़ाया। धुल के आउट होने के बाद कप्तान हिम्मत सिंह क्रीज पर उतरे, उन्होंने सांगवान के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़े। लेकिन सांगवान पगबाधा आउट हो गए। हिम्मत असम के अनुभवी ऑफस्पिनर स्वरूपम पुरकायस्थ (46 रन देकर तीन विकेट) की गेंद पर आउट हो गए जिससे उनकी 88 गेंद में 55 रन की पारी समाप्त हुई। बाएं हाथ के स्पिनर राहुल सिंह ने 32 रन देकर दो विकेट झटके। राहुल ने विकेटकीपर प्रणव राजवंशी को आउट किया जिससे दिल्ली का स्कोर छह विकेट पर 182 रन हो गया।

समर्थ का शतक, उत्तराखंड सतर्क

● विदर्भ के खिलाफ उत्तराखंड के सात विकेट पर 242 रन

देहरादून। विदर्भ के पहली पारी में 326 रन के जवाब में उत्तराखंड ने रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में कप्तान रविकुमार समर्थ के शतक के बाद दूसरे दिन के अंत में दो विकेट गंवा दिए जिससे स्टंप तक उसका स्कोर सात विकेट पर 242 रन हो गया। समर्थ ने 241 गेंद में 12 चौके से 119 रन की पारी खेली। उत्तराखंड की टीम अभी विदर्भ से 84 रन से पिछड़ रही है। कर्नाटक छोड़कर इस सत्र में उत्तराखंड के लिए खेल रहे 31 वर्षीय समर्थ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने वर्षों के अनुभव का इस्तेमाल कर अपनी टीम को पिछले साल की उप विजेता के खिलाफ अपनी टीम को अच्छी स्थिति में बनाए रखा। पर उन्हें दूसरे छोर पर साथ नहीं मिला। कृणाल चंदेला (19), युवराज चौधरी (28) और स्वप्निल सिंह (27) ने अच्छी शुरूआत की लेकिन इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा ने 45 गेंद में 30 रन बनाए। विदर्भ के लिए 39 वर्षीय अनुभवी ऑफ स्पिनर अक्षय वाखरे ने 17 ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट झटके। आदित्य ठाकरे ने दो विकेट प्राप्त किए। स्टंप तक मयंक मिश्रा एक और अभय नेगी दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

जम्मू कश्मीर ने सेना को पारी के अंतर से हराया

श्रीनगर। तेज गेंदबाज उमर नजीर मीर के छह विकेट की मदद से जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच में रविवार को यहां सेना को पारी और 25 रन से हराया।जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में 228 रन बनाकर 157 रन की बढ़त हासिल की। पहली पारी में केवल 71 रन बनाने वाली सेना की टीम दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। मीर ने 53 रन देकर छह विकेट लिए।सेना की तरफ से केवल शुभम रोहिल्ला (47), जयंत गोयत (27) और अरुण कुमार (20) ही दोहरे अंक तक पहुंचने में सफल रहे।अगरतला में गत चैंपियन मुंबई ने निचले क्रम के बल्लेबाजों शम्स मुलानी (71), हिमांशु सिंह (59) और शार्दुल ठाकुर (62) के अर्धशतकों की मदद से त्रिपुरा के खिलाफ अपनी पहली पारी में 450 रन का मजबूत स्कोर बनाया।त्रिपुरा ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 60 रन बनाए। उस समय जीवनजोत सिंह (39) और परवेज सुल्तान (01) क्रीज पर थे। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में क्रुणाल पंड्या ने नाबाद 88 रन बनाए।

क्विक न्यूज

सेंटनर ने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी उजागर की, कोहली की फॉर्म चिंता का विषय नहीं: साइमन डूल

पुणे। न्यूजीलैड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने टेस्ट श्रृंखला में भारत की हार के लिए उसके बल्लेबाजो की स्पिन गेंदबाजी को खेलने की कमजोरी को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन उन्होंने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चुका हुआ मानने से इनकार कर दिया।बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के 13 विकेट की मदद से कीवी टीम ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 113 रन से हराकर तीन मैचो की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।डूल ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह गलत धारणा है कि भारतीय बल्लेबाज स्पिन के बेहतर खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि उनके पास बेहतर स्पिनर है और वे विपक्षी बल्लेबाजो की कमजोरी को उजागर करने में सक्षम है। लेकिन इस टेस्ट (पुणे) मे मिशेल सेंटनर ने शानदार प्रदर्शन करके उनके बल्लेबाजो को थोड़ा बेनकाब कर दिया। डूल ने कहा कि न्यूजीलैड का स्पिन आक्रमण विश्व स्तरीय नही है और उनके सामने भारतीय बल्लेबाजो का लचर प्रदर्शन चिंता का विषय है।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपको इस तरह के अच्छे विकेटो पर खेलने की आदत हो जाएगी। लेकिन जब पिच टर्न लेना शुरू करती है तो आपकी कमजोरी उजागर हो जाती है। भारत लंबे समय तक टर्निंग विकेट पर खेलता रहा है। उसके पास अब भी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के रूप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।

बाबर की जगह रिजवान को पाकिस्तान का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया

लाहौर। पाकिस्तान के चयनकर्ताओ ने चार नवंबर से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के दौरे के लिए रविवार को टीमो की घोषणा की जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को बाबर आजम की जगह वनडे और टी20 कप्तान नियुक्त किया गया। सलमान अली आगा को भविष्य के सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचो के लिए उप-कप्तान बनाया गया। पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलेगा जिसकी शुरुआत चार नवंबर को मेलबर्न (वनडे) में पहले मैच से होगी और यह कप्तान के रूप में रिजवान का पहला दौरा होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान मे कहा कि आगा जिम्बाब्वे मे टी20 टीम की अगुवाई करेंगे क्योंकि रिजवान को कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत आराम दिया गया है। पाकिस्तान का जिम्बाब्वे दौरा 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक होगा जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे।

शाहीन शाह अफरीदी केंद्रीय अनुबंध में ए से बी वर्ग में खिसके जबकि फखर, इफ्तिखार, मीर बाहर

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को 2024-25 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध मे तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को ए वर्ग से हटाकर बी वर्ग मे खिसका दिया जबकि सीनियर खिलाड़ियों फखर जमां, इफ्तिखार अहमद और ओसामा मीर को अनुबंध नही दिया। हाल मे इंग्लैड पर 2-I से श्रृंखला में जीत हासिल करने के बावजूद टेस्ट कप्तान शान मसूद बी ग्रेड में बने हुए है। बोर्ड ने कुल 25 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध दिए है जबकि पिछले साल 27 खिलाड़ियों को अनुबंध पेश किया था। पिछले साल की तरह पीसीबी ने तीन महीने के बाद अनुबंध की घोषणा की। पीसीबी के सूत्र ने पीटीआई को बताया कि फिटनेस टेस्ट मे विफल होने के कारण ही जमां को अनुबंध सूची से बाहर किया गया। सूत्र ने कहा, फखर इस समय घुटने की समस्या के लिए लाहौर मे एनसीए मे रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया मे है।

लुईस के शतक से वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में श्रीलंका को हराया

पाल्लेकल (श्रीलंका)। एविन लुईस के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। श्रीलंका ने 2-I से श्रृंखला जीती। वर्ष 2021 से अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे लुईस ने छक्के के साथ 61 गेंद में अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बावजूद खेलना जारी रखा। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा और मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। वेस्टइंडीज को 195 रन का लक्ष्य मिला और टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर जीत दर्ज की। श्रीलंका को जीवनदान पाने वाले दोनो सलामी बल्लेबाजो पथुम निसांका (56) और अविष्का फर्नांडो (34) ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

रोनाल्डो और मेस्सी के दबदबे के बाद नए युग के युवा खिलाड़ी बेलोन डी ओर जीतने को तैयार

मैनचेस्टर (इंग्लैड)। वैश्विक फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिए जाने वाले पुरस्कार बेलोन डी ओर का आयोजन जब सोमवार को होगा तो पिछले कई वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जबकि इस खेल के दो सबसे बड़े दिग्गजो में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी दावेदारो मे शामिल नही होंगे।अर्जेंटीना के मेस्सी और रोनाल्डो पिछले 16 बरस में 13 बार इस खिताब के विजेता रहे है लेकिन इस बार इन दोनो को नामांकन नही मिला है। मेस्सी उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने इस खिताब को लगातार दो साल जीता है। उन्होंने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व चैम्पियन बनाने के बाद अपने रिकॉर्ड मे सुधार करते हुए आठवी बार इसे जीता था। मेस्सी से पहले लगातार दो पुरस्कार जीतने वाले पिछले खिलाड़ी मार्को वैन बास्टेन थे। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने 1988 और 1989 में बेलोन डी ओर को अपने नाम किया था।

चेकमेट से होगा पूरा एंटरटेन्मेंट

मुंबई। भारत के सबसे बेहतरीन डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा इस दिवाली के मौके पर दर्शकों के लिए अपनी नई ओरिजनल हिंदी सीरीज चेकमेट रिलीज करने जा रहा है। यह एक क्राइम.सस्पेंस सीरीज है जिसमें जिसमें दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाने वाली और उन्हें शुरू से लेकर आखिर तक जोड़े रखने वाली कहानी है। इस सीरीज में न्यारा बनर्जी अहम भूमिका निभाने जा रही हैं और उनके साथ अन्य कलाकारों में शालीन मल्होत्राए रोहित खण्डेलवाल, राहुल जगताप और आफ़रीन अल्वी हैं। इस सीरीज की कहानी में रहस्य, भावनाप्रधान दृश्य और हैरतअंगेज मोड़ हैं जिससे दर्शकों में सीरीज के साथ बने रहने की दिलचस्पी पैदा होती है। हंगामा प्लेटफ़ॉर्म और उसके पार्टनर प्लेटफ़ॉर्म पर यह सीरीज स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी ताकि त्योहार के मौके पर यह ज़्यादा से ज़्यादा दर्शकों को देखने के लिए मिल सके। जिन प्लेटफ़ॉर्म पर इसे देखा जा सकेगा उनमें टाटा बिंज पर हंगामा,वाचो, बीएसएनएल, प्लेबॉक्सटीवी,रेलवायर ब्रॉडबैंड,अलायंस ब्रॉडबैंड, मेघबेला ब्रॉडबैंड, ऐसीटी फायबरनेटए वीआई मूवीज एण्ड टीवी और एयरटेल एक्सट्रीम प्ले शामिल हैं। हंगामा डिजिटल मीडिया के फाउंडर और मैनेजिंग डाइरेक्टर नीरज रॉय ने इस सीरीज की रिलीज पर कहा कि चेकमेट हमारे लिए एक अहम सीरीज है।

भारत को जापान पैरा बैडमिंटन में 24 पदक

भाषा। तोक्यो

शिवराजन सोलईमलई और सुकांत कदम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को जापान पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 24 पदक जीते। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक जीते। शिवराजन को दोहरी सफलता मिली। उन्होंने पुरुष एकल एसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल में सुदर्शन श्रवणकुमार मुथुसामी के साथ मिलकर खिताब जीता। सुकांत ने पुरुष एकल (एसएल4) में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल (एसएल3-एसएल4) में दिनेश राजैया के साथ मिलकर रजत पदक जीता। उन्होंने एकल फाइनल में साथी भारतीय खिलाड़ी तरूण को 21-12, 21-10 से हराया। नवीन शिवकुमार और सूर्यकांत यादव को कांस्य पदक मिले।पुरुष युगल फाइनल में सुकांत और दिनेश को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन जोड़ी के खिलाफ 5-21, 22-20, 16-21 की हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुकांत ने एक विज्ञप्ति में कहा, एकल में स्वर्ण और युगल में रजत जीतना बेहद विशेष है। मैं अपने कोच, सहयोगी टीम और पूरे पैरा बैडमिंटन समुदाय को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। यह जीत सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए मेरी प्रेरणा बनती है। अन्य स्पर्धाओं में मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन कुमार नितेश ने एसएल3 फाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा के खिलाफ करीबी मुकाबले में 16-21, 21-18, 19-21 की हार से रजत पदक जीता। महिलाओं के एसयू5 वर्ग में मनीषा रामदास ने जापान की मामिको टोयोडा को 21-12, 21-18 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि नीरज को महिलाओं के एसएल3 वर्ग में कोरालिन बर्गेरॉन से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

युवराज,मुबस्सिर,अंश, काव्या, आरना, सुनायशा व महिका ने जीते स्वर्ण

● लखनऊ सब जूनियर जिला कराटे चैंपियनशिप-2024

लखनऊ। युवराज विक्रम सिंह, मुबस्सिर, अंश लोधी, स्वरित बाजपेयी, काव्या चौधरी, आरना सिंह, अनंत कुमार,सुनायशा चौधरी और महिका सिंह ने लखनऊ सब जूनियर जिला कराटे चैंपियनशिप.2024 में अपने-अपने वर्गो में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। चौक स्टेडियम के लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के तत्वावाधान में आयोजित चैंपियनशिप के समापन समारोह में अपर जिला जज अयोध्या प्रेम प्रकाश चौधरी व अपर जिला जज कन्नौज लोकेश वरुण ने पदक विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। आज समापन समारोह की अध्यक्षता कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के अध्यक्ष जसपाल सिंह ने की। इस अवसर पर सचिव कृष्णा अवतार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के रेफरी कमीशन के चेयरमैन रवि चौरसियाए तकनीकी निदेशक संतोष कुमार व अन्य मौजूद थे। इससे पूर्व डाण्कीर्ति विक्रम सिंह ;उप निदेशकए इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी लखनऊ ने चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। चैंपियनशिप में बालकों में कुमिते 13 वर्ष, 55 किग्रा से कम वर्ग में युवराज विक्रम सिंह ने स्वर्ण व तेजस महंत ने रजत जीता। अल्तमश खान ने बालक कुमिते 13 वर्ष 50 किग्रा से कम वर्ग के साथ काता में भी स्वर्ण पदक जीता। बालक कुमिते 40 किग्रा से कम वर्ग में मुबस्सिर इदरीशी ने स्वर्णए ध्रुव कुमार राव ने रजत पदक जीता। बालक कुमिते 13 वर्षए 55 किग्रा से अधिक वर्ग में अंश लोधी ने स्वर्ण व आयुष्मान ने रजत पदक जीता।

क्रिकेट बड्डीज ने सीवीसीएल को 39 रन से हराया

लखनऊ। मैन ऑफद मैच मोहम्मद इमरान खान ;3द्ध विकेट की अगुवाई में उपयोगी गेंदबाजी से क्रिकेट बड्डीज ने तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे मैच में सीवीसीएल को 39 रन से हराया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर क्रिकेट बड्डीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 200 रन बनाए।सलामी बल्लेबाज नूर ने 45 गेंदों पर 10 चौके से 67 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। करुणेश उपाध्याय ने 34 गेंदों पर 8 चौके से 49 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 113 रन की शतकीय साझेदारी की। मोहम्मद इमरान खान ने 23 रन जोड़े। सीवीसीएल से संजय गिरि को 3 विकेट की सफलता मिली। जवाब में सीवीसीएल 8 विकेट पर 161 रन ही बना सका।

प्रधानमंत्री ने लाइव शतरंज रेटिंग में एरिगेसी के 2800 अंक पार करने की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लाइव शतरंज रेटिंग में अर्जुन एरिगेसी के 2800 अंक पार करने को अभूतपूर्व उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि होने के अलावा कई अन्य युवाओं को शतरंज खेलने और वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करेगा।पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद एरिगेसी 2800 ईएलओ रेटिंग को पार करने वाले केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए।ईएलओ 2800 रेटिंग क्लब में शामिल होना आसान नहीं है। इतिहास में अब तक केवल 14 खिलाड़ियों ने प्रकाशित रेटिंग में 2800 ईएलओ अंकों को पार किया है।मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लाइव शतरंज रेटिंग में 2800 अंक का आंकड़ा पार करने के लिए अर्जुन एरिगेसी को बधाईउ यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। उनकी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ता हमारे पूरे देश को गौरवांवित करती है। उन्होंने कहा, एक महान व्यक्तिगत उपलब्धि होने के अलावा, यह कई और युवाओं को शतरंज खेलने और वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।